Vol.22, Issue 8 | Annual Subscription ₹480

@NewsRotary

/RotaryNewsIndia

जून 2023

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

ADVT.
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS
SAY IDHAYAM • SPELL HEALTH
SATISFACTION 100% GUARANTEED
IDHAYAM
SESAME OIL
Mantra
GROUNDNUT OIL
▪ Unmatchable Quality and Colour ▪ Abundant Flavour While Cooking
▪ Wonderful Taste ▪ Endless Health Benefits
LEKHA ads/June 2023/R.I-01
IDHAYAM | www.idhayam.com | office@idhayam.com | Whatsapp : 99447 66661

विषयसूची

14
मेकिनली के लिए, रोटरी निरंतरता और दिल की बात है

26
मानसिक स्वास्थ्य सुविधा को मिला नया रूप

28
बड़े सपनों से कतराएं नहीं

32
मेकिनली की मुंबई में राजश्री बिड़ला से मुलाकात

34
एक रोटरी क्लब डॉक्टरों के नाम

36
केवल प्रेम ही विश्व में आशा की किरण जगा सकता है: RIPE मेकिनली

44
ट्रांसजेंडर के लिए अन्य जीविकोपार्जन की पहचान

46
छत्तीसगढ़ के एक गाँव में चिकित्सा शिविर उम्मीद और उपचार देता हैं

48
नागपुर के वरिष्ठ नागरिकों का भ्रमण

52
मिस्र, नील नदी से धन्य

62
दिल्ली के रोटरी क्लब कुष्ठ रोग देखभाल का समर्थन करते हैं

64
समुदाय में सहभागिता लाएँ

68
एस डी बर्मन दिलकश, जादुई, अद्भुत संगीतकार

76
दाँतों के लिए ज्ञान

रोटरी न्यूज़ के उत्कृष्ट संस्करण

रोटरी क्लब मद्रास कोरोमंडल की एक जल विभाजक परियोजना में गांव की महिलाओं के एक समूह के साथ मई अंक की कवर फोटो अति सुंदर है। *एक असली बजरंगी भाईजान* की कहानी पढ़ने योग्य होने के साथ-साथ दिल छू लेने वाली है और रोटेरियनों की भूमिका प्रशंसनीय है।

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स का यह कथन उल्लेखनीय है कि रोटरी एक ऐसी जगह है जहाँ हम जानते हैं कि हम अकेले नहीं हैं। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि नए रोटरी वर्ष का ध्यान मानसिक स्वास्थ्य पर होगा जैसा कि आरआईपीई गॉर्डन आर मेकिनली द्वारा घोषित किया गया था।

संपादक का संदेश आंखें खोल देने वाला है। रो ई निदेशक महेश कोटबागी और रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश के संदेश दिलचस्प हैं। टीआरएफ न्यासी अध्यक्ष इयान राईसली और न्यासी भरत पांड्या ने रोटेरियनों से दिल खोलकर दान करने का आग्रह किया है। *लक्ष्य क्षणों* की तस्वीरें रंगीन हैं।

रोटेरियनों ने बोकारो के पास के एक गांव को परिवर्तित किया, मुंबई में नेत्रहीनों के लिए एक सिनेमा की सौगात, केरल से लद्दाख तक रोटरी पीस मिशन, मिस्र, फराहों और पिरामिडों की भूमि, नि:शक्त जोड़ों का भव्य सामूहिक विवाह जैसे अन्य लेख सूचनात्मक है और बहुत ही बढ़िया ढंग से लिखे गए हैं। *शंकर-जयकिशन, बॉलीवुड संगीत के अन्वेषक* पर लेख लिखने के लिए धन्यवाद। पीडीजी रेखा शेट्टी के निधन के बारे में पढ़कर दुख हुआ। मई अंक वाकई शानदार है।

फिलिप मुलप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

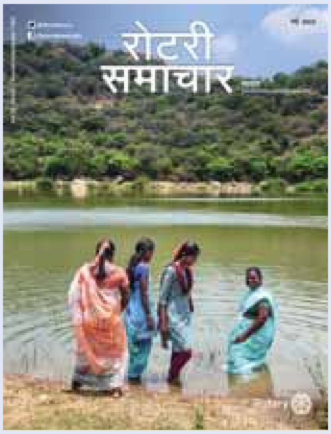

अप्रैल का अंक देखने एवं पढ़ने में बहुत ही प्रभावशाली था। इसके पृष्ठ विभिन्न गतिविधियों से जुड़ी तस्वीरों से भरे हुए थे। इस अंक में रोटरी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम जैसे विभिन्न सेवा गतिविधियों से जुड़े लेख मौजूद थे और इनको पढ़ना वास्तव में एक संतोषजनक अनुभव था। *रोटरी न्यूज़* की पूरी टीम को बधाई।

राधेश्याम मोदी
रोटरी क्लब अकोला
मंडल 3030

रोटरी द्वारा शुरू की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं के बारे में दुनिया भर के रोटेरियनों को सूचित करके उन्हें अपडेट रखने के लिए आपके द्वारा किए जाने वाले इस अनमोल कार्य के लिए कृपया मेरी दिली कृतज्ञता स्वीकार करें। मैं आपके द्वारा प्रकाशित कहानियों से लगातार प्रेरित होता हूँ। रोटरी न्यूज़ एक दूसरे से जुड़ने, एक दूसरे से सीखने और प्रबुद्ध महसूस करने का एक मंच है।

बिपन सेठी
रोटरी क्लब अहमदगढ़
मंडल 3090

लेख *एक असली बजरंगी भाईजान उत्कृष्ट* मानवीय सेवा पर प्रकाश डालती है जो हमारे लिए अनुकरणीय है। हमने सदस्य लायन क्लबों के साथ इस परियोजना की चर्चा की। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसमें शामिल सभी लोगों को शुभकामनाएं।

अरुण कुमार
लायंस क्लब ऑफ इलाहाबाद, यूपी

अवधारण चुनौती

सदस्यों को रोके रखने पर आरआईडीई ए एस वेंकटेश की सलाह उत्कृष्ट एवं सामयिक है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर हमारी आँखें खोलने के लिए रो ई निदेशक को धन्यवाद।

महेश त्रिखा
रोटरी क्लब दिल्ली साउथ ईस्ट
मंडल 3011

मुझे एक रोटरी क्लब से जुड़े हुए केवल 12 दिन हुए हैं। सबसे पहले, मैंने दो दिनों के लिए आरएलआई में भाग लिया और फिर एक रोटेरियन बना। बेशक, रोटरी में सदस्य अवरोधन एक बड़ी चुनौती है। एक संरचित ढांचे की आवश्यकता है ताकि चरणबद्ध तरीके से नए सदस्यों को टीआरएफ जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की जा सकें।

अनिल कुमार नायक
रोटरी क्लब नवी मुंबई समैरिटन
मंडल 3142

सेवा और मजेदार यात्रा का संयोजन

भूकंप पीड़ितों की मदद करने के लिए तुर्की की एक मज़ेदार यात्रा पर लिखित लेख (अप्रैल अंक) दिलचस्प है। डीजी आई जेराल्ड के नेतृत्व में रो ई मंडल 3000 के रोटेरियन समय पर राहत सामग्री

के साथ तुर्की के भूकंप प्रभावित लोगों की मदद के लिए पहुँचें। परियोजना अध्यक्ष सी आर वेंकटेश का कहना है कि रिकॉर्ड तीन दिनों में वे तुर्की राहत कोष के लिए ₹15 लाख जुटाने में सक्षम हुए। तुर्की जाने वाले 125 रोटेरियनों ने राहत सामग्री दान की। रो ई मंडल 3000 के बड़े दिल वाले रोटेरियनों को हमारी शुभकामनाएं।

एस मुनियांडी

रोटरी क्लब डिंडीगुल फोट- मंडल 3000

'अंधा' शब्द का उपयोग

मुंबई में नेत्रहीनों (ब्लाइन्ड) के लिए एक सिनेमा की सौगात लेख का शीर्षक अच्छा नहीं रखा गया है इसकी जगह दृष्टि-बाधित, दृष्टिहीन-चुनौती या दृष्टि-विकलांग शब्द का उपयोग किया जाना था। हम रोटेरियन हैं और हमें अधिक मानवीय होना चाहिए।

के गोपाल रत्नम

रोटरी क्लब मद्रास - मंडल 3232

विकलांगों के नेताओं और चैंपियनों, जो स्वयं शारीरिक रूप से विकलांग हैं, के साथ अनेक वर्षों में हुई मेरी विस्तृत बातचीत में, मीडिया के लिए उनका स्पष्ट संदेश यह है: हमारे लिए राजनीतिक रूप से उचित भाषा का उपयोग करने का नाटक छोड़ दें। हमें अंधा कहलाने में कोई समस्या नहीं है मगर कृपया हमारे साथ इंसानों की तरह व्यवहार करें। 'अंधा' शब्द जब किसी शारीरिक स्थिति का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाता है तो अपमानजनक नहीं होता है; मगर यह तब अपमानजनक हो जाता है जब इसका उपयोग अज्ञानता, जागरूकता की कमी, जैसे "अंधा विश्वास" की उपमा देने में किया जाता है। इसलिए इस लेख में इसका उपयोग पूरी तरह से उपयुक्त था।

संपादक

कवर पर: कोलकाता में *लक्ष्य* बैठक में आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली और हेतर।

चित्र: रशीदा भगत

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए।
rotarynewsmagazine@gmail.com पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।

आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकरी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए।

WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिक रोटरी परियोजनाओं के बारे में पढ़ने के लिए हमारी वेब साइट *www.rotarynewsonline.org* पर Rotary News Plus पर क्लिक करें।

क्या आपने
रोटरी न्यूज़ प्लस
पढ़ा है?
या यह आपके जंक
फोल्डर में जा रही है?

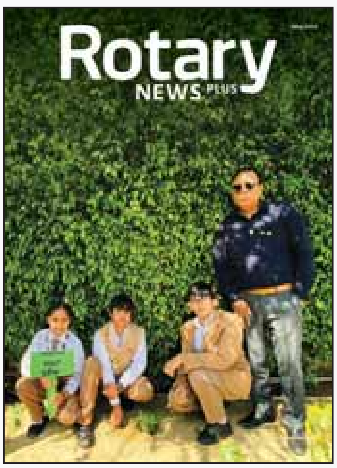

हम हर महीने आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन **ROTARY NEWS PLUS** निकालते हैं। यह प्रत्येक सदस्य को महीने के मध्य तक ई-मेल द्वारा भेजा जाता है।

रोटरी न्यूज़ प्लस हमारी वेबसाइट
www.rotarynewsonline.org पर पढ़ें।

अध्यक्ष की ज़बानी

1. न्यूयॉर्क शहर में सितंबर के ग्लोबल सिटीजन फेस्टिवल में रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स, रोटरी वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल के लिए अतिरिक्त 150 मिलियन डॉलर को प्रतिबद्ध करने की घोषणा करते हुए। 2. अगस्त में जाम्बिया का दौरा करते हुए जोन्स रोटरी के प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदान के पहले प्राप्तकर्ता, पार्टनर्स फॉर ए मलेरिया-फ्री ज़ाम्बिया में भाग लेने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए। 3. ग्वाटेमाला साक्षरता परियोजना दौरे के दौरान एक छात्रा, लकी जोहाना मिशेल चुटा सिमोन के साथ जोन्स कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। 4. जुलाई में, अपने इमेजिन रोटरी कनाडा टूर के एक पड़ाव पर जोन्स रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की लाल सर्ज ट्यूनिक पहने हुए एक भरे शरीर वाले भूरे भालू को गले लगाते हुए। 5. जोन्स और अभिनेता सिबोगिल म्लाम्बो (बीच में) युगांडा की नकीवाले शरणार्थी बस्ती में सितंबर के फुटबॉल खेल का आनंद लेते हुए।

अलविदा नहीं, बेहतरीन कार्य

पिछले एक साल में *रोटरी* पत्रिका के पन्नों के माध्यम से आपसे बात करके मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। मैंने विशेष रूप से उन अद्भुत लोगों की अविश्वसनीय कहानियों को साझा करने का आनंद लिया जिनसे मैं और निक *इमेजिन इम्पैक्ट टूर* पर मिले थे।

ग्वाटेमाला के पहाड़ी पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में पैटज़ुन से लेकर ज़ाम्बिया के लुसाका के बाहर एक छोटे से गांव तक उन अनगिनत लोगों द्वारा हमारा अभिवादन किया गया जो एक बेहतर दुनिया की कल्पना करने के साथ ही उसके लिए भी काम करते है।

हम उन शिक्षकों से प्रेरित हुए जो लिंग-आधारित हिंसा का सामना करने वाली लड़कियों और लड़कों के लिए बेहतर शिक्षा की कामना करते हैं, उन रोटरेक्टरों से प्रेरित हुए जिन्होंने एक शरणार्थी बस्ती में भोजन की कमी के चलते अपने परिवारों को भोजन प्रदान करने के लिए एक आटा चक्की चालू की और उन बहादुर पोलियो कार्यकर्ताओं से प्रेरित हुए जो हर अंतिम बच्चे तक पहुंचने के लिए अथक प्रयास करते हैं।

हम सभी ने इस साल रोटरी की कल्पना की। इसका मतलब है कि हम आज जो कुछ भी हैं उसके लिए अतीत में झांकना और कल हम जो हो सकते है उसके लिए प्रयास करना। हम एक ऐसी रोटरी की कल्पना करते हैं जो प्रभावशाली तरीकों से हमारी कहानियों को बयां करना जारी रखेगी, हमारे कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए काम करेगी और विविधता, निष्पक्षता एवं समावेश प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करेगी जिससे हमारे संगठन और उससे परे की कोई आवाज दबेगी नहीं।

निक और मैं आप सभी को हमारे द्वारा साझा किए गए सभी क्षणों और *रोटरी की कल्पना करने* के आपके प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहते है। और अब, हम इन प्रयासों को जारी रखने के लिए तत्पर हैं क्योंकि हम *दुनिया में उम्मीद जगाते हैं।* आप में से प्रत्येक के साथ काम करना हमारे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है।

जेनिफर जोन्स

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

6. अपने पति निक क्रेयासिच और रोटरी रिप्रजेंटेटिव नेटवर्क के डीन, जुडिथ डिमेंट के साथ जोन्स लंदन में राष्ट्रमंडल दिवस पर किंग चार्ल्स III का स्वागत करते हुए। 7. ताइवान में एक इमेजिन इम्पैक्ट टूर पड़ाव के दौरान जोन्स और उनके पति गोभी के खेत में शांति के कुछ पल बिताते हुए। 8. जोन्स अपने भाई डैरेन के साथ, जिनकी पेंटिंग इमेजिन वन्स ड्रीम *जोन्स की अध्यक्षीय टाई और स्कार्फ की प्रेरणा थी। 9. जोन्स रोटरी क्लब के निर्वाचित अध्यक्षों के लिए टेक्सास में आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान एक तस्वीर के लिए पोज़ देते हुए। 10. अल्बर्टा के वार्षिक कैलगरी स्टैम्पीड परेड में जोन्स और क्रेयासिच एक प्रभावशाली अंदाज़ में।*

चित्र: 1 डेविड अलेक्जेंडर; 2, 5 एस्थर रूथ मबाबाज़ी; 3 जेम्स रोड्रिग्ज़; 4, 10 कैरोल टिचेलमैन; 6, 8 जेनिफर जोन्स के सौजन्य से; 7 आई-ह्वा चेंग; 9 मोनिका लोज़िंस्का

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	37,075
रोटरेक्ट क्लब	:	11,263
इंटरेक्ट क्लब	:	13,151
आरसीसी	:	12,843
रोटरी सदस्य	:	1,202,506
रोटरेक्ट सदस्य	:	175,906
इंटरेक्ट सदस्य	:	302,473

16 मई, 2023 तक

सदस्यता सारांश 1 मई 2023 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	136	6,366	7.18	72	477	31	255
2982	83	3,774	6.89	32	778	79	76
3000	132	5,518	10.26	103	1,625	165	215
3011	123	4,735	28.57	82	2,661	105	37
3012	152	3,784	23.10	73	1,246	71	61
3020	87	5,016	7.34	42	1,207	116	350
3030	101	5,519	14.98	122	2,023	403	383
3040	115	2,603	15.56	59	805	64	213
3053	71	2,975	15.97	35	569	42	128
3054	172	7,087	19.95	107	1,471	145	577
3060	103	5,056	14.95	67	2,411	52	144
3070	128	3,527	16.44	47	551	50	60
3080	108	4,367	12.85	121	2,260	105	117
3090	105	2,459	5.25	46	599	178	164
3100	108	2,299	13.61	15	137	29	151
3110	145	3,983	12.25	16	117	28	106
3120	89	3,736	15.71	35	402	24	55
3131	144	5,825	24.77	140	3,128	165	145
3132	91	3,686	13.05	37	515	99	168
3141	112	6,277	27.00	149	5,615	158	175
3142	103	3,934	21.05	91	2,957	66	88
3150	112	4,416	13.13	151	1,999	91	129
3160	78	2,741	9.12	32	233	28	82
3170	148	6,837	15.78	108	1,867	142	178
3181	87	3,681	10.32	38	451	74	117
3182	88	3,664	10.10	45	215	101	107
3190	170	7,140	20.45	223	5,277	190	74
3201	170	6,689	9.90	133	2,026	81	93
3203	94	4,954	7.87	82	1,132	118	39
3204	76	2,583	7.36	23	206	17	13
3211	157	5,215	8.40	9	132	19	133
3212	127	4,794	11.35	85	3,527	140	153
3231	97	3,514	8.20	37	411	39	417
3232	173	6,929	20.42	122	7,094	129	101
3240	110	3,718	16.89	71	1,451	59	226
3250	103	3,948	21.02	68	1,035	33	191
3261	91	3,345	20.93	17	70	20	45
3262	125	3,874	14.84	75	741	640	282
3291	153	4,048	25.15	135	2,054	50	708
India Total	**4,567**	**174,616**		**2,945**	**61,475**	**4,146**	**6,756**
3220	72	2,165	16.40	98	5,121	71	77
3271	171	3,438	18.64	174	2,846	288	28
3272	162	2,222	15.39	70	947	13	48
3281	312	7,336	18.10	280	2,215	143	207
3282	184	3,668	10.09	203	1,687	29	47
3292	158	5,942	18.75	179	4,874	78	135
S Asia Total	**5,626**	**199,387**		**3,949**	**79,165**	**4,768**	**7,298**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

संपादक
का संदेश

खास बनो...
उठो, आवाज़ उठाओ

हमारे सम्पूर्ण जीवन काल में, स्कूल, कॉलेज से लेकर जिन भी पूजा स्थलों पर या जहां अपनी आस्था के अनुरूप हम अक्सर धार्मिक प्रवचन सुनने जाते हैं, हमें भलाई, विनम्रता और उचित व्यवहार आदि की शिक्षा दी जाती है। संक्षेप में, हमें ... सामाजिक मानदंडों के अनुरूप ... प्रशिक्षित किया जाता है। इसलिए *द न्यू यॉर्कर* पत्रिका में *ए क्लब फॉर द कैंसिल्ड* शीर्षक वाला लेख पढ़ कर मैं स्तब्ध रह गई। यहाँ, हर महीने, 200 से अधिक मीडिया पेशेवरों, शिक्षाविदों, और अन्य बुद्धिजीवियों को न्यूयॉर्क में आमंत्रित किया जाता है, जिसे गैदरिंग ऑफ़ थॉट क्रिमिनल्स कहा जाता है! एकमात्र योग्यता है - आप सामाजिक रूप से बहिष्कृत हों, नियम तोड़े हों, नौकरी, दोस्त को खो चुके हो, अरुचिकर, विपरीत राय रखने की आदत होनी आदि होना चाहिए। अतिथि सूची में कुछ कुख्यात लोग हैं: संभ्रांत प्रोफेसर जिन्होंने विश्वविद्यालय के नियमों को तोड़ा है, पत्रकार जिन्होंने प्रतिकूल सार्वजनिक भर्त्सना में नाम कमाया है, या सामाजिक नियमों की अवहेलना करने वाले सामान्य जन।

इसका सूत्रपात शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी,पामेला पारेस्की द्वारा किया गया था, लोग उन्हें प्यार से जिन्हें ''कैंसल्ड की करुणामयी माँ'' कह कर बुलाते हैं, यहां वैचारिक अपराधी महीने में एक बार मिलते हैं और चर्चा करते हैं कि उनमें से कितने लोग अनुपयुक्त हैं। एक ने डींग मारी कि न्यूयॉर्क का झुकाव वाम पंथियों की तरफ कैसे हो गया है और ''लगभग हर बातचीत इस बारे में होती है कि पूंजीवाद खराब क्यों है या कैसे अमेरिका दुनिया में सबसे अधिक नस्लवादी, सेक्सिस्ट, होमोफोबिक देश है।''

यह अपेक्षाकृत एक लंबा लेख है जो ''राजनीतिक निराश्रय'' और अन्य विषयों के बारे में चर्चा करता है जो मुझे ये सोचने पर मजबूर करता है कि हमारे अपने देश सहित दुनिया में वैचारिक-विभिन्नता, विरोध और संप्रदायवादी विचारों की जगह किस प्रकार कम हो रही है। लेकिन कल्पना कीजिए कि हमारा जीवन कितना अधिक नीरस हो जाएगा यदि हर व्यक्ति कहे अनुसार व्यवहार करे, अच्छे या बुरे, सही या गलत सभी नियमों का पालन करे क्योंकि सत्ता में बैठे लोग यही कहते हैं; फिर वो चाहे स्कूल, कॉलेज, कार्यस्थल, धार्मिक संगठन, अथवा राजनीतिक दल या सरकार, कोई भी हो। अगर ऐसा होता है, तो नई सोच, नवाचार, क्रांतिकारी विचार, व्यवसाय - जैसे Airbnb या Uber - कैसे निकल के आएंगे? अगर व्यवस्था, आपका संगठन, आपके प्रियजन शांत प्रकृति के हो जाएं या सरकार लोगों को ऐसी मनःस्थिति की ओर ले जाए जहां आप बिना किसी टालमटोल, बिना सवाल किये, निरस्त किये या संशय किये बिना सब कुछ स्वीकार कर लेते हैं, तो फिर मानव मन के पास क्या बचेगा?

शासन और व्यवस्था के विरुद्ध आवाज़ उठाने वालों को ''शहरी नक्सली'' या ''पर्यावरण के आतंकवादी'' के रूप में लेबल करना बहुत सुविधाजनक है। लेकिन उन आपदाओं को भी देखें जो उनके सवालों को न सुनने या उनकी चेतावनियों पर ध्यान न देने से घटित हुईं, भले वह केरल में हो, बाढ़ से अक्सर होने वाली तबाही हो, या उत्तराखंड में जोशीमठ स्खलन, या पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बेतरतीब और खतरनाक निर्माण गतिविधियों के कारण हुई हों।

यह बात तो हुई सामाजिक स्तर की, लेकिन व्यक्तिगत तौर पे भी अगर हम हर समय नियम कायदों का पालन करते हैं, हमेशा कतार में खड़े होते हैं, कार्यस्थल और घर दोनों जगह, तो निश्चित रूप से हमारे भीतर कुछ कुम्हला कर टूट जाता है और व्यक्तिगत रूप से स्वयं को अपमानित और नीचा महसूस करते हैं, और सबसे खराब बात, अपनी खुद की नज़रों में।

अक्सर अपना पक्ष रखने, आवाज़ बुलंद करने और भीड़ से अलग खड़े होने का महत्त्व होता है ... इसके लिए हिम्मत चाहिए, लेकिन अंततः दीर्घकाल में इसका लाभ अवश्य मिलता है। हो सकता है कि हम पामेला पारेस्की की सभाओं में शरीक न हो सकें लेकिन हम निश्चित रूप से कहीं न कहीं... कैसे भी सही... किसी न किसी में परिवर्तन अवश्य लाएंगे।

रशीदा भगत

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981 सेल्वनाथन वी
RID 2982 सरवनन पी
RID 3000 आई जेराल्ड
RID 3011 अशोक कंटूर
RID 3012 डॉ ललित खन्ना
RID 3020 भास्कर राम वी
RID 3030 डॉ आनंद ए झुंझुनूवाला
RID 3040 जिनेंद्र जैन
RID 3053 राजेश कुमार चुरा
RID 3054 डॉ बलवंत एस चिराना
RID 3060 श्रीकांत बालकृष्ण इंदानी
RID 3070 डॉ दुष्यंत चौधरी
RID 3080 कल्टा वी पी
RID 3090 गुलबहार सिंह रेटोले
RID 3100 दिनेश कुमार शर्मा
RID 3110 पवन अग्रवाल
RID 3120 अनिल अग्रवाल
RID 3131 डॉ अनिल लालचंद परमार
RID 3132 रुक्मेश पन्नालालजी जकोटिया
RID 3141 संदीप अग्रवाला
RID 3142 कैलाश जेठानी
RID 3150 तल्ला राजा शेखर रेड्डी
RID 3160 वोम्मिना नागा सतीश बाबू
RID 3170 वेंकटेश एच देशपांडे
RID 3181 एन प्रकाश कारंथ
RID 3182 डॉ जयगौरी हदीगाल
RID 3190 जीतेंद्र अनेजा
RID 3201 राजमोहन नायर एस
RID 3203 बी इलंगकुमारन
RID 3204 बी वी प्रमोद नयनार
RID 3211 के बाबूमोन
RID 3212 मुत्तु वी आर
RID 3231 पलनी जे के एन
RID 3232 डॉ नंदकुमार एन
RID 3240 कृषाणवा पाबि
RID 3250 संजीव कुमार ठाकुर
RID 3261 शशांक रस्तोगी
RID 3262 प्रवुदत्त सुबुद्धि
RID 3291 अजॉय कुमार लॉ

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित।
संपादक: **रशीदा भगत**

प्रकाशित सामग्री में अभिव्यक्त विचार योगदानकर्ताओं के स्वतंत्र विचार हैं, और आवश्यक नहीं कि वे रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट (आरएनटी) के संपादक या रोटरी इंटरनेशनल के ट्रस्टी के विचारों से मेल खाते हों। संपादकीय या विज्ञापन सामग्री से होने वाली किसी भी क्षति के लिए आरएनटी जिम्मेदार नहीं होगा। लेख और रचनाओं का स्वागत है किन्तु उन्हें संपादित किया जा सकता है। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

निदेशक के रूप में मेरा सफर

मैं एक रोटरी निर्देशक के रूप में काम करने का अवसर पाकर आप सभी का दिल से आभारी हूँ। समुदाय की सेवा करना और उसमें रचनात्मक बदलाव लाना सम्मान की बात है। भारत और विदेशों के विभिन्न मंडलों का दौरा करते हुए मैंने सेवा परियोजनाओं के संदर्भ में विभिन्न विचारों को जाना, रोटेरियनों के समर्पण और भक्तिभाव को देखा और जाना कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रोटरी कैसे कार्य करती है।

जोन 4, 5, 6 और 7 के क्लबों द्वारा जमीनी स्तर पर की गई कड़ी मेहनत सराहनीय है। हम सदस्यता वृद्धि और सेवा परियोजनाओं में नंबर 1 पर हैं और टीआरएफ को देने में नंबर 2 पर हैं।

मेरे कार्यकाल के दौरान हमने लड़कियों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया। दान के बजाय हमारा ध्यान अच्छे कारण के लिए जीवन परिवर्तक क्षमता का निर्माण करना था। प्रोजेक्ट ऑपरेशन इमेजिन ने हजारों महिलाओं एवं लड़कियों के जीवन को बदल दिया। हमें पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, पूर्वोत्तर में रोटरी परियोजनाओं को उजागर करना चाहिए और 100 प्रतिशत साक्षरता के लिए स्थानीय भाषाओं का उपयोग करना चाहिए।

मैं उन लोगों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने मेरा समर्थन किया, विशेष सहयोगियों के रूप में मेरा ध्यान रखा और एक निर्देशक के रूप में मेरी सेवा को संतोषजनक एवं सुखद बनाने हेतु अपना सहयोग दिया। बोर्ड में मेरे सहयोगियों, टीआरएफ न्यासियों और रो ई एवं RISAO के कर्मचारियों को दिल से मेरा धन्यवाद। मैं *रोटरी न्यूज़* की संपादक एवं अन्य कर्मचारियों, क्षेत्रीय नेताओं और रो ई के अधिकारियों को धन्यवाद देता हूँ जो उन्होंने हमें अपने विचार रखने एवं उनका आदान-प्रदान करने और हमारी सफलताओं का जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

मेरे पास 20 से अधिक देशों की मेरी यात्राओं से जुड़ी बहुत सारी तस्वीरें, वीडियो और बेशुमार यादों का एक संग्रह है। एक निर्देशक के रूप में मेरी जिम्मेदारी खत्म हो गई है लेकिन एक रोटेरियन के रूप में मैं अपनी भूमिका निभाता रहूँगा।

अपने उत्तराधिकारी को कार्यभार सौंपते हुए मैं रोटरी के भविष्य को लेकर आशावान हूँ। हमारा संगठन हमारी दुनिया की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए विकसित होता रहेगा। मैं अपने परिवार की ओर से रोटरी को धन्यवाद देता हूँ जिसने पूरे मन से हमारा स्वागत किया और हमें एक व्यापक, स्नेही समुदाय का हिस्सा महसूस करवाया।

आपसे विदा लेते हुए बस इतना ही कहना चाहता हूँ कि आइए हम रोटरी को उज्ज्वल बनाएं रखें और अपने दिलों को खुशियों से भरते रहें।

महेश कोटबागी
रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

बड़ी, स्थायी परियोजनाओं पर काम करें

चूंकि मैं रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के निदेशक के रूप में अपना आखिरी लेख लिखने बैठा हूँ तो जो पहला विचार मेरे दिमाग में आया वो यह है कि समय उड़ जाता है! यह सम्पूर्ण यात्रा बहुत सुखद रही है जहाँ मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे हमारे देश के हर एक कोने में जाकर हजारों रोटेरियनों से बातचीत करने का मौका मिला। देश के हर कोने में विनीता और मेरा इतना गर्मजोशी से स्वागत और उदार आतिथ्य करने के लिए मैं आप सभी का आभारी हूँ।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारे क्षेत्र में रोटरी मजबूत, स्वस्थ और सकारात्मक विकास पथ पर है। हमारे क्षेत्र के रोटेरियनों ने हमारे अध्यक्ष के आह्वान पर आगे आकर हमारे समुदाय में बदलाव लाने के लिए अत्यधिक प्रभावशाली सामुदायिक सेवा गतिविधियों की कल्पना की और उन सपनों को सच करने हेतु अथक प्रयास किए।

हर स्तर के नेतृत्व ने अत्यधिक प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। हर कोई उचित तरीके से दूसरे से बेहतर करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, हम अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। हमें उन क्षेत्रों पर काम करने की आवश्यकता है जिन्हें बेहतर तरीके से किया जा सकता है। मेरे पास कुछ विचार हैं।

सबसे पहले, जब हम अपनी परियोजनाओं की योजना बनाते हैं तो हम हर स्तर पर एक वर्ष से आगे की सोच सकते हैं। हालांकि अधिकांश कार्यालय केवल एक वर्ष के होते हैं लेकिन जिस समुदाय की हम सेवा करते हैं उसे उन बड़ी परियोजनाओं से बहुत अधिक लाभ होगा जो टिकाऊ, अत्यधिक प्रभावशाली और एक वर्ष में पूरी न होने वाली हो।

इसके बाद टिकाऊ सदस्यता वृद्धि पर हमारा ध्यान केंद्रित होना चाहिए जिसमें केवल संख्या में वृद्धि नहीं करनी है। यह हमारे लिए लंबे समय तक फायदेमंद रहेगा। इस दिशा में क्लब के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी के साथ व्यापक प्रयास होने चाहिए। इससे अधिक अवरोधन सुनिश्चित होगा।

अंत में, आइए हम एक ऐसा वातावरण बनाएं जहाँ सभी रोटेरियन रोटरी फाउंडेशन द्वारा किए गए अच्छे काम से अवगत रहें ताकि वे दूसरों से इसके बारे में बात करें और अपना योगदान भी दे सकें। हर किसी को यह महसूस होना चाहिए कि यह उनका संस्थान है।

मैं भविष्य को लेकर आशावान हूँ। प्रत्येक रोटेरियन को मेरी शुभकामनाएं क्योंकि आप *दुनिया में उम्मीद जगाने* के लिए अपने तरीके से प्रयास करते हैं!

सायोनारा! फिर मिलेंगे...

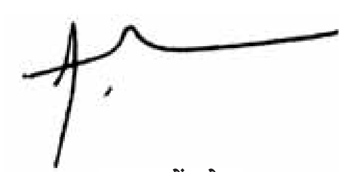

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

न्यासी मंडल

ए एस वेंकटेश **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3232
डॉ महेश कोटबागी **रो ई निदेशक**	RID 3131
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

रो ई निदेशक-निर्वाचित

अनिरुधा रॉयचौधरी	RID 3291
टी एन सुब्रमण्यन	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2022-23)

डॉ दुष्यंत चौधरी **अध्यक्ष,गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3070
वेंकटेश एच देशपांडे **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3170
डॉ एन नंदकुमार **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3232
दिनेश कुमार शर्मा **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3100

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

कार्रवाही को जारी रखें

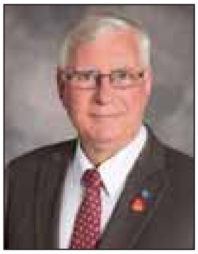

जून रोटरी में एक अध्याय के अंत और दूसरे की शुरुआत के साथ सुख-दुख की मिश्रित भावना के साथ आगे बढ़ने का प्रतीक है।

इस साल पीछे मुड़कर देखें तो रोटरी फाउंडेशन ने बहुत कुछ हासिल किया है। हमने पोलियो को जड़ से खत्म करने के अपने दृढ़ संकल्प को नवीनीकृत किया। वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल में रोटरी और उसके साझेदार पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे इसके स्थानिक देशों से इस खतरनाक पोलियोवायरस के संचरण और वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस से पीड़ित देशों में इसके प्रसार को रोकने के लिए एक रणनीति लागू कर रहे है। पिछले अक्टूबर में रोटरी, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और वैश्विक समुदाय ने सामूहिक रूप से इस योजना के लिए 2.6 बिलियन डॉलर एकत्रित करने की प्रतिज्ञा की।

मैं सभी क्लबों से आग्रह करता हूँ कि वे इस ऐतिहासिक प्रयास के लिए जागरूकता पैदा करने और धन जुटाने की अपनी कार्रवाही को जारी रखें, विशेष रूप से अक्टूबर में विश्व पोलियो दिवस के दौरान। इसके अलावा, अपने क्लब या मंडल में पोलियोप्लस सोसाइटी से जुड़ने या इसकी शुरूआत करने पर विचार करें ताकि पोलियो उन्मूलन होने तक सामूहिक रूप से हर साल इसमें एक निर्धारित राशि दान की जा सके।

हमारे फाउंडेशन ने आपदा प्रतिक्रिया अनुदान के माध्यम से सीरिया और तुर्की को प्रभावित करने वाले विनाशकारी भूकंप से निपटने और राहत कार्य प्रदान करने में क्लबों और मंडलों की मदद की।

रोटरेक्ट क्लबों ने खुद से ही फाउंडेशन अनुदान के लिए स्वयंसेवा और आवेदन करना शुरू कर दिया। और हमारा अगला रोटरी शांति केंद्र ओटो और फ्रान वाल्टर फाउंडेशन से प्राप्त एक उपहार से संभव हो गया है जो इस्तांबुल में बहसेहिर विश्वविद्यालय में स्थित होगा।

जिन्होंने अनुदान परियोजनाओं के लिए स्वयंसेवा करके या दान देकर रोटरी फाउंडेशन का समर्थन किया है उन सभी को मैं धन्यवाद देता हूँ। यदि आपने अभी तक इस फाउंडेशन को अपना समर्थन नहीं दिया है तो कृपया 30 जून तक ऑनलाइन ऐसा करें ताकि हम एक बड़ी उपलब्धि के साथ इस उल्लेखनीय वर्ष को समाप्त कर सकें और 430 मिलियन डॉलर जुटाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

मैं नवनिर्वाचित न्यासी अध्यक्ष बैरी रेसिन, सभी न्यासियों और हमारे कर्मचारियों के लिए रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से एक परिवर्तन लाने में निरंतर सफलता की कामना करता हूँ।

इयान एच एस राइसली
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

रो ई मंडल 3231 का PETs चेन्नई में आयोजित

रशीदा भगत

RIDE अनिरुद्धा रॉय चौधरी और उनकी पत्नी शिप्रा (बाएं से) RID 3232 PDG बाबू पेरम, RID 2982 PDG सी शिवज्ञानसेल्वम, RID 3231 DGE पी भरणीधरन, PDG चंद्र बॉब और RID 3203 PDG ई के सगादेवन के साथ PETS मीट में। डीजीएन एम राजनबाबू बाएं से चौथे स्थान पर खड़े दिखाई दे रहे हैं।

रो ई मंडल 3231 का PETs डीजीई भरनीधरण द्वारा चेन्नई में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता आगामी निदेशक अनिरुद्धा रॉय चौधरी ने की। उनकी पत्नी शिप्रा के अलावा इस कार्यक्रम में मंडल के 96 क्लब अध्यक्षों में से 82 क्लब अध्यक्षों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पीडीजी अभिरामी रामानादन (रो ई मंडल 3232), पीडीजी इ के सगादेवन (रो ई मंडल 3203), पीडीजी एम मुरुगनंदम (रो ई 3000), पीडीजी सी शिवज्ञानसेल्वम (रो ई मंडल 2982), डीजीई रवि रमन (रो ई मंडल 3232), डीजीएन एन एस सरवणन (रो ई मंडल 3232), टी एस रवि कुमार, पूर्व अध्यक्ष आर सी अरक्कोणम (PETs चेयर) में सम्मिलित हुए। ■

RIPE मेकिनली चेन्नई में
रोटरी परियोजनाओं से 'अभिभूत' हुए

जयश्री

RIPE गॉर्डन मेकिनली और हेतर ने चेन्नई के रोयपेट्टाह अस्पताल में डिजिटल मैमोग्राफी उपकरण का उद्घाटन किया। चित्र में (बाएं से) डॉक्टर गोपीनाथ, एचओडी, रेडियोलॉजी विभाग, रोटरेक्ट क्लब सविता मेडिकल कॉलेज की अध्यक्ष मीनाक्षी पेरियाकरुप्पन, डीजी एन नंदकुमार, रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश, पीडीजी अबिरामी रामनाथन और रोटरी क्लब मद्रास टी नगर की अध्यक्ष मीनाक्षी पेरियाकरुप्पन शामिल हैं।

"हम आपके द्वारा की जाने वाली अतुलनीय परियोजनाओं को देखकर अभिभूत हैं। अब तक हमने जिस भी सेवा परियोजना का दौरा किया है वो उस उम्मीद को दोहराती है जिसे रोटरी आप जैसे रोटेरियनों के माध्यम से समुदाय को दे रही है। टीआरएफ वह इंजन है जो दुनिया में अच्छा करने की ऊर्जा प्रदान करता है। लेकिन इस इंजन को चलाने वाले ईंधन आप और आपकी अद्भुत परियोजनाएं हैं,'' आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली ने अपनी पत्नी हेतरे के साथ चेन्नई की अपनी यात्रा के दौरान कहा जहाँ उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

कैंसर के इलाज के लिए रोयापेट्टा अस्पताल में मेकिनली द्वारा एक डिजिटल मैमोग्राफी मशीन का उद्घाटन (₹46 लाख) किया गया था। इस तरह की परियोजनाएं लोगों, उनके परिवार एवं दोस्तों में उम्मीद जगाती हैं... आशा है कि उन्हें सबसे अच्छा इलाज मिलेगा और वे अपनी बीमारियों से सफलतापूर्वक ठीक होकर एक स्वस्थ और अधिक पूर्ण जीवन जीते हुए अपने परिवार के साथ रहेंगे, उन्होंने कहा।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने रोटरी और रोटरेक्ट की साझेदारी की सराहना की PDG अबिरामी रामनाथन परिवार को उनकी उदारता के लिए धन्यवाद दिया।

रो ई मंडल 3232 ने पिछले साल 120 विजन सेंटर और 146 डायलिसिस मशीनें स्थापित की थी। ''इस साल हम टैंकर फाउंडेशन, वॉकहार्ट और चेन्नई कॉर्पोरेशन के साथ साझेदारी में शहर भर में 70 और स्थापित करेंगे। हम एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से अंग प्रत्यारोपण के लिए 40 लोगों का समर्थन करेंगे,'' डीजी एन नंदकुमार ने कहा।

आरआईपीई ने एक पीएचसी में रोटरी क्लब चेन्नई अपस्केल द्वारा स्थापित एक डायलिसिस केंद्र का सॉफ्ट लॉन्च किया। इस वैश्विक अनुदान परियोजना का मूल्य 112,632 डॉलर है। मेकिनली ने क्लब के अध्यक्ष नीलेश कुमार सिंह को बधाई दी।

उन्होंने रोटरी क्लब मद्रास इंडस्ट्रियल सिटी द्वारा विकसित एक ऐप और वेबसाइट *rotarydialysis.com* लॉन्च की जिससे पूरे चेन्नई में मुफ्त सेवाएं प्रदान करने वाले रोटरी डायलिसिस केंद्रों का पता लगाया जा सकता है।

रोटरी क्लब मद्रास ने चेन्नई से 430 किलोमीटर दूर कराईकुडी में दो स्कूलों - सरस्वती विद्यालय प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों - में 66 शौचालयों और हाथों की धुलाई के स्टेशनों का निर्माण किया है। 2,200 विद्यार्थियों की संयुक्त संख्या वाले स्कूल अपने शताब्दी वर्ष पर हैं। डीजीएनडी और AKS सदस्य विनोद सरावगी, मोहन रमन और पीडीजी जे श्रीधर ने इस परियोजना की शुरुआत की जिसकी लागत ₹52 लाख (72,000 डॉलर) थी। AKS सदस्य विजयभारती रंगराजन ने इस परियोजना के लिए निर्देशित उपहार के रूप में 15,000 डॉलर का योगदान दिया। तमिलनाडु के एक ग्रामीण क्षेत्र, देवकोट्टई की एक पीएचसी में क्लब द्वारा स्थापित एक मैमोग्राम सुविधा का भी मेकिनली द्वारा आभासी रूप से उद्घाटन किया गया। ''यह सुविधा इस क्षेत्र के लिए वरदान है। इससे पहले महिलाओं को स्तन कैंसर की जांच के लिए सबसे निकटतम शहर, मदुरै तक 200 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती थी। इस यात्रा की लागत लगभग ₹800 (10 डॉलर) पड़ती है जो इन ग्रामीणों के लिए बहुत अधिक है,'' क्लब की अध्यक्ष जयश्री श्रीधर ने कहा। ■

गॉर्डन और हेतर मेकिनली, बेटियां रेबेका (बाएं) और सारा के साथ।

मेकिनली के लिए,
रोटरी निरंतरता और दिल की बात है

रशीदा भगत

मैं घमंड नहीं करता जब मैं भारत में आम रोटेरियन की बात करता हूं क्योंकि मूलतः हम सभी आम रोटेरियन ही हैं, लेकिन क्लबों में रोटेरियनों का जुनून और गर्व देखना बड़ा उत्साहवर्धक है। मैं पिछले तीन दिनों से भारत भ्रमण कर रहा हूं; चेन्नई, मदुरै और आज कलकत्ता मेंऔर इसके बाद नागपुर, अहमदाबाद और मुंबई जाऊंगा। उस जुनून और गर्व का साक्षी बनना अद्भुत होगा!

मैं आगामी रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और उनकी पत्नी हेतर से 'सिटी ऑफ़ जॉय' में *लक्ष्य* कार्यक्रम में मिला थी। वे दोनों बात करने में मज़ेदार हैं और पूरी तरह से सहज दिखते हैं ... चाहे वह रंगीन पीली रेशमी साड़ी पहने हेतर हो या बैंगनी कुर्ता पहने गॉर्डन का मंच पर गुनगुनाना और बाद में बॉलीवुड संगीत पर रोटेरियन के साथ नृत्य करना। मसालेदार भारतीय भोजन? कोई परहेज नहीं, उन्हें ये सब पसंद है।

लेकिन किसी भुलावे में ना रहें; बेहद मुखर रो इ के निर्वाचित अध्यक्ष बात सीधी करते हैं; वह अपनी बातों को घुमा फिरा कर नहीं कहते, लेकिन आप यह भी जानते हैं कि वो शब्द सीधे दिल से निकलते हैं। जैसे जब वो कहते हैं, ''रोटरी उतनी ही है जितनी कि आपके दिल में, जितनी आपकी जेब में है।''

भारत में रोटरी से वो अनभिज्ञ नहीं हैं, उन्होंने ''पत्रिकाओं और सोशल मीडिया में इसके बारे में पढ़ा है।'' मैं जानता हूं कि यहां रोटरी कितनी जीवंत है, सदस्यों में इसे लेकर कितना गर्व है कितना जूनून है। बड़े उत्साह से वह नए रोटरी क्लब के बारे में बताते हैं जिसे चेन्नई में पिछली रात ही उन्होंने चार्टर्ड किया था ... ''97 चार्टर

एक नज़र में

धार्मिक: मैं एक ईसाई हूं और मेरा इसमें अटूट विश्वास है, इसलिए हां, मैं धार्मिक हूं।

खाना: मुझे खाना बहुत पसंद है, विशेषकर भारतीय व्यंजन। मुझे यहां का मसाला तीखा नहीं लगता। यहां का खाना स्कॉटलैंड में मिलने वाले भारतीय खाने से अलग है। लेकिन स्कॉटलैंड में भी भारतीय खाना अच्छा है। जैसा कि आप शायद, मेरा शरीर देख कर बता सकते हैं, मुझे हर तरह का खाना, सभी खाद्य पदार्थ पसंद हैं!

कुकिंग: ओह, मुझे खाना बनाना बहुत अच्छा लगता है, (हेतरे, जब उनकी सर्वश्रेष्ठ डिश के बारे में पूछा गया: "मैं बहुत सी अलग तरह की बातें करूंगी क्योंकि जो गॉर्डन करते हैं वो मैं नहीं करती - एक रेसिपी लेंगे और उसे बिलकुल उसी तरीके से बनाएंगे जबकि मैं उसमें सुधार कर नए नए तरीके से बनाती हूँ। लेकिन वह तो इसे ठीक उसी तरह से बनाएंगे जैसे होनी चाहिए और यह बढ़िया है।)"

संगीत: मुझे हर तरह का संगीत पसंद है। (हंसते हैं)। मुझे ओपेरा और म्यूजिकल थिएटर पसंद है। मेरा शास्त्रीय संगीत की ओर झुकाव रहता है।

फिल्में: आजकल फिल्में देखने का ज्यादा समय नहीं मिलता। किसी ने मुझसे पूछा था कि तुम्हारी पसंदीदा फिल्म कौन सी है और मैंने कहा *कैसाब्लाँका!* इससे पता चलता है कि मैं कितनी फिल्में देखता हूं! (हेतरे: मेरा इज *बुच कैसिडी एंड द सनडांस किड* मेरा भी उतना ही बुरा हाल है!) मैं एक बड़ी फिल्म देखने का शौक़ीन नहीं हूं क्योंकि फिल्म देखने में समय लगता है। अगर मुझे नींद आ रही है, तो मैं फिल्म देखूंगा!

पढ़ना: मुझे फिक्शन, थ्रिलर, खासकर मेडिकल फिक्शन पढ़ना पसंद है। मैं पेट्रीसिया कॉर्नवेल, कैथी रीच्स का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।

पसंदीदा किताब: मुझे क्लासिक्स पढ़ने में मज़ा आता है, बेशक स्कॉटलैंड के रॉबर्ट लुइस स्टीवेन्सन। उनकी *किडनैप्ड* और *ट्रेशर आइलैंड,* मुझे दोनों किताबें बहुत पसंद है।

दुनिया के लिए सपना: मैं और अधिक शांतिपूर्ण दुनिया देखना चाहता हूं। एक ऐसी दुनिया जहां लोग अधिक सहिष्णु हैं। मैं इस अध्यक्ष पद को अपनी दो पोतियों और इस दुनिया के सभी बच्चों को समर्पित करना चाहता हूं, इस उम्मीद के साथ कि हम इस दुनिया को एक बेहतर जगह बना सकते हैं जिसमें वे बड़े हो सकें और फल-फूल सकें। और यह कई तरह से किया जा सकता है, जैसे अभी आपने आशा के बारे में कहा आशा को कई तरह से परिभाषित किया जा सकता है। वास्तव में हम लोग तो वही हैं; दुनिया में संघर्ष तो सरकारों द्वारा शुरू किए जाते हैं। अगर हम लोगों को एक-दूसरे का सम्मान करने और आपस में बातचीत करने के लिए प्रेरित कर सकें, तो विश्व में संघर्ष बहुत कम रह जाएगा।

यूक्रेन, सीरिया संघर्ष: इसी से समझ सकते हैं कि दुनिया को आज रोटरी की कितनी आवश्यकता है और क्यों है। संघर्ष आपस में फूट और झगडे पैदा करता है और हमारे पास एक ऐसा वैश्विक नेटवर्क है जो संगठित है। दुनिया इतनी बुरी तरह से विभाजित और ध्रुवीकृत कभी नहीं रही। हमारे देशों में ध्रुवीकरण तो है लेकिन रोटरी लोगों को एक साथ खड़ा कर सकती है और इसलिए हमें दुनिया भर में भारत जैसे स्थानों में रोटरी की ताकत की जरूरत है, ताकि वह एकजुट हो कर लोगों के लिए चीजें बेहतर कर सके। क्या आप सोच सकते हैं, अगर रोटरी भारत में या मेरे देश सहित अन्य कहीं मौजूद नहीं होती... हमारे द्वारा किए जाने वाले सामाजिक भलाई के मामले में कितनी बड़ी कमी होती।

सदस्यों के साथ! यह एक रिकॉर्ड हो सकता है। हम कहते हैं कि एक क्लब को चार्टर करने के लिए 20 सदस्य होने चाहिए। निदेशक वेंकी का कहना है कि भारत में आपको एक क्लब चार्टर करने के लिए 40 सदस्य ठीक रहते है। लेकिन 97 चार्टर सदस्यों का होना, और वो भी सभी डॉक्टर, और चिकित्सा परियोजनाओं को करने के लिए अन्य क्लबों के लिए एक संसाधन के रूप में उपलब्ध रहना अपनेआप में आश्चर्यजनक बात है। और आप सेवा करने के लिए सीएसआर फंड का संचलन करने में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

लेकिन, हमेशा की तरह, निर्वाचित रो ई अध्यक्ष बोले, ''एक भारी समस्या है जिसकी हम बात नहीं करते और वह है राजनीति और इससे मुझे तकलीफ होती है क्योंकि अगर हम राजनीति खत्म कर सकें तो रोटरी में भारत का प्रकाश स्तंभ और भी चमकदार होगा। मैं आपको यह नहीं कह रहा कि मेरे पास इसका समाधान है। इसे भीतर से आना होगा।''

स्पष्ट टिप्पणी करते हुए, मेकिनली ने कहा: ''रो ई बोर्ड में भारत से आने वाले चुनावी विवादों और शिकायतों की संख्या रोटरी दुनिया के किसी भी अन्य हिस्से की तुलना में सर्वाधिक है और ये कभी-कभी

बाएं से: दामाद ग्रेग, बेटी रेबेका, हेतर, पोती आइवी, बेटी सारा और गॉर्डन।

नए सदस्यों को आकर्षित करना: रोटरी के प्रति लोगों की धारणा को बदलकर उन्हें यह बताना कि वास्तव में हम कौन हैं और क्या हैं। सभी के लिए रोटरी को उपलब्ध कराना, क्लबों की शैली को बदलना, हम कब और कितनी बार मिलते हैं, इसमें लचीलापन लाना। इन सभी बातों से रोटरी से जुड़ाव आसान हो जाता है। मेरा मानना है कि एक योग्य रोटेरियन होने का जितना सम्बन्ध इससे है कि आपके दिल में क्या है उतना ही कि आपकी जेब में क्या है! रोटरी को हर जगह हर किसी के लिए उपलब्ध होना चाहिए, एक ऐसी शैली में जो सभी के लिए उपयुक्त हो... चाहे वह 2-3 घंटे के लंच या डिनर के लिए एक भव्य क्लब में जा रहा हो, या परियोजना के काम के बाद एक संक्षिप्त मुलाकात हो। रोटरी इसी के बारे में है, काम के बारे में है, मीटिंग के बारे में नहीं। युवा पीढ़ी को हम इसी तरह आकर्षित करने जा रहे हैं।

रोटरी विश्व के भारत से सम्बंधित निर्णय और दृष्टिकोण को प्रभावित करती है। ''मैंने इसका एक दूसरा पक्ष भी देखा है क्योंकि मुझे इसमें दिलचस्पी रही है कि भारत में क्या चल रहा है और यकीन मानिये आप निश्चित रूप से दुनिया में आशा का संचार कर रहे हैं।''

उनकी अध्यक्षीय थीम बिलकुल यही है और ''हम आगे देखेंगे कि उन्होंने इसे कैसे चुना। कई वर्षों में मैंने रोटरी को उन लोगों में आशा जगाते हुए देखा था जो बिल्कुल निचले तबके से थे, जैसे कि थाईलैंड की महिला जिसने सुनामी (2004) में अपना सब कुछ खो दिया था... उसका पति, बच्चे और उसका घर। उसने मुझे बताया कि उसने सब कुछ खो दिया है, उम्मीद भी। लेकिन रोटरी ने उसे एक नया घर देकर उसकी उम्मीद जगाई। वह साल से मेरे घर में है जो मुझे उस महिला की याद दिलाती है और किस तरह रोटरी ने उसे आशा दी थी।''

इसी प्रकार रोटरी ने असंख्य लोगों में आशा का संचार किया है; उन्होंने इसे व्यक्तिगत रूप से अफ्रीका में भी देखा था; रवांडा में जहां नरसंहार के बाद उन्होंने बच्चों के साथ काम किया था, इसके साथ ही मनीला में 4 साल की बच्ची में, जिसका दिल रोटरी प्रोजेक्ट के माध्यम से ठीक किया गया था।

वो उस सर्जरी को देख रहे थे कि फोन बज उठा था और बाद में उन्होंने देखा कि फोन में उनकी 4 साल की पोती की मुस्कुराती हुई खड़ी थी जो पहले दिन स्कूल जाने के लिए तैयार है। ''मैं बहुत खुश

(बाएं) गॉर्डन और हेतर मेकिनली अपनी पोती आइवी के साथ;

(दाएं) पारिवारिक समय: (बाएं से) बेटी रेबेका, गॉर्डन, सारा, आइवी और हेतर।

अब हम लड़कियों को 'सशक्त बनाने' के बारे में अपनी भाषा बदलना शुरू कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह कहना कि मैं आपको सशक्त बनाने जा रहा हूं, उन्हें संरक्षण देना है। बल्कि मैं कहूंगा कि मैं उस क्षमता को उजागर करने में आपकी सहायता करने जा रहा हूं जो आपके भीतर पहले से मौजूद है।

बॉम्बे विश्वविद्यालय में जैव विविधता पार्क में।

था क्योंकि ऑपरेटिंग टेबल पर रोटरी द्वारा उस छोटी लड़की को भी जीवन जीने की उम्मीद दी गई थी, मेरी पोती के समान... स्कूल जाओ, पढ़ाई करो और खुश रहो। लोग बहुत कुछ खो सकते हैं, लेकिन अगर वे उस स्तर पर पहुंच जाएं गिर जहां वे उम्मीद खो देते हैं, तो वे बहुत नीचे पहुँच जाते हैं। तो यह थीम शब्दों से कहीं अधिक है... यह कुछ करने का आह्वान है (ए कॉल टू एक्शन) है।''

अपनी रोटरी यात्रा की चर्चा, मेकिनली 1984 में रोटरी क्लब साउथ क्वींसफेरी, स्कॉटलैंड में शामिल हो गए, उस वक्त वो केवल 26 वर्ष के थे, ''हेतर से हाल ही में विवाह हुआ था, जिनसे संगीत के ज़रिये मुलाक़ात हुई थी। हेतर एक पेशेवर ओपेरा गायिका हैं और हम अपनी किशोरावस्था के आखिर में मिले थे। हम दोनों ने ग्रेजुएशन किया और फिर 1980 में शादी कर ली।'' यह युगल एडिनबर्ग के ठीक बाहर स्थानांतरित हो गया, और अपने चर्च के माध्यम से एक किसान से मिले जो रोटेरियन था। उन्होंने पहले उन्हें एक सामाजिक कार्यक्रम के लिए और फिर गॉर्डन को दो रोटरी बैठकों

पेरू में माचू पिचू में
गॉर्डन मेकिनली।

एक भारी समस्या है जिसकी हम बात नहीं करते और वह है राजनीति और इससे मुझे तकलीफ होती है क्योंकि अगर हम राजनीति खत्म कर सकें तो रोटरी में भारत का प्रकाश स्तंभ और भी चमकदार होगा।

के लिए आमंत्रित किया। ''मैंने तो इनका आनंद ले रहा था, यह नहीं पता था कि मुझे सदस्यता के लिए तैयार किया जा रहा है!''

वो क्लब के सबसे कम उम्र के सदस्य थे और कुछ वर्षों तक बने रहे आज 39 साल बाद, मैं शायद क्लब के पांच सबसे कम उम्र के सदस्यों ''में से एक हूँ। पूरा क्लब वृद्ध हो चुका है और रोटरी इसी चुनौती का सामना कर रही है, विशेष रूप से मेरी तरफ की दुनिया में,'' उन्होंने स्वीकार किया।

वो सिर्फ ''रोटरी क्लब के सदस्य ही रहे, बाकि कई लोगों की तरह, जब तक कि आपको रोटेरियन बनाने के लिए कुछ घटता नहीं!'' उनके सम्बन्ध में, उनके सदस्य बनने के एक साल के अंदर ये घटा, जब उन्होंने इंग्लैंड से PRIP बिल हंटले को सुना। ''वह एक अद्भुत वक्ता थे जिन्होंने अपनी रोटरी यात्रा के बारे में बात की थी और क्लब, मंडल और जोन से परे रोटरी क्या हासिल कर रही थी। मुझे याद है यह उस दिन मिला ... मुझे समझ आ रहा था है कि यह सब क्या है! यह सिर्फ स्थानीय या राष्ट्रीय मुद्दों के सम्बन्ध में नहीं है। यह उन लोगों का एक विश्वव्यापी नेटवर्क है जो एकजुट हैं, एक ही तरह से सोचते हैं, और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।''

अपने गाँव को एक बेहतर जगह बनाना एक बात है लेकिन अगर आपमें दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने का सामर्थ्य है, तो ये कितना अच्छा होगा!

33 साल की उम्र में मेकिनली अपने क्लब के अध्यक्ष, 39 साल में गवर्नर, 46 साल की उम्र में RIBI (ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड में रोटरी इंटरनेशनल) के अध्यक्ष और 49 साल की उम्र में रो ई के निदेशक बन गए थे। उन्होंने 2007-09 में अशोक महाजन के साथ बोर्ड में काम किया है। फिर उन्होंने थोड़ा विश्राम लिया ''ताकि अपने व्यापार पर ध्यान दे सकूं। पूरी ईमानदारी से कहता हूँ कि मैंने रोटरी को करियर माध्यम के रूप में कभी नहीं लिया, जरूरत पड़ने पर किसी भी कार्य के लिए मैं सदैव उपलब्ध रहा था। मैंने टोरंटो सम्मेलन, संचालन समीक्षा समिति की अध्यक्षता की है। और फिर, मुझे

हेतर उवाच

मैं RIPE मेकिनली की पत्नी हेतर से पूछती हूं कि क्या उन्हें गर्व या चिंता महसूस हुई कि उनके पति का अध्यक्ष-नामित के रूप में नामांकन उनके समय का इतना हिस्सा ले लेगा। ''अरे नहीं, मुझे इसकी कभी चिंता नहीं हुई क्योंकि रोटरी पूरे जीवन में हमारे परिवार में शामिल रही है। हमारी बड़ी बेटी के जन्म से पहले से ही गॉर्डन रोटरी में थे। इसलिए वो समस्या कभी नहीं रही।''

लेकिन हां, एक चिंता ज़रूर थी उनका पोतियों से दूर रहना। ''साफ़ तौर पे इसमें थोड़ी समस्या ज़रूर थी, लेकिन कोविड ने हम सभी को बदल दिया क्योंकि यह हम सभी को ज़ूम पर ले लाया। कोविड के दौरान, हम Zoom पर अपनी पोतियों को रात को सोते समय कहानियां सुनाते थे।'' वीडियो के माध्यम से अब उन्हें अपने पोते-पोतियों के साथ और भी अधिक समय बिताने का मौक़ा मिल जाता है। ''मेरा विश्वास करो, वे हमेशा हमारे संपर्क में रहते हैं, पूछते रहते हैं कि आप इस वक्त कहाँ हैं, क्या आप तस्वीरें भेज सकते हैं।''

अपने पति की उपलब्धि पर, वह अपनी आंखों में एक चमक के साथ, कहती है: ''मुझे गर्व था और अभी भी है, लेकिन उन्हें मत बताना! मुझमें मौजूद स्कॉट कहता है कि मैं उन्हें कभी नहीं बताऊंगी कि मुझे उन पर कितना गर्व है। लेकिन एक बात तय है; हमने पूरी ज़िंदगी हर चीज के लिए हमेशा साथ मिलकर काम किया है, चाहे वह रोटरी हो या और कुछ। मुझे पता है कि उनकी सोच कैसी है और वह अच्छी तरह से जानता है कि मेरी विचार प्रक्रिया क्या है, इसलिए हमने इस पर भी चर्चा की थी। उन्होंने अपना नाम देने से पहले मुझे बहुत स्पष्ट रूप से पूछा था कि यदि तुम नहीं चाहती तो मैं नाम नहीं दूंगा!''

मेकिनली इस बात पर बीच में टोकते हैं कि जब आपका जीवन साथी एक नेतृत्व का पद संभालता है तो दूसरे साथी की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण हो जाती है। ''मैंने यह पहले भी कहा है, यदि आपके पास एक साथी है, तो आपको उसके सहयोग और समर्थन की आवश्यकता है। स्टेफ़नी, जो अध्यक्ष बनने जा रही हैं, उनका साथी नहीं है जिसका मतलब है कि रो इ का अध्यक्ष बनने के लिए आपको साथी की आवश्यकता नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि रोटरी में नेतृत्व के किसी भी स्तर पर, चाहे वह गवर्नर हो, निदेशक या अध्यक्ष, यदि आपका कोई साथी है, तो आपको उसके सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी।''

तो उनके लिए हेतर के सहयोग के क्या मायने हैं? ''ओह, यह बहुत मायने रखता है। जैसा वह कहती हैं कि हम एक टीम हैं लेकिन हम हमेशा स्वतंत्र हैं; वो अपना काम देखती है और मैं अपना। अक्सर, हम पूरे दिन एक दूसरे से नहीं मिल पाते, पर रातें हम ज्यादातर साथ बिताते हैं लेकिन हर रात नहीं। तो उस दृष्टिकोण से, हम एक दूसरे के बगैर रहने के आदी नहीं हैं।''

इस बात पर, यहां हेतर दिल जीत लेती हैं। ''मैं इसे मैं ऐसे कहना चाहूंगी हम हर वक़्त साथ नहीं रहते ना ही एक दूसरे पर निर्भर हैं लेकिन हम हमेशा घर लौटते उसी बिस्तर पे हैं।''

आभास है कि बहुत से लोगों के साथ ऐसा होता है, कुछ पूर्व अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता आपकी पीठ थपथपाते हैं और कहते हैं, क्या आपने अध्यक्ष पद के लिए खड़े होने पर विचार किया है? और मेरे साथ भी यही हुआ।''

यह पूछने पर कि क्या वह अपने काम के लिए कुछ समय निकाल पाएंगे, उन्होंने दृढ़ता से सिर हिलाया: ''अभी नहीं। आप प्रैक्टिस के साथ ये नहीं कर सकते। ... यह एक पूर्णकालिक काम है! मैंने पहले ही प्रैक्टिस से पूरी तरह दूर रहने का फैसला कर लिया था।''

तो हेतर ने इस पर क्या प्रतिक्रिया दिखाई? ''हाँ, वह 20 साल से रोटेरियन है और एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग क्लबों की अध्यक्ष है, इसलिए वह मुझ से एक अधिक है!'' मेकिनली ने चुटकी ली। ''लेकिन हम हमेशा एक टीम की तरह रहे हैं और जब भी कोई अवसर होता है, हम साथ बैठते हैं और विश्लेषण करते हैं। इस बार भी यह निश्चित करने के लिए हम अपने स्टैंडर्ड कॉन्क्लेव में गए कि क्या मैं लोगों के लिए कुछ कर सकता हूं। हमारा फैसला था कि शायद मैं कर सकता हूं और इसलिए आज हम यहां हैं!''

इस दंपति की दो बेटियां हैं, ''जो रोटरी देखते देखते पली-बढ़ी हैं,'' लेकिन वे अपेक्षाकृत छोटी थीं क्योंकि उन्होंने एक गवर्नर, RIBI अध्यक्ष और रो ई निदेशक की भूमिका निभाई थी। ''यह आसान नहीं था, लेकिन हम भाग्यशाली थे क्योंकि उनकी सहायता के लिए दादा-दादी थे, जिन्होंने हमारे दूर होने पर उनका ध्यान रखा। एक मार्मिक बात, आगामी

रोटरी नेता बोले: बस एक ही दुःख है, काश हमारे माता-पिता आज जीवित होते। उनके साथ इस पल को बिताना कितना सुखद होता।''

रो ई अध्यक्ष के रूप में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में, मेकनेली निरंतरता के महत्व पर जोर देते हैं। ''आप दुनिया को एक साल में कभी भी बदल नहीं पाएंगे। जब मैं क्लब का अध्यक्ष, गवर्नर और निदेशक रहा, तब भी मैंने इस सबंध में बात की थी; हमें एक साल की मानसिकता से बाहर निकलना होगा... खासकर अध्यक्ष के अहंकार से। हालांकि हवाई अड्डों पर मालाओं के साथ स्वागत किया जाता है, मैंने देखा है कि अक्सर यह कुछ लोगों के सिर चढ़ जाता है और वे खुद के प्रचार पर विश्वास करने लगते हैं।''

लेकिन वास्तविकता तो यह है कि ''हम सभी रोटेरियन हैं। मैं एक काम कर रहा हूं; इस वर्ष मैं जो काम कर रहा हूं, वह मुझे रोटरी से जुड़ने की वजह से दूर ले जा रहा है, जो है अपने क्लब का सदस्य होना। और इसके लिए काम करना। इसलिए मैं इस मानसिकता से दूर होना चाहता हूं कि यह मेरा साल है। यह रोटरी वर्षों में से एक है और रोटरी लगभग 118 वर्षों से है और यह और कई, कई वर्षों तक बनी रहेगी।''

इस साल वह जिस नई शुरुआत का प्रचार कर रहे हैं, वह मानसिक स्वास्थ्य के बारे में है।

रोटरी में महिलाएं

मैं आरआईपीई गॉर्डन मेकनेली को *रोटरी न्यूज़* की अप्रैल की कवर स्टोरी दिखाती हूं, जिसमें रो ई मंडल 3212 की प्रमुख परियोजना यदुमानवलतो, तमिलनाडु के छोटे शहरों और गांवों की लड़कियों को सशक्त बनाती है। ''यह दिलचस्प है,'' मेकिनली ने जवाब दिया। लेकिन अब हम लड़कियों को 'सशक्त बनाने' के बारे में अपनी भाषा बदलना शुरू कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह कहना कि मैं आपको सशक्त बनाने जा रहा हूं, उन्हें संरक्षण देना है। बल्कि मैं कहूंगा कि मैं उस क्षमता को उजागर करने में आपकी सहायता करने जा रहा हूं जो आपके भीतर पहले से मौजूद है। इसलिए लड़कियों को सशक्त बनाने के बजाय, आइये इसे 'लड़कियों का अधिकार' कहें। यह शब्दों का खेल हो सकता है लेकिन मुझे लगता है कि इसमें एक महत्वपूर्ण अंतर है। हम आपको शक्ति नहीं दे रहे हैं बल्कि आपके भीतर शक्ति पहले से मौजूद है; हम इसे अनलॉक करने में आपकी मदद करने जा रहे हैं। अगर हम लड़कियों और महिलाओं को ऊपर उठा सकें, तो वस्तुतः हम हर क्षेत्र में अपनी पहुँच बना सकते हैं।''

डीईआई और उनकी टीम में भारत से सात महिला गवर्नर होने के बारे में उनका कहना है कि यह महत्वपूर्ण बात है। लेकिन अगले वर्ष, इसकी संख्या वापिस एक हो जाती है, मैं इस तरफ इशारा करती हूँ। मेकनेली कहते हैं, लेकिन ऐसा हो सकता है, कुछ तो इसलिए, जिस तरह से हम गवर्नरों का चयन करते हैं। आगामी गवर्नर का चयन पूर्व गवर्नर करते हैं और ऐतिहासिक रूप से अधिकांश पूर्व गवर्नर पुरुष हैं। ''लेकिन वह ये भी स्पष्ट करते हैं कि कोई भी संवाद 'रोटेरियन' के बारे में होना चाहिए न कि 'महिला रोटेरियन' के बारे में; क्योंकि वह उदबोधन महिलाओं को एक उपवर्ग बना देगा। मुझे कभी भी एक पुरुष रोटेरियन के रूप में वर्णित नहीं किया गया है, लेकिन हेतर को एक महिला रोटेरियन कहा जाता है। वह भी मेरी तरह ही फीस देती है, रोटरी के लिए बहुत काम करती है। इसलिए उन्हें भी एक रोटेरियन के रूप में बुलाया जाना चाहिए।''

लेकिन उन्होंने ये माना कि हमें इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत आज भी है। मैं सिर्फ इतना चाहता हूं कि हमें अपने काम के लिए उचित और सबसे योग्य लोग मिलें। ''इसलिए मुझे खुशी है कि जेनिफर (जोन्स), जिन्हें मैं लंबे समय से जानता हूं, इस साल अध्यक्ष हैं और स्टेफनी (अर्चिक) अगले साल अध्यक्ष होंगी। मैं जानता हूँ कि वे वहां इसलिए हैं क्योंकि वे उस कार्य के लिए सबसे योग्य हैं, सर्वोपयुक्त हैं बल्कि इसलिए नहीं कि वे महिलाएं हैं और हर महिला भी यही चाहेगी। वह केवल इसलिए नौकरी नहीं पाना चाहेगी क्योंकि वह एक महिला है बल्कि इसलिए कि वह उस काम के लिए सबसे श्रेष्ठ थी।''

ऊपर: गॉर्डन मेकिनली पाकिस्तान में बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाते हुए। चित्र में उनके दाहिनी ओर टीआरएफ के ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन हैं।

क्या आप सोच सकते हैं, अगर रोटरी भारत में या मेरे देश सहित अन्य कहीं मौजूद नहीं होती... हमारे द्वारा किए जाने वाले सामाजिक भलाई के मामले में कितनी बड़ी कमी होती।

जहां तक मानसिक स्वास्थ्य का संबंध है, ''इस समय दुनिया बहुत खराब स्थिति में है, विशेषकर कोविड की वजह से और काफी लंबे समय से यह विषय निषिद्ध रहा है। इसके साथ अपयश जुड़ा है और लोग बताना ही नहीं चाहते कि वे चिंता या अवसाद से पीड़ित हैं, यह स्थिति और बिगड़ सकती है। इसलिए हमें बातचीत करनी होगी, अपमान की इस भावना को दूर करना होगा और बदनामी के डर से बाहर निकालना होगा। अलग-अलग क्षेत्रों में चुनौतियां भी अलग-अलग हैं।''

अपने वर्ष के दौरान दुनिया के पोलियो मुक्त होने की संभावना पर, मेकिनली मुझे बीच में टोक कर कहते हैं: ''यह मेरा साल नहीं है; यह एक रोटरी वर्ष है, लेकिन मुझे पता है कि आप क्या कहना चाहते है। हां, हम रोटेरियन हर समय इसके बारे में सोचते रहते हैं। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि उम्मीद है कि इस साल के अंत तक हम जंगली पोलियोवायरस संक्रमण के आखिरी मामले को विदा कर सकेंगे। हाँ बात तो ये आश्चर्य की ही है कि हम इस साल पोलियो का आखिरी मामला देख सकते हैं। लेकिन यह मेरे अध्यक्ष होने से ताल्लुक नहीं रखता, पर ये तय है कि यह होगा।''

पोलियो खत्म होने के बाद रोटरी की अगली बड़ी पहल पर, आगामी अध्यक्ष मुस्कुराते हैं और कहते हैं: ''आपने शायद यह सवाल पहले भी अन्य वरिष्ठ नेताओं से पूछा है, और आपको वही जवाब मिलेगा। पोलियो खत्म होने तक हम किसी और चीज के बारे में नहीं सोचना चाहते। लेकिन, विशुद्ध व्यक्तिगत दृष्टिकोण से, मैं सवाल करता हूं कि क्या हमें उसी पैमाने पर किसी अन्य वैश्विक परियोजना में भाग लेना चाहिए या नहीं।'' वह ज़ाम्बिया और नाइजीरिया में टीआरएफ के बड़े पैमाने पर चल रहे नए कार्यक्रमों से बहुत खुश हैं। यह भविष्य के लिए एक मॉडल भी हो सकता है। ''एक बहुत ही व्यक्तिगत दृष्टिकोण से मैं मानसिक स्वास्थ्य की पहल को एक दीर्घकालिक वैश्विक परियोजना के रूप में देखना पसंद करूंगा। मुझे पता है कि यह 12 महीने का प्रोजेक्ट नहीं हो सकता है, और पूरे यकीन से कह सकता हूं कि स्टेफ़नी इसे जारी रखने के लिए बहुत उत्सुक है।''

चित्र: रशीदा भगत
और विशेष व्यवस्था

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

मानसिक स्वास्थ्य सुविधा को मिला नया रूप

किरण ज़ेहरा

किरण ज़ेहरा

डीजी एन नंदकुमार, पीडीजी जे श्रीधर, रोटरी क्लब चेन्नई इंडस्ट्रियल सिटी कि अध्यक्ष एमिली टाइटस, क्लब के सदस्यों और अस्पताल के कर्मचारियों की उपस्थिति में आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली और हेतर ने आईएमएच, चेन्नई में पुनर्निर्मित वार्ड का उद्घाटन किया।

चेन्नई के किलपॉक में मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (आईएमएच) के मुख्य खंड से पक्षियों की संतोषजनक चहचहाहट के साथ विशाल हरे-भरे पेड़ों और जीवंत फूलों वाले पौधों के नीचे से गुजरता हुआ 800 मीटर का एक शांतिपूर्ण रास्ता ब्लॉक 15 की ओर जाता है, जो मानसिक रूप से विकलांग लगभग 100 रोगियों का आश्रय स्थल है। रोटरी क्लब चेन्नई इन्डस्ट्रीअल सिटी, रो ई मंडल 3232 की एक पहल प्रोजेक्ट होप के माध्यम से इस इमारत का बहुत जरूरी नवीनीकरण किया गया। 112,000 डॉलर (₹93.5 लाख) की कुल अनुमानित लागत के साथ क्लब ने पहले चरण में 12,050 डॉलर (₹10.24 लाख) की लागत से वार्ड 6 का नवीनीकरण किया।

रो ई निदेशक वेंकटेश और डीजी नंदकुमार की उपस्थिति में नए ब्लॉक का उद्घाटन करने वाले आरआईपीई गॉर्डन मैकनली ने ''मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने और इससे जुड़े कलंक को खत्म करने के महत्व को दोहराया। मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एक ऐसा मुद्दा है जो मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं अपने क्लबों से स्थानीय स्थिति के अनुसार विशिष्ट जरूरतों की पहचान करके मानसिक स्वास्थ्य परियोजनाओं में संलग्न होने का आग्रह करता हूँ,'' उन्होंने कहा।

वार्ड 15 में सिजोफ्रेनिया, बाइपोलर और पर्सनैलिटी डिसऑर्डर जैसी गंभीर मानसिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों का इलाज किया जाता है। यह आईएमएच के 21 वार्डों में से एक है जिसमें नशामुक्ति, मानसिक रूप से बीमार कैदियों, एक गहन मनोरोग देखभाल वार्ड, वृद्धजनों के लिए एक जेरियाट्रिक वार्ड और बच्चों एवं किशोरों के लिए छह विशेष वार्ड भी हैं।

आईएमएच के निदेशक डॉ एम मलियप्पन ने कहा, ''हमारे पास एक दिन में लगभग 500 मरीज आते हैं। यह समुदाय की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित करने में संस्थान की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डालता है। हालांकि, वार्ड 15 सहित हमारी कई सुविधाएं पुरानी हो गई थी और उन्हें नवीनीकरण की सख्त आवश्यकता थी।''

नवीकरण गतिविधि में क्षतिग्रस्त फर्श और दीवारों की मरम्मत, पुराने फर्नीचर और उपकरणों को बदलना एवं शौचालय खंड का निर्माण शामिल था। बगीचे में एक विशाल मंच और उस तक जाने के लिए एक रैंप भी बनाया गया। इसका उपयोग चिकित्सीय हस्तक्षेपों के लिए किया जाएगा, जिसमें योग और व्यायाम, सामूहिक चिकित्सा सत्र और व्यक्तिगत परामर्श शामिल हैं। स्टाफ नर्स आर लक्ष्मी ने बताया कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था और वायु संचार से रोगियों के स्वास्थ्य को लाभ होगा।

पीडीजी और क्लब के सदस्य जे श्रीधर ने कहा, ''हमारा उद्देश्य रोगियों को एक सुरक्षित, आरामदायक और शांत वातावरण प्रदान करना था।'' क्लब की अध्यक्ष एमिली टाइटस खुश हैं कि ''क्लब के योगदान से यहाँ के रहवासियों के उपचार और उनकी सेहत के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार किया गया।'' ■

ADVT.

Shri Vaishnav Vidyapeeth Vishwavidyalaya, Indore

ADMISSIONS 2023-24

City Office: Shri Vaishnav Vidya Parisar, 177 Jawahar Marg, South Rajmohalla, **INDORE**-2
Campus: Indore-Ujjain State Highway, **INDORE**-453111.
Mob.: 9303700163, 9303700164, 9303700165, 9303700166, 9303700168

YOU HAVE BEEN BRILLIANT IN YOUR EXAMS, NOW BE WISE IN CHOOSING THE UNIVERSITY!

Scholarships for the Meritorious Students | **Relief for the Children of COVID-19 Warriors**

EXCELLENT TRACK RECORD

Approved under Section 2(f) of the UGC Act, 1956

↗ MoU with Hanyang University, South Korea ; St. Cloud State University, USA ; University of Science & Technology, Meghalaya for Student/Faculty Exchange and Joint Research. ↗ MoU with TCS for Technical Collaboration. ↗ MoU with NRDC (Ministry of Science & Technology) for transfer of technology to industry. ↗ MoU with NCSSS (National Cyber Safety and Security Standards) for Technical Collaboration. ↗ MoU with Tata Power Ltd. for Technical Collaboration. ↗ Agreement with CISCO Network Academy. ↗ Agreement with Bosch India. ↗ MoU with Microsoft Corporation (India) Pvt. Ltd. for Technical Collaboration. ↗ MoU with IBM for Technical Collaboration. ↗ MoU with Red Hat for Technical Collaboration. ↗ Apple Authorised Training Centre Agreement for Education. ↗ MoU with Mitsubishi Electric India. ↗ MoU with ICT Academy ↗ MoU with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE), Government of India, Ministry of Education. ↗ MoU with Impetus Technology India Pvt. Ltd. for Technical Collaboration. ↗ MoU with Manmade Textiles Research Association (MANTRA) for Technical Collaboration ↗ MoU with ICAR- Indian Institute of Soybean Research ↗ MoU with (TSPL), Mumbai for high quality paramedical education to the students. ↗ Fees Structure is approved by the Government of Madhya Pradesh. ↗ Ranked jointly by Innovation Cell of the Ministry of Education (Government of India) and AICTE in Top 50 Most Preferred Institutions in 2021.

ENGINEERING AND TECHNOLOGY

B. Tech. (4 years)
Agricultural Engineering/Automobile Engineering/ AE (Electric Vehicle Engineering)/ Civil Engineering/Electronics and Computer Science Engineering/Electrical Engineering (Solar Energy-Tata Power)/Electrical & Electronics Engineering/Electrical Engineering/ Electronics and Communication Engineering/ EC (Internet of Things)/ ME (Artificial Intelligence & Machine Learning)/ CE (Artificial Intelligence & Machine Learning)/ ECE (Artificial Intelligence & IoT)/ Electronics and Instrumentation Engineering/ Instrumentation & Control Engineering/ Mechanical Engineering/Mechanical Engineering (Plant Engineering-Tata Power)/ Mechatronics/ Railway Engineering/Robotics and Automation/Electronics (VLSI Design & Technology)

M. Tech. (2 years)
Civil (Geotechnical Engineering)/ Civil (Structural Engineering)/Civil (Transportation Engineering)/Civil (Water Resources Engineering)/Digital Communication/ Digital Instrumentation/ Embedded System & VLSI design/Industrial Engineering/ Mechanical (Thermal and Design Engineering)/ Power Electronics/Power System / Renewable Energy/ Virtual Instrumentation/ Construction Technology & Management/ Automation & Robotics

Diploma Programs (3 years)
Automobile Engineering /Civil Engineering/ Electrical Engineering /Electronics and Instrumentation Engineering/Electronics Engineering/Mechanical Engineering/ Mechatronics Engineering/ Solar Energy / Integrated Circuit (IC) Manufacturing

B. Tech. (4 years)
Computer & Communication Engineering/ Computer Science & Business Systems- (TCS)/ Computer Science Engineering/CSE (Mobile Applications)-Apple (AATCE)/ CSE (Artificial Intelligence - IBM)/ CSE (Big Data and Cloud Engineering-Impetus)/CSE (Data Science-IBM)/ CSE (Enterprise System- red hat)/ CSE (FullStack Development & Blockchain- IBM)/CSE (Information and Cyber Security-NCSSS)/ CSE (Artificial Intelligence and Machine Learning-Microsoft)/ Information Technology/IT (Data Science-IBM)/ IT (FullStack Development & Blockchain-IBM)/ CSE (Internet of Things-IBM)

M. Tech. (2 years)
Computer Science Engineering/ Computer Science Engineering (Big Data Analytics)/ Computer Communication Engineering/ Information Security

Dual Degree Programs
B. Tech. + M. Tech. (4+2 years)
Computer Science Engineering/ Computer Science Engineering (Big Data Analytics)/ Computer Science Engineering (Cloud Computing)/Computer Science Engineering (Cyber Forensic)/Information Communication Technology/ Information Technology.

B. Tech. + MBA (4+2 years)
Computer Science Engineering/ Information Technology

Diploma Program
One-Year Post Graduate Diploma in Computer Applications (PGDCA)
Six-Months Diploma in Computer Hardware and Networking (DCHN)

B. Tech. (4 years)
Garment & Fashion Technology/ Textile Engineering/ Technical Textiles

M. Tech. (2 years)
Textile Engineering/Textile Chemistry

B. Sc. (4 years) Fashion Design

Diploma Program (3 years)
Textile Engineering

FORENSIC SCIENCE

B.Sc. (Hons.) (4 years)
Digital & Cyber Forensics

B.Sc. (3 years)
Forensic Science/ Forensic Psychology

B.A./ B.Sc. Criminology

M.Sc. (2 years) Forensic Science/ Forensic Psychology/ Cyber Forensics

M.A./ M.Sc. (2 years) Criminology

Dual Degree Program
B.Sc.+ M.Sc. (3+2 years)
Forensic Science/ Forensic Psychology

ARCHITECTURE

B.Arch. (5 years)

B.Des. (4 years) Interior Design/ Product Design/Graphics & Animation

M.Des. (2 years) Interior Design

M.Des. Graphics & Animation

Dual Degree Program
B.Des.+ M.Des. (4+2 years)
Interior Design/ Product Design/ Graphics & Animation

PLANNING

B.Plan (4 years)

M.Plan (2 years) (Urban Planning)

MANAGEMENT

MBA (2 years)
Engineering Management/ Family Business & Entrepreneurship/ International Business/ Media Management/Agri-business/ Business Analytics/Advertising and Public Relations/Tourism/ Rural Management-MGNCRE/ Hospital & Healthcare Management/ Marketing/ Human Resource/ Finance/ Fintech

BBA (Hons.) (4 years)
BBA (3 years)
BBA (Fintech) (3 years)
BBA (Rural) (3 years)

Dual Degree Programs
BBA + MBA (3+2 years)
Marketing/HR/Finance/Operations/ Fintech/Rural Management-MGNCRE

MBA (2 years) (Industrial Management)
Open to Engineering Graduates only.

JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

M.A. (2 years)
Journalism and Mass Communication/ Hindi Journalism

Dual Degree Program
B.A. + M.A. (3+2 years)
Journalism and Mass Communication

FINE ARTS

BFA (4 years)
Painting/ Animation

MFA (2 years)
Painting/ Animation

AGRICULTURE

B.Sc. (Hons.) (4 years) Agriculture

M.Sc. (2 years)
Agriculture/ Horticulture
Genetics and Plant Breeding/ Entomology/ Plant Pathology/ Soil Science & Agricultural Chemistry/ Agronomy/ Horticulture (Fruit Science)/ Horticulture (Vegetable Science)/Agricultural Economics/ Agricultural Extention Education / Live Stock Production & Management

SCIENCE

B.Sc. (3 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Life Science/ Computer Science/ Biotechnology/ Electronics/ Instrumentation/ Statistics/ Economics

B.Sc. (Hons.) (4 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/Computer Science/Biotechnology/Electronics/ Instrumentation/Statistics/Economics

M.Sc. (2 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Environmental Science/ Analytical Chemistry/Biotechnolgy

Dual Degree Program
B.Sc. + M.Sc. (3+2 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Statistics

COMPUTER APPLICATIONS

BCA (3 years) Big Data Analytics-IBM
B.Sc. (3 years) Data Science
M.Sc. (2 years) Computer Science
MCA (2 years) Banking Technology
MCA (2 years)

Dual Degree Programs
BCA + MCA (3+2 years)
BCA + MCA (3+2 years)
Banking Technology

SOCIAL SCIENCES, HUMANITIES AND ARTS

B.A. (3 years)

B.A. (Hons.) (4 years)
Psychology/ Economics/ Public Administration/ English Literature/ Sociology/Political Science/ Anthropology/ History/ Hindi Literature/ Sanskrit

B.S.W. (3 years)

M.A./M.Sc. (2 years)
Psychology/ Applied Psychology/ Public Administration/ Clinical Psychology/ Counselling Psychology/ English Literature/ Sociology/ Economics/ Education/Anthropology/History/ Political Science/Hindi Literature/Sanskrit

M.S.W. (2 years)

Dual Degree Program
B.S.W. + M.S.W. (3+2 years)
B.Lib. I.Sc. + M.Lib. I.Sc.
One- Year Advanced Diploma in French

COMMERCE

B.Com (Hons.) (4 years)
Banking & Finance/ Entrepreneurship/ Tax Procedure/ Computer Applications

B.Com (3 years)
Banking & Finance/ Entrepreneurship/ Tax Procedure/ Computer Applications

M.Com (2 years)

Dual Degree Programs
B.Com+ M.Com (3+2 years)
B.Com + MBA (3+2 years)

LAW

LL.B (Hons.) (3 years)
LL.M (2 years) Business Law/ Criminal Law
LL.M (1 year)
(Business Law, Criminal Law, Human Rights)

Integrated Programs (5 years)
B.A.LL.B (Hons.)
B.B.A.LL.B (Hons.)
B.Com. LL.B (Hons.)

HOME SCIENCE

M.Sc. (2 years) Food & Nutrition

Dual Degree Program
B.Sc.+ M.Sc. (3+2 years) Food & Nutrition

PARAMEDICAL SCIENCES

Bachelor of Medical Lab. Technician (3 years)

DIPLOMA PROGRAMS (2 years)
X ray Radiographer Technician/ Medical Lab. Technician/ Cath. Lab. Technician/ Dialysis Technician/ Optometric Refraction/ Optometrist Contact Lens/ Anesthesia Technician/ Yoga/ Naturopathy

Teaching Assistanceship (TA) of ₹12,400 (Rupees Twelve Thousand Four Hundred Only) for all GATE Qualified Candidates admitted in 02 years full time M.Tech Program, subject to MHRD/UGC/AICTE Guidelines

Note: (1) SVET-2023 for Ph.D in all streams will be held on May 28, 2023. (2) Lateral Entry seats are available in B.Tech. (3) SVET (Shri Vaishnav Entrance Test) will be held on May 21, June 4 & 18, July 2 and 16, August 6 and 20, 2023. The seats in various programs will be filled on the basis of prescribed Tests/ SVET-2023.

FACULTY OF DOCTORAL STUDIES & RESEARCH

Management/ Physics/ Chemistry/ Maths/ Life Science/ Psychology/ Library Science/ Computer Applications/ Computer Science/ Computer Engineering/ Environmental Science/ Electronics Engineering/ Electrical Engineering/ Mechanical Engineering/ Textile Technology/ Civil Engineering/ IT/ Forensic Science/ English/ Journalism and Mass Communication/ Biotechnology/ Fine Arts/ Agriculture/ Economics/ Political Science/Commerce/ Sociology/ Anthropology/ Public Administration /Design/ Education/ Law / Fashion Design / History

Toll Free: 1800 233 9111
Helpline: 1800 102 9191

SEPARATE HOSTEL FACILITY FOR BOYS & GIRLS.

Scan me

For details, visit: www.svvv.edu.in admission@svvv.edu.in

बड़े सपनों से कतराएं नहीं

रशीदा भगत

बड़े सपने देखें... चिंता न करें कि पैसा कहाँ से आएगा और न ही असफल होने की चिंता करें। यदि आप कोई सपना देखेंगे ही नहीं तो असफल कैसे होंगे। यह बिल्कुल वैसे ही है जैसे अगर आप अपने घर से निकलेंगे ही नहीं तो अपने गंतव्य पर पहुंचेंगे कैसे! यदि आप दुनिया की सबसे बड़ी असफलताओं को देखना चाहते हैं तो अब्राहम लिंकन की असफलताओं को गूगल करें।'' उन्होंने लगभग हर चीज के लिए प्रयास किया पर उसमें विफल हुए परंतु फिर भी वह इतिहास के सबसे सफल लोगों में से एक हैं।

इन शब्दों के साथ पूर्व रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने हाल ही में कोलकाता में रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉय चौधरी द्वारा आयोजित लक्ष्य लक्ष्य-निर्धारण कार्यक्रम में एकत्रित हुए निर्वाचित गवर्नरों और डीजीएन से आग्रह किया।

जहाँ अंतर्राष्ट्रीय सभा और GETS डीजीईयों के लिए महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं थीं क्योंकि गवर्नरों के रूप में उनका वर्ष समाप्ति की ओर था वहीं लक्ष्य, ''जो एक लक्ष्य-निर्धारण कार्यक्रम है जिसमें अब आप पीडीजी ई के सगादेवन की अध्यक्षता में भाग ले रहे हैं, भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मैं इसे एक डीजी के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक मानता हूँ क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय सभा और GETS के बाद आप यहाँ अपने दृष्टिकोण को अंतिम रूप देकर अगले वर्ष के लिए अपने लक्ष्य को निर्धारित कर सकते हैं।''

मेहता ने प्रतिभागियों से *लक्ष्य* के समन्वयकों और सहायक समन्वयकों, जो उन्हें बिना किसी हस्तक्षेप के मार्गदर्शन देंगे, के साथ हुई चर्चाओं पर अधिक ध्यान देने का आग्रह करते हुए कहा, 1 जुलाई को वे सभी उधेड़बुन में होंगे। ''यहाँ आप अपने जीवन की ऊंचाइयों, इसके रोमांचकारी और उत्साहजनक क्षणों के साथ-साथ निम्न क्षणों को भी देखेंगे।''

शाहरुख खान की प्रसिद्ध फिल्म *चक दे इंडिया* जिसमें वह भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में हॉकी खिलाड़ियों से वर्ल्ड कप के फाइनल से पहले जो बात कहता है उसका उद्धरण देते हुए मेहता ने कहा: ''उस मूवी में शाहरुख खान कहता है कि उस मैच के 70 मिनट उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण 70 मिनट होंगे। उसी तरह, मैं कहना चाहता हूँ कि आने वाले रोटरी वर्ष के 366 दिन (2024 एक लीप वर्ष है) आपके जीवन के सबसे रोमांचकारी और सबसे कीमती दिन होंगे। आप उनका उपयोग कैसे करते हैं यह महत्वपूर्ण होगा। इस अनूठे अवसर का उपयोग आप अपने मन की शांति के लिए सामुदायिक सेवा करने में करें क्योंकि आपको ये दिन दोबारा नहीं मिलेंगे।''

जोन 4, 5, 6 और 7 के ''अद्भुत काम'' का उदाहरण देते हुए इस पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि पिछले साल, इन चार ज़ोनों के नए सदस्यों को लाने के अनुकरणीय प्रयास की वजह से एक लंबे समय के बाद रोटरी की गिरती सदस्यता में रुकावट आई है।

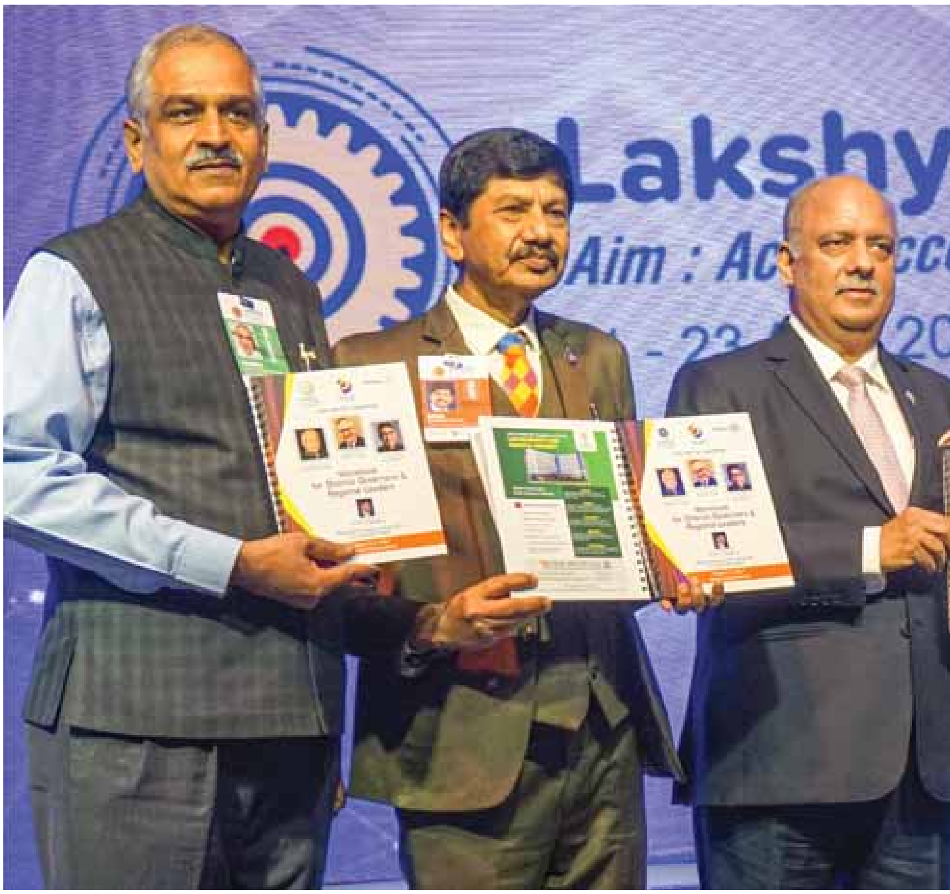

बाएं से: पीडीजी एचआर अनंत, लक्ष्य अध्यक्ष पीडीजी ई के सागादेवन, पीआरआईपी शेखर मेहता, RIDEs अनिरुद्धा रॉय चौधरी और टीएन सुब्रमण्यन, और पीडीजी राजेंद्र राय ने कोलकाता में लक्ष्य कार्यक्रम में मंडल गवर्नरों और क्षेत्रीय नेताओं के लिए कार्यपुस्तिका जारी की।

यहाँ तक कि टीआरएफ को देने में भी, ''आप नंबर 2 पर रहे हैं और अब आप नंबर 3 पर नहीं जा सकते।''

जब सेवा परियोजनाओं को करने की बात आती है, तो हमारे ज़ोन, भारत, नेपाल, श्रीलंका और भूटान के रोटेरियनों की कोई तुलना नहीं है। ''मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि परियोजनाओं को कैसे करें; मैं कई PETS में भाग ले रहा हूँ और आपसे सीख रहा हूँ कि परियोजनाओं को कैसे करना है।''

उनके लिए उनकी एकमात्र सलाह यह है कि बड़े सपने देखें; ''पोलियो उन्मूलित करने से बड़ा सपना और क्या हो सकता है? एक सपना जिसके लिए इतने सारे देशों को एक साथ काम करने की आवश्यकता थी। यह एक ऐसा संगठन है जिसके पदचिह्न और उपस्थिति इतने अधिक देशों में है जितनी की संयुक्त राष्ट्र की भी नहीं होगी। और रोटरी गवर्नरों से बड़े सपने और कौन देख सकता है?''

मेहता ने उनसे बड़ा सोचने की अपील करते हुए कहा, ''अगले एक साल में आप लाखों लोगों की जिंदगियां बदल देंगे। उस वर्ष आपकी वजह से हजारों लोगों की हृदय सर्जरियाँ होंगी, सैंकड़ों लोगों की आँखों की रोशनी वापस आ जाएगी और लाखों लोगों के पास पीने योग्य पानी होगा, ये सब सिर्फ आपकी वजह से। यह वो शक्ति है जो केवल आपके पास है... कृपया इसे भगवान का कार्य समझें।''

इसी तरह, हजारों लोग उनके द्वारा स्थापित की गई सुविधाओं की वजह से डायलिसिस करवा पाएंगे। उन्होंने बड़ी सफल सेवा परियोजनाओं का उदाहरण दिया जिन्हें भारत में रोटरी के 100 साल पूरे होने की खुशी में दो साल या उससे भी पहले लक्ष्य में एक महत्वाकांक्षी उद्देश्य के साथ शुरू किया गया था। एक बार फिर *लक्ष्य* की बैठक में मेहता के अपने मंडल (3291) ने कोलकाता में ₹400 करोड़ की लागत से 500 बिस्तरों वाले एक अस्पताल के निर्माण का वादा किया था और तत्कालीन डीजीई समीर हरियानी ने यह वादा किया था कि उनका मंडल अकेले ₹800 करोड़ की परियोजनाएं करेगा।

लेकिन कोविड महामारी के प्रकोप ने अगले वर्ष इन उत्कृष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति पर रोक लगा दी। हालांकि

यह एक ऐसा संगठन है जिसके पदचिह्न और उपस्थिति इतने अधिक देशों में है जितनी की संयुक्त राष्ट्र की भी नहीं होगी। और रोटरी गवर्नरों से बड़े सपने और कौन देख सकता है?

अब महामारी के पीछे छूटने के साथ हमने 400 करोड़ की लागत से 500 बिस्तरों वाले एक अस्पताल की आधारशिला रखी है, ''जो अभी हम जहाँ बैठे है (कोलकाता की वेस्ट एंड होटल) से 5 किमी की दूरी पर है। हमने 1,000 आदिवासी लड़कियों के लिए ₹300 करोड़ के एक आवासीय विद्यालय की भी नींव रखी है, जहाँ उन्हें नि:शुल्क बोर्डिंग और शिक्षा प्राप्त होगी। ये सभी परियोजनाएं बड़े सपनों के साथ शुरू हुई।''

लेकिन उन सभी में सबसे ''उत्तेजित सपना पोलियो उन्मूलन के बाद भारत के रोटेरियनों द्वारा भारत को पूर्ण साक्षर बनाने का देखा गया था। यदि आप साक्षरता कार्यक्रम में शामिल होते हैं, तो आप इसकी विशालता को समझ पाएंगे। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भारत सरकार साक्षरता दर को केवल 75 प्रतिशत तक ही ले जा पाई। और यहाँ हम में से कुछ लोग यह सोच रहे हैं कि हम 2027 तक भारत की साक्षरता दर को 97 प्रतिशत तक ले जाएंगे और 2030 तक इसे पूर्ण रूप से साक्षर बना देंगे,'' मेहता ने आगे कहा।

लेकिन उन्होंने लक्ष्य प्रतिभागियों को सावधान करते हुए कहा, ''यह सिर्फ सपने देखने से नहीं होता है... आपको एक विस्तृत योजना की तैयारी, सामूहिक प्रयास और कड़ी मेहनत करनी होगी... यह रोटरी का जादू है। एक व्यक्ति सपने देखता है; एक सच्चा नेता उम्मीद जगाता है और हर कोई उस उम्मीद पर खरा उतरकर उस सपने को सच करने का प्रयास करता है।''

इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उन्हें यह सोचना होगा कि वे रोटरी के लिए नहीं, ''बल्कि अपने देश के लिए काम कर रहे है। इसलिए

के विश्वनाथन

बड़ी परियोजनाएं करें; यदि आपको लगता है कि यह परियोजना आपके क्लब के लिए बहुत बड़ी है तो 20 अन्य क्लबों, मंडलों और यहाँ तक कि अन्य देशों के साथ साझेदारी करें। इतने बड़े सपने देखें कि वे आपके वर्ष में पूरे न हो पाएं और उन्हें आगे ले जाना पड़े।''

मेहता ने कुछ बड़े लक्ष्यों को गिनाते हुए कहा कि पिछले साल पूरे भारत में 125 डायलिसिस मशीनें स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया था। (पी) डीजी जे श्रीधर ने अकेले एक रो ई मंडल (3232) से 135 डायलिसिस मशीनें स्थापित की; डीजीई हीरालाल यादव (रो ई मंडल 3291) की सहायता से 15 नेत्र अस्पताल स्थापित किए गए।

साथ ही बड़े लक्ष्य निर्धारित करते समय उन्हें पैसों की चिंता नहीं करनी चाहिए। रो ई अध्यक्ष के रूप में उन्होंने 40 देशों का दौरा किया और हृदय सर्जरियों के लिए विशेष रूप से अफ्रीका जैसे कई राज्य प्रमुखों से मदद का वादा किया। उनके पास

एक रो ई अध्यक्ष के रूप में मैं 40 देशों में गया, उनमें से प्रत्येक में रोटरी के पास देने के लिए कुछ था और मांगने के लिए कुछ भी नहीं। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है?

इन वादों को पूरा करने की कोई ठोस योजना नहीं थी। लेकिन जब दिल के ऑपरेशन के लिए अनुरोध आए, तो राजेंद्र राय, राजेंद्र अग्रवाल, संदीप अग्रवाल आदि जैसे डीजी और पीडीजीयों ने इसे पूरा करने के लिए इस मुद्दे पर कदम उठाएं।

''आज यह स्पष्ट है कि हम 10 लाख लोगों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाना चाहते हैं, इतने सारे ब्लड बैंक स्थापित करना चाहते हैं... और मुझे यकीन है कि भारत में किसी भी अन्य संगठन ने इतने बैंक स्थापित नहीं किए होंगे जितने कि रोटरी ने किए हैं। अगर आपके आसपास 100 वर्ग किलोमीटर में कोई ब्लड बैंक नहीं है तो वहाँ पर एक बैंक स्थापित कीजिए। यदि 50 किमी की दूरी के भीतर कोई नेत्र अस्पताल नहीं है, तो एक नेत्र अस्पताल स्थापित कीजिए। प्रत्येक डीजी/डीजीई में कुछ ताकत होती है, एक-दूसरे की ताकत के साथ काम करें। डायलिसिस मशीनें स्थापित करने के लिए श्रीधर की मदद लें, नेत्र अस्पतालों के लिए हीरालाल यादव से संपर्क करें और सामान्य अस्पतालों के लिए पीडीजी सगादेवन से संपर्क करें। उन्होंने इरोड में 45 दिनों में 400 बिस्तरों वाले एक 70,000 वर्ग फुट के अस्पताल का निर्माण किया।''

रोटरी में नवनिर्वाचित गवर्नरों के रूप में उनके पास मौजूद शक्ति पर उनके अंतिम शब्द: एक रो ई अध्यक्ष के रूप में मैं 40 देशों में गया, उनमें से प्रत्येक में रोटरी के पास देने के लिए कुछ था और मांगने के लिए कुछ भी नहीं। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है? ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी कैंसर देखभाल अस्पताल के लिए एक मैराथन धन संचयन समारोह

टीम रोटरी न्यूज़

मैराथन में परियोजना अध्यक्ष पीडीजी डॉ बी ए मुरुगनादन (बाएं) और डीजी बी इलंगकुमरन (दाएं) फिल्म कलाकार गौतमी, विधायक सेल्वराज, महापौर दिनेशकुमार और शहर के पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार अभिनापु के साथ।

तिरुपुर के रोटरी क्लब तिरुपुर सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक कैंसर देखभाल केंद्र स्थापित करने हेतु एक साथ आए। पीडीजी डॉ बी ए मुरुगनादन की अध्यक्षता वाली ₹90 करोड़ की इस परियोजना को तमिलनाडु सरकार के साथ संयुक्त रूप से निष्पादित किया जाएगा, जिसमें तमिलनाडु सरकार 60 करोड़ का योगदान देगी। रो ई मंडल 3203, ₹30 करोड़ का योगदान देगा।

इस उद्देश्य के लिए रोटरी क्लब तिरुपुर गांधीनगर द्वारा हाल ही में आयोजित एक धन संचयन मैराथन और वॉकथॉन में डीजी बी इलंगकुमारन, अन्य पूर्व गवर्नरों और मंडल नेताओं सहित 15,000 लोगों ने भाग लिया। इससे सीधे तौर पर ₹85 लाख और योगदानों के रूप में ₹1.5 करोड़ जुटाने में मदद मिली। ■

मदुरै में RIPE मेकिनली

टीम रोटरी न्यूज़

रोई मंडल 2981, 2982, 3000, 3203 और 3212 के लगभग 2,000 रोटेरियनों को आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली की भारत यात्रा के दौरान तमिलनाडु के मदुरै में आयोजित रोटरी लीडरशिप कॉन्क्लेव में उनके साथ बातचीत करने का मौका मिला। उन्होंने प्रतिनिधियों से महात्मा गांधी से प्रेरणा लेने का आग्रह किया जिन्हें वह अपना ''सबसे पसंदीदा नेता'' मानते है और जो सहानुभूति, नेतृत्व एवं दूसरों के व्यक्तिगत विकास की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं। मेकिनली ने घोषणा की कि आगामी रोटरी वर्ष में रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से 400 मिलियन डॉलर की सेवा परियोजनाओं को लागू किया जाएगा जिसमें मानसिक स्वास्थ्य और लड़कियों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित सेवा परियोजनाओं पर विशिष्ट वैश्विक ध्यान केंद्रित रहेगा।

कॉन्क्लेव संयोजक रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने भारत में रोटरी के विकास की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला और सदस्यों को क्लब की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, सदस्यों के लिए रोटरी अनुभव को बढ़ाकर उन्हें जाने से रोका जा सकता है और ''रोटरी समुदायों पर अपने सकारात्मक प्रभाव को विस्तारित करना जारी रख सकती है।''

पीआरआईडी सी भास्कर ने कहा कि मेकिनली की भारत यात्रा देश में रोटरी के परिवर्तनकारी कार्य की संभावना को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि देश की विशाल आबादी और इसकी युवा शक्ति भारत में रोटरी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कॉन्क्लेव अध्यक्ष पीडीजी एम मुरुगानंदम ने नवनिर्वाचित नेताओं को रोटरी के कार्य के बारे में जानकारी दी विशेष रूप से क्षेत्र के भाग लेने वाले मंडलों द्वारा। रोटरी वर्ष 2023-26 के लिए आरपीआईसी के रूप में उन्होंने रोटरी की सार्वजनिक छवि को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

इससे पहले मेकिनली और हेतर का पारंपरिक स्वागत किया गया जिसके अंतर्गत उन्हें घोड़ा-गाड़ी पर लाया गया और क्षेत्रीय सांस्कृतिक नृत्य एवं संगीत से उनका मनोरंजन किया गया।

डीजी वी सेल्वानादन, डीजीई जी सेंगुट्टूवन, रो ई मंडल 2981 के डीजीएनडी जे लियोन; डीजी पी सरवनन, डीजीई एस राघवन, डीजीएन वी शिवकुमार, रो ई मंडल 2982 के डीजीएनडी शिवसुंदरम; डीजी आई जेराल्ड, डीजीई आर अनंथा जोठी, डीजीएन आर राजा गोविन्दसामी, डीजीएनडी जे कार्तिक 3000; रो ई मंडल 3203 के डीजीई डॉ एस सुंदरराजन और रो ई मंडल 3212 के डीजीई आर मुत्तैया पिल्लई ने अपने संबंधित मंडल गवर्नरों के साथ उपस्थित होकर इस अंतर्राष्ट्रीय नेता को सम्मानित किया। ■

मदुरै में रोटरी लीडरशिप कॉन्क्लेव में आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली और हेतर, (बाएं से बैठे हुए) पीडीजी अशोक पद्मराज, मेल्बा मैरी, डीजीई मुत्तैया पिल्लई, पीडीजी बी अरुमुगपांडियन, आरआईडी ए एस वेंकटेश, पीडीजी एम मुरुगानंदम, उनकी पत्नी सुमति, पिआरआईडी सी भास्कर और पीडीजी चिन्नादुरई अब्दुल्ला के साथ।

*राजश्री बिड़ला, चेयरपर्सन, आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट के साथ हेतर, आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली, पीआरआईडी अशोक महाजन और **RIDE** टी एन सुब्रमण्यन।*

*नीचे: **PRID** अशोक महाजन, **TRF** ट्रस्टी भरत पांड्या, **RIDE** सुब्रमण्यन, उनकी पत्नी विद्या (दाएं), **DG** संदीप अग्रवाला, उनकी पत्नी मालिनी और **RID** 3141 के पूर्व गवर्नरों के साथ **RIPE** गॉर्डन और हेतर मेकिनली। **DGN** चेतन देसाई और **DGE** अरुण भार्गवा चित्र में बाईं ओर दिखाई दे रहे हैं।*

मेकिनली की मुंबई में
राजश्री बिड़ला से मुलाकात

टीम रोटरी न्यूज़

मुंबई में, आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली और उनकी पत्नी हेथर ने रो ई मंडलों 3141, 3142, 3131, 3132 और 3170 द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। इसमें डीजीयों, डीजीईयों, क्लब अध्यक्षों और मंडल अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की योजना की तैयारी और उसका निष्पादन आरआईडीई टी एन सुब्रमण्यम द्वारा किया गया।

रो ई निदेशक महेश कोटबागी और टीआरएफ न्यासी डॉ भरत पांड्या ने सभा को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्षों को भारत में विशेष रूप से इन मंडलों में रोटरी के कार्य के बारे में जानकारी दी और गवर्नरों ने उनके वर्ष के दौरान किए गए कार्यों का प्रदर्शन किया।

इस बैठक को संबोधित करते हुए आरआईपीई मेकिनली ने एकत्रित रोटेरियनों को आज की दुनिया में रोटरी की प्रासंगिकता और दुनिया में उम्मीद जगाने की आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने उन्हें गंभीर कठिनाइयों से जूझ रहे लोगों की सहायता करके उनमें उम्मीद जगाने के लिए दुनिया भर में रोटेरियनों द्वारा किए जाने वाले अच्छे काम का विवरण भी दिया। उनके संबोधन पर सभा में सभी ने खड़े होकर उनके लिए तालियाँ बजाई।

आरआईपीई मैकनली की मुंबई यात्रा का मुख्य आकर्षण आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट की अध्यक्ष, राजश्री बिड़ला के साथ उनके कार्यालय में हुई उनकी एक मुलाकात थी, जिसमें मैकनली ने पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी को उनके फाउंडेशन से मिले उदार दान के लिए रोटरी इंटरनेशनल की ओर से उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने मैकनली को दुनिया में उम्मीद जगाने और इसे एक बेहतर स्थान बनाने के प्रयास में रोटरी को उनकी ओर से निरंतर समर्थन मिलने का आश्वासन दिया।

साथ ही पीआरआईडी अशोक महाजन द्वारा आयोजित चाय पर एक मुलाकात में हेतरे मेकिनली, महाजन, टीआरएफ न्यासी भरत पांड्या और आरआईडीई टी एन सुब्रमण्यन मौजूद थे।

मेकिनली और हेतरे के लिए महाजन द्वारा मुंबई में एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी भी की गई जो रो ई मंडल में उनके बैच के साथी थे। ■

एक रोटरी क्लब डॉक्टरों के नाम

जयश्री

जयश्री

आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली और हेतर, रोटरी क्लब चेन्नई जेमिनी के अध्यक्ष डॉ एळिलरसन, डीजी एन नंदकुमार, आरआईडी ए एस वेंकटेश, पीडीजी आई एस ए के नाज़र और डीजीएन महावीर बोथरा, नए क्लब, रोटरी क्लब चेन्नई मेडिकल फ्रेटरनिटी के सदस्यों के साथ। पीडीजी बाबू पेराम और नए क्लब के अध्यक्ष डॉ एस मुत्तुकुमार बाईं ओर (ऊपर से दूसरी पंक्ति में) बैठे हैं।

डॉक्टरों (चिकित्सकों) का यह विशाल समूह जो स्वेच्छा से रोटरी के माध्यम से अपने समुदाय की सेवा करने के इच्छुक हैं, को देखना मेरे लिए अत्यंत हृदयस्पर्शी है। आप में से प्रत्येक को बहुत बहुत धन्यवाद। मैं आश्वस्त हूँ कि आप सभी को जीवन का अच्छा अनुभव रहा होगा और दुनिया में नेक कार्य करने के लिए आपने रोटरी का मंच चुना, इसलिए आप अच्छा महसूस कर रहे होंगे। आपकी सदस्यता ने इसे एक ऊंचा स्तर प्रदान किया है,'' आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली ने 97 सदस्यों के नवगठित रोटरी क्लब चेन्नई मेडिकल फ्रेटरनिटी के स्वागत में कही। रोटरी क्लब चेन्नई जेमिनी, रो ई मंडल 3232 द्वारा प्रायोजित इस नए क्लब के सदस्य या तो डॉक्टर हैं, या अस्पताल के मालिक या अस्पताल प्रशासक हैं। मेकिनली ने नए क्लब के अध्यक्ष डॉक्टर एस मुत्तुकुमार (हड्डी के सर्जन) और चेयरमैन(पार्वती हॉस्पिटल, चेन्नई) को चार्टर सौंपे।

''एक नए रोटरी क्लब का गठन परिवार में एक बच्चे के जन्म की तरह होता है, रोटरी परिवार में हम नए रोटरी क्लब के गठन का जश्न मनाते हैं, रोटरी की सदस्यता हमारी संस्था की जान है, आप लोगों से कहना चाहता हूँ कि आर आई की नई इंक्लचीलीफ नीति का लाभ लेकर नए क्लब को स्थापित करना बेहतर होगा ताकि क्लब की सदस्य संख्या में गति बरकरार रहे।''

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने पीडीजी आईएसए के नाज़र (डिस्ट्रीक्ट मेम्बरशिप काउंसिलर) ने एक साथ ज्यादा संख्या में डॉक्टर्स को रोटरी से जोड़ने की सराहना की और कहा कि ''इस तरह के क्लब के गठन का सुअवसर सात वर्ष पहले हुआ था। रोटरी में 2016 तक यह प्रावधान था कि एक ही क्लब में एक ही पेशे वाले लोगों की सदस्यता 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए, फिर नियमों में ढील दी गई और अब हमारे पास लक्ष्य - आधारित क्लब्स हैं, जैसे रोटरी क्लब मद्रास द्वारा प्रायोजित क्लब रोटरी क्लब चेन्नई ऑर्गन डोनेशन क्लब है जिसका उद्देश्य अंगदान को बढ़ावा देना है।'' फिर उन्होने नए क्लब को सुझाव दिये।

उन्होने कहा ''आप सभी मिल बैठकर पंचवर्षीय योजनाएँ बनाएँ जिसमें आप निर्धारित करें कि किस तरह के कार्य(प्रोजेक्ट्स) करना चाहेंगे , किस तरह के लोगों को शामिल करना चाहेंगे और किस तरह से फेलोशिप की व्यवस्था करना पसंद करेंगे। हमें सिर्फ एक वर्ष को ध्यान में रखकर योजनाएँ नहीं बनानी चाहिए, क्योंकि यह हमें कुछ बड़ा करने की क्षमता को सीमित करता है और हमें ऊंचा उड़ने से रोकता है, उन्होने फिर कहा कि मैं आगामी अध्यक्ष से कहना चाहूँगा कि निरंतर होने वाले प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता दें और यह निश्चित करें कि कोई भी एक वर्ष का स्वामी न बन पाये।''

दूसरी सलाह उन्होने यह दी कि प्रत्येक सदस्य को व्यस्त रखें ताकि रोटरी में उनकी रुचि कम न हो पाए पिछले वर्ष आर आई ने अकेले 150,000 सदस्यों को खो दिया, लेकिन रोटरी को कोई सदस्य इसलिए नहीं छोड़ता है क्योंकि उन्हें बहुत काम करने के लिए कहा गया बल्कि रोटरी को लोग इसलिए छोड़ते हैं कि उन्हें काम करने का अवसर नहीं मिला।

सदस्यों की रुचि का पता लगाएँ'' और उन्हें काम सौपें। उन्हें स्वामित्व का एहसास होने दें, अन्यथा वे पीछे हट जाएंगे और आप समझ नहीं पाएंगे कि उन्होने रोटरी क्यों छोड़ दी।

डीजीएन नन्दकुमार ने अपने क्लब की एक बैठक को याद करते हुए बताया कि ''नए सदस्यों से जब मैंने पूछा कि वे रोटरी में शामिल होना क्यों चाहते हैं, उन्होने कहा कि हम समाज में घुलना-मिलना चाहते हैं, हम पेशेवरों के रूप में जो कुछ भी करते हैं उससे आगे बढ़कर कुछ करना चाहते हैं।''

कोविड महामारी के दौरान रोटरी क्लब चेन्नई जेमिनी ने 300 से भी अधिक डॉक्टरों के समूह का एक वॉटसएप ग्रुप बनाया था जिसमें गैर- रोटेरियन डॉक्टर्स भी शामिल थे ताकि संकट की घड़ी में वे अपनी अमूल्य सेवा दे सकें। फिर नंदकुमार ने उन दिनों को याद करते हुए कहा - क्लब के मेम्बरशिप चेयर डॉक्टर रमेश बाबू ने फिर समूह में एक संदेश भेजा, जिसमें लिखा था- जिनकी रुचि रोटरी में है, वे एक लिंक जो कि ग्रुप में अपलोड किया गया है, पर क्लिक करें। यह कार्य एक चुनौती बन गई। जैसे ही यह लिंक ग्रुप में दिखा, तुरंत सभी ने इस पर क्लिक किया, वैसे डॉक्टर्स जो पिछले 20-30 वर्षों से किसी अन्य रोटरी क्लबों के सदस्य थे, वे भी इस क्लब में शामिल होना चाहते थे और एक बार फिर सदस्यता शुल्क देने के लिए तैयार थे।

उन्होने बताया कि जिले में तीन रोटरी क्लब थे- एक पूर्व रोटरेक्टर्स से बना था, दूसरा पूर्व राउंड टेबलर्स का था और अगली पीढ़ी के रोटेरिन गण के नाम तीसरा क्लब था। फिर उन्होने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि चेन्नई में 9,000 डाक्टर्स हैं लेकिन हमारे क्लब में सिर्फ 100 ही डाक्टर्स हैं, और डाकटर्स को रोटरी में शामिल करने की जरूरत है।

चार्टर अध्यक्ष मुत्तुकुमार ने कहा कि ''हम अपने समुदाय को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि हमारा ध्यान सभी के स्वास्थ्य सेवा पर होगा जो सस्ती भी होगी और बीमारियों से बचाएगी भी। हमारे साथ अपोलो से लेकर कावेरी तक के विशेषज्ञ डाक्टर्स हैं।''

रोटरी क्लब चेन्नई जेमिनी ने इससे पहले फरवरी में रोटरी क्लब चेन्नई मैत्रेयी नामक 30 सदस्यीय, सभी महिला क्लब को प्रायोजित किया था। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

स्कूली बच्चों के लिए राशन किटें

टीम रोटरी न्यूज़

मालवणी झुग्गी बस्ती के एक स्कूल में एक अभिभावक को किराने की किट दी गई।

मुंबई के विले पार्ले स्थित जमनाभाई नरसी स्कूल के 11वीं कक्षा के छात्रों ने एक क्राउडफंडिंग मंच, *Fueladream.com* के माध्यम से केवल तीन सप्ताह में ₹57 लाख जुटाए। इस धन के एक हिस्से का उपयोग उन परिवारों के लिए राशन किटें खरीदने में किया गया जिनके बच्चे मलाड के पास मालवणी की झुग्गी बस्ती के स्कूलों में पढ़ रहे थे।

''यहाँ पर गरीब परिवारों के बच्चे आते हैं। कई परिवारों के लिए जीवन यापन करना और उचित भोजन प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है,'' रोटरी क्लब मुंबई ब्रेवहार्ट्स, रो ई मंडल 3141 के अध्यक्ष खुज़ेम सकरवाला कहते है। इस वर्ष क्लब ने झुग्गियों में रहने वाले परिवारों को राशन किटें वितरित करने का सोचा है जिसके अंतर्गत पूरे वर्ष तक हर महीने इन परिवारों को 15 किलो चावल और गेहूं, तूर, चना और काली दाल, राजमा, खाद्य तेल, चीनी, पोहा और रवा दिया जाएगा। इस परियोजना के दूसरे चरण में जमनाभाई स्कूल के छात्रों द्वारा इस पहल का समर्थन किया गया।

रोटरेक्ट क्लब मालवणी ब्रेवहार्ट्स के सदस्यों की मदद से विद्यार्थियों के माता-पिता को किटें वितरित की गई। ''उन्हें राशन किटें प्रदान करने से यह सुनिश्चित होगा कि ये बच्चे स्वस्थ रहें, स्कूल न छोड़ें और कक्षा में ध्यान दें,'' सकरवाला कहते हैं। ■

केवल प्रेम ही विश्व में आशा की किरण जगा सकता है: मेकिनली

वी मुत्तुकुमारन

मंडल 3053, 3054 और 3060 के 250 से अधिक रोटेरियनों के साथ अहमदाबाद में डिनर मीटिंग में RIPE गॉर्डन मेकिनली ने कहा, प्रत्येक रोटेरियन को हमारे ग्रह को एक करुणामयी संसार की रचना करने के लिए अपने समाज को प्रेम से परिपूर्ण कार्यों, कृत्यों से रोशन कर इस दुनिया में व्याप्त अन्धकार को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में दिख रही अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद हमें युद्ध, आतंकवाद और हिंसा से पीड़ित दुनिया में उम्मीद जगाने के लिए कारखानों, कंपनियों, बोर्डरूम, राजनीति और हमारे समुदायों में प्रेम का प्रादुर्भाव करना होगा।

रोटेरियनों के पास महत्वपूर्ण कार्य है - सेवा के जो कार्य वे करते हैं उन का चैंपियन बनने का - और विशेषज्ञों का कहना है कि ''दयालुता और करुणा के कार्य करने से तनाव कम होता है और इससे अवसाद और अन्य मानसिक बीमारियां दूर होती हैं,'' उन्होंने कहा। ''मुझे यकीन है कि रोटरी के मूल्य दुनिया में उम्मीद की लौ जगाएंगे और आने वाली पीढ़ी हमारी सेवा परियोजनाओं के लिए हमारी तरफ देखेगी।'' उन्होंने रोटेरियनों से अपने द्वारा किये गए कार्यों पर गर्व करने के लिए कहा।

अपने अध्यक्षीय फोकस की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, ''तीन क्षेत्र महत्वपूर्ण हैं - टीम वर्क और निरंतरता; शांति निर्माण के प्रयास का विस्तार; और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे - जो दुनिया में आशा का संचार कर रोटरी को आगे ले जाएंगे।'' उन्होंने दोहराया कि वह उन दिग्गजों के कंधों पर खड़े होंगे जिन्होंने पूर्व में रोटरी का नेतृत्व किया था। चेन्नई, मदुरै, कोलकाता, मुंबई, नागपुर और अहमदाबाद के सात दिवसीय दौरे

बाएं से: डीजीई आशा वेणुगोपाल, डीजीएन राजिंदर खुराना, रोटरी क्लब नागपुर नॉर्थ की अध्यक्ष ज्योतिका कपूर, RIDEs अनिरुद्धा रॉय चौधरी, टी एन सुब्रमण्यन, डीजी आनंद झुंझुनूवाला, मोनिका, हेतर और आरआईपीई गॉर्डन मेकिनली नागपुर में डिनर मीट में।

ऊपर: बाएं से: भावना राठौड़, रोटरी क्लब अहमदाबाद ग्रेटर के वाइस प्रेसिडेंट प्रफुल शाह, RIDE सुब्रमण्यन, हेतर, आरआईपीई मेकिनली, रोटेरियन मंजू मालवीय, क्लब सेक्रेटरी विपिन घई, इंटरेक्ट चेयर अरूप सिन्हा और डीजीई मेहुल राठौड़ ज़ेबर स्कूल के छात्रों के साथ।

के बाद, मुझे एहसास हुआ कि मैं भारतीय रोटेरियन दिग्गजों के कंधों पर भी खड़ा होऊंगा, जो मेरे साथ मिलकर उम्मीद जगाने का काम करेंगे।

शांति, एक कोमल सृजन

इससे पहले, नागपुर में *द ग्रैंड गॉर्डन शो* नामक डिनर मीट में रो ई मंडल 3030 से आये 50 क्लबों के 300 रोटेरियन गण की एक सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि ''यूक्रेन, यमन, सीरिया, अफ़गानिस्तान और सूडान में युद्धों की भयावहता और प्रभाव को पूरी दुनिया में विनाश और पीड़ा के साथ बहुत गहराई से महसूस किया जाएगा। इससे यह साबित हो जाता है कि शांति की रचना एक बहुत ही नाजुक कार्य है और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद भाई-भतीजावाद, जाति, पंथ आदि जैसे तत्व सर उठा रहे हैं।'' शांति और संघर्ष के समाधान रोटरी के मूल डीएनए में हैं। लेकिन दुनिया संघर्षों से जूझ रही है और ''रोटेरियन के रूप में हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मानवता प्रेम के प्रसार से फलती फूलती है ताकि युद्ध और आतंकवाद के अत्याचारों को खत्म किया जा सके जिससे हमारे बच्चों को एक बेहतर ज़िंदगी मिल सके। रोटरी शांति निर्माण के लिए कटिबद्ध है और शांति का मतलब केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि इससे कहीं अधिक है, क्योंकि यह स्वस्थ बच्चों, सभी के लिए शिक्षा, पानी और स्वच्छता प्रदान करने, और लोगों द्वारा एक दूसरे से प्यार करने के सम्बन्ध में भी है।''

जब मानव अस्तित्व के मूल में प्रेम स्थापित हो जाएगा, ''कोई बच्चा भूखा नहीं सोएगा, लोगों को उनका हक़ मिलेगा जिसके वो अधिकारी हैं, हम आपस में एक दूसरे को एक विशाल परिवार के रूप में देखेंगे और इन सबसे बढ़कर, दुनिया में अमन चैन कायम होगा, मेकिनली ने कहा लेकिन रोटरी शांति का निर्माण तब तक नहीं कर सकता, ''जब तक खुद रोटेरियन के मन के भीतर शांति नहीं है, जैसा कि हम देख रहे हैं कि महामारी के बाद कई लोगों का व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रभावित हुआ है।'' सामाजिक ढांचा अस्त व्यस्त हो गया था और हमारे बच्चे और युवा वयस्क लोगों का कौशल भी कोविड के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ हैं। यह कहते हुए कि उन्होंने अध्यक्षीय पहल के रूप में कल्याण परियोजनाओं को प्राथमिकता दी है उन्होंने कहा, ''रोटरी क्लबों को अपने समाज के लिए एक मानसिक स्वास्थ्य देखरेख प्रणाली का विकास करना चाहिए ताकि हमारे पास विभिन्न प्रकार की निवारक और हस्तक्षेपकारी देखरेख और निदान हो सके। हम न केवल दुनिया की सेवा करने के लिए ही नहीं बल्कि अपने सदस्यों के स्वास्थ्य,भलाई और उनके हितों का ख्याल रखने के लिए भी जाने जाते हैं। ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएस के एक ताज़ा अध्ययन से पता चला है कि दयालुता के कार्य अवसाद के विरुद्ध काम करते हैं, निराशा को समाप्त कर आशा और उमंग जगाते हैं और लोगों के मूड अच्छा करते हैं।''

नागपुर में एक टॉक शो के दौरान, रो इ के निर्वाचित निदेशक टी एन सुब्रमण्यन और अनिरुद्धा रॉय चौधरी ने अपनी रोटरी यात्रा की चर्चा की, हमारे जोन में अच्छे और बुरे तत्वों के बारे में बात की; विविधता, समानता और समावेशिता सिद्धांत का

ऊपरः RIPE मेकिनली और हेतर नागपुर हवाई अड्डे पर रोटरी यूथ एक्सचेंज के छात्रों के साथ बातचीत करते हुए। RIDEs चौधरी (दाएं) और सुब्रमण्यन, PDGs किशोर केडिया और के सुंदर राजन भी चित्र में दिखाई दे रहे हैं।

विस्तार करने की ज़रुरत बताई ताकि महिलाओं को शीर्ष पदों पर पहुँचने करने के और अधिक अवसर दिए जा सकें। ईएमजीए राजीव शर्मा के एक प्रश्न के जवाब में, मॉडरेटर, सुब्रमण्यन ने कहा, अक्षर मआई म और तीन अक्षरों का शब्द मईगो म समाज में और रोटरी के भीतर संघर्ष उत्पन्न करने के लिए उत्तरदायी है। ''हमें अपनी मानसिकता में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। भविष्य में, महिलाएं रोटरी की सूरत बदल देंगी क्योंकि सेवा उनका स्वभाव है, उनके भीतर ही निहित है।''

चौधरी ने कहा कि आज विश्व में 23 प्रतिशत रोटेरियन महिलाएं हैं, और नागपुर में मेकिनली को दिखाए गए सभी प्रोजेक्ट्स में महिलाएं अग्रणी हैं। ''इसीसे पता चलता है कि वे कितनी प्रतिबद्ध हैं।'' सुब्रमण्यन ने कहा, अगर भारत में राजनीति की वजह से देश का नाम खराब हो रहा है तो इसके लिए वरिष्ठ रोटरी नेतृत्व उत्तरदायी है। ''लेकिन रोटेरियन अपने मन की बात निर्भीकता से कहने को स्वतंत्र हैं और अपने विचार समक्ष रख सकते हैं, उन्होंने कहा। चौधरी ने कहा कि भारत में रोटरी की तुलना अन्य देशों की रोटरी के साथ नहीं कर सकते, क्योंकि भारतीय रोटेरियन हर साल अद्भुत सेवा परियोजनाएं करते हैं।

डीजी आनंद झुंझुनूवाला ने कहा कि रो ई मंडल 3030 के क्लब रोटरी के सात फोकस क्षेत्रों के अंतर्गत आवश्यकता - आधारित परियोजनाएं कर रहे हैं। विशेष बच्चों के लिए एक स्कूल चलाने के अलावा, हमने कंप्यूटर लैब दान किए हैं, शौचालय ब्लॉक का निर्माण किया है और विभिन्न स्कूलों में हैप्पी स्कूल परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है। उन्होंने कहा कि उनकी कुछ परियोजनाएं हैं, दो नेत्र अस्पताल, दो मोबाइल नेत्र क्लीनिक, सात डायलिसिस केंद्र, तीन वैश्विक अनुदान निष्पादन के तहतप्रस्तावित 3,000 मोतियाबिंद सर्जरी और स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का पता लगाने के लिए एक मैमोग्राफी बस। सिंगर कंपनी और आईसीआईसीआई फाउंडेशन के साथ साझेदारी में 2,500 लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए 20 कौशल विकास केंद्र स्थापित किए गए।

रो ई मंडल 3030 से डीआरएफसी महेश मोकलकर बोले, हम इस साल अपने मंडल को 100 प्रतिशत टीआरएफ अनुदान क्लब मंडल बनाने का प्रयास कर रहे हैं और वर्तमान में रो ई मंडल 3030 में नौ पीएचएफ क्लब हैं। डीजीई आशा वेणुगोपाल ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में पर्यावरण संबंधी परियोजनाएं होंगी; और आदिवासी परिवारों को लगभग एक लाख सौर लैंप, लालटेन और चूल्हे वितरित किए जाएंगे; और पानी के संरक्षण के लिए नलों में 10 लाख जलवाहक (एरेटर) लगाए जाएंगे।

डीजी बलवंत सिंह चिराना ने अहमदाबाद का दौरा करने के लिए आरआईपीई को धन्यवाद दिया, उस वक्त जब रो ई मंडल 3054 अगले साल (रो ई मंडल 3055 और 3056 के रूप में) द्विभाजित होने जा रहा है, हम 25 सदस्यों के साथ एक विशेष क्लब, रोटरी क्लब जयपुर ट्रांस, (ट्रांसजेंडरों के लिए) की स्थापना करने जा रहे हैं, इस प्रकार ऊरख नीति को बढ़ावा दे रहे हैं । रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन द्वारा एक स्किन बैंक (GG: 75,000 डॉलर) स्थापित किया गया था; और रोटरी क्लब जयपुर राउंडटाउन द्वारा 50,000 डॉलर के वैश्विक अनुदान के माध्यम से राजस्थान अस्पताल में डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन किया गया।

नवगठित रो ई मंडल 3055 के चार्टर गवर्नर डीजीई मेहुल राठौड़ ने कहा कि प्रत्येक सदस्य को टीआरएफ के वार्षिक फंड के लिए कम से कम 25

डॉलर दान करने का अनुरोध किया जाएगा। वह सुनिश्चित करेंगे कि गुजरात में कम से कम एक तालुक के लिए एक क्लब हो। वृद्धाश्रम और स्कूल गोद लेने पर ध्यान देने के साथ अहमदाबाद में नए 7-8 क्लब चार्टर किये जाएंगे। डीजीई निर्मल कुणावत, रो ई मंडल 3056 का कहना था कि मौजूदा चार वाहनों में 10 से अधिक मुर्दा वाहन वैन जोड़ी जाएंगी। 90 क्लब और 3,800 सदस्यों के साथ मंडल नेतृत्व महिला सशक्तिकरण, पानी, स्वच्छता और पर्यावरण क्षेत्र में परियोजनाएं करेगा।

डीजीई निहिर दवे, रो ई मंडल 3060 ने मंडल की मुख्य परियोजनाओं जैसे नेत्र अस्पताल, नवसारी; रोटरी स्कूल, दोंडाइचा; सूरत में पीने के पानी और जल निकासी की सुविधा; अंकलेश्वर में महिला अधिकारिता केंद्र, श्रॉफ एस आर रोटरी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी और ब्लड बैंक; राजकोट में डायबिटिक केयर सेंटर और स्किन बैंक; वापी में हरिया एलजी रोटरी अस्पताल; और सुरेंद्रनगर, सूरत, जेतपुर और धुले में डायलिसिस केंद्र और मैमोग्राफी और मुंह का कैंसर पता लगाने वाली वैन के बारे में बताया।

रोटरी क्लब अहमदाबाद मेट्रो ने बेहरामपुरा म्युनिसिपल गुजराती स्कूल (₹30 लाख) में एक हैप्पी स्कूल और पांच दिवसीय शिविर (₹22 लाख) में विकलांगों को 300 जयपुर फुट वितरण के बारे में दिखाया। निर्वाचित अध्यक्ष हार्दिक सोमपुरा ने कहा, ''हमने स्कूल की इमारत की छत का नवीनीकरण किया, लिंग भेद के साथ शौचालय ब्लॉकों का नवीनीकरण किया, दोपहर का भोजन केंद्र बनाया और कक्षा 10 तक के छात्रों के लिए एक स्मार्ट कक्षा की स्थापना की।'' शिवानंद आश्रम में जयपुर फुट, कॉलिपर्स और बैसाखी देने के साथ इस परिसर के दो स्कूलों में 790 छात्रों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए वाटर कूलर के साथ एक विशाल आरओ यूनिट स्थापित किया गया था। क्लब के अध्यक्ष अतुल पारिख ने कहा, ''हमने सेरेब्रल पाल्सी और पैराप्लेजिक रोग से ग्रस्त बच्चों सहित लाभार्थियों को 20 व्हीलचेयर दान की हैं। हमने शहर में आयोजित तीन शिविरों में 500 से अधिक लोगों को बैटरी संचालित इनाली और एलएन -4 हाथ - कृत्रिम हाथ लगाए हैं।

RIPE मेकिनली एक जयपुर फुट लाभार्थी के साथ। चित्र में रोटरी क्लब नागपुर नॉर्थ की अध्यक्ष ज्योतिका कपूर (दाएं) भी शामिल हैं।

> प्रत्येक रोटेरियन को हमारे ग्रह को एक करुणामयी संसार की रचना करने के लिए अपने समाज को प्रेम से परिपूर्ण कार्यों, कृत्यों से रोशन कर इस दुनिया में व्याप्त अन्धकार को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।
>
> **RIPE गॉर्डन मेकिनली**

RIDE के टिप्स इंटरेक्टर्स के लिए

इंटरेक्ट क्लब सलाहकार, रोटेरियन मंजू मालवीय के नेतृत्व में ज़ेबर स्कूल फॉर चिल्ड्रेन, अहमदाबाद के छह इंटरएक्टर्स की एक टीम ने मेकिनली को अपनी परियोजनाओं और पहल के बारे में जानकारी दी। यह नौ महीने पुराना क्लब है जिसमें 50 इंटरएक्टर हैं जो अनाथालयों को आवश्यक वस्तुएं दान करते हैं, सप्ताहांत में वंचित बच्चों को पढ़ाते हैं, और इन्होने युद्धग्रस्त यूक्रेन, सूडान और भूकंप प्रभावित तुर्की और सीरिया में बच्चों की सहायता के लिए ₹40,000 जुटाए हैं। अरूप सिन्हा, इंटरेक्ट चेयर, रोटरी क्लब अहमदाबाद ग्रेटर ने बताया।

छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, आगामी रो ई निदेशक सुब्रमण्यन ने उनसे रोटरी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रमों में भाग लेने का आग्रह किया। ''आरवाईई कार्यकाल के दौरान मिला वैश्विक अनुभव स्कूल में खोये एक वर्ष के प्रतिफल से कहीं अधिक होगा। यदि आवश्यक हो, तो मैं आपके माता-पिता से बात करने के लिए तैयार हूं ताकि तुम लोगों को आरवाईई कार्यक्रमों के लिए विदेश भेजने के लिए सहमत किया जा सके।''

नागपुर में परियोजनाओं का बाहुल्य

पांच अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में रोटरी क्लब नागपुर की डॉ रीता अग्रवाल के नेतृत्व में ₹25 लाख की लागत वाली तीन वर्षीय मानसिक कल्याण परियोजना चलाई जा रही हैं। क्लब ने वैश्विक अनुदान परियोजना के लिए रोटरी क्लब नेपल्स, फ्लोरिडा, यूएस के साथ भागीदारी की है, क्लब के अपने पहले दो चरणों के अंतर्गत 2,280 से अधिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को लाभान्वित किया जा चुका है । रोटरी क्लब नागपुर की अध्यक्ष नीलोफ़र राणा ने

कहा कि क्लब ने वेलनेस प्रोजेक्ट के लिए तिरपुड़े कॉलेज ऑफ सोशल वर्क और दो गैर सरकारी संगठनों के साथ करार किया है। तीसरे चरण में, ट्रेनर रोवेना फिलिप्स 3,000 बच्चों के लिए *ब्रेकफ्री फ्रॉम डिप्रेशन* की थीम के तहत 10 महीने के लिए कार्यशाला आयोजित करेगी। छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों 21,146 डॉलर के सीएसआर अनुदान के माध्यम से गुर्दे के रोगियों को मुफ्त इलाज देने के लिए स्वामी विवेकानंद मेडिकल मिशन अस्पताल (एसवीएमएमएच) को एक लेजर प्रणाली दान की गई थी, उन्होंने कहा।

महावीर इंटरनेशनल ट्रस्ट की साझेदारी में, रोटरी क्लब नागपुर नॉर्थ द्वारा *प्रोजेक्ट सहायता* के अंतर्गत 115 विकलांगों को जयपुर फुट वितरित किये गए। "विकलांगों का माप लेने के लिए एक मोबाइल वर्कस्टेशन लाभार्थियों के पास जाता है और उन्हें कस्टम-डिज़ाइन किए गए जयपुर अंग सौंप के आता है। हमारी खुद की विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए एक वैश्विक अनुदान प्रतीक्षित है," ज्योतिका कपूर, अध्यक्ष, रोटरी क्लब नागपुर नॉर्थ ने कहा।

मेकिनली को रोटरी क्लब नागपुर इशान्या ने कई चिकित्सा परियोजनाओं के बारे में बताया - एसवीएमएमएच को ओटी उपकरण (₹30 लाख); आरएसटी कैंसर अस्पताल में मैमोग्राम मशीन (₹30 लाख); मातृ सेवा संघ अस्पताल (एमएसएसएच) में 30 लाख रुपये में एक पैथोलॉजी लैब; सीआईआईएमएस अस्पताल के लिए सर्जिकल न्यूरो माइक्रोस्कोप (₹1.85 करोड़); और एमएसएसएच में चाइल्ड सर्जिकल थिएटर (₹35 लाख) - सभी परियोजनाएं वैश्विक अनुदान के माध्यम से की गईं। क्लब सचिव मनीषा राठी ने कहा, अप्रैल तक, नई सर्जिकल यूनिट में 25 बच्चों की सर्जरी की गई थी। गैर-वैश्विक अनुदान परियोजनाओं में, इशान्या क्लब ने दो डायलिसिस मशीन (₹12.5 लाख) और एक मोतियाबिंद उपकरण, ऑप्थेल्मिक फेको इमल्सीफायर (₹15 लाख) एसवीएमएमएच को दान किया; ब्लाइंड स्कूल को 50 डेस्क-बेंच और 250 सफेद छड़ी; और नागपुर नगर निगम और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के फंड से क्लब द्वारा 60 सार्वजनिक शौचालय चलाए जा रहे हैं।

एक कोविड आईसीयू (जीजी: ₹40 लाख) जहां 400 रोगियों का इलाज किया गया था, उसे रोटरी क्लब नागपुर विजन द्वारा एसवीएमएमएच में कार्डियक आईसीयू में बदल दिया गया। क्लब की अध्यक्ष शिवानी सुले, एक नेत्र सर्जन, ने कहा, तीन मशीनों, आरओ इकाइयों और 6KV सौर पैनल (₹30 लाख) के साथ एक हेमोडायलिसिस केंद्र संत गोविंदराम साहिब अस्पताल में स्थापित किया गया था। क्लब ने 100 बिस्तरों वाले अस्पताल के लिए बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजल यूनिट दान करने के लिए ₹30 लाख की जीजी के लिए आवेदन किया है। राज्य रिजर्व पुलिस के लिए नियमित चिकित्सा और शल्य चिकित्सा शिविर और आदिवासी समुदायों के लिए शल्य चिकित्सा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

Rotary PEOPLE OF ACTION

डोंडाइचा में सर्जरी शिविर

टीम रोटरी न्यूज़

इस साल मार्च में रोटरी क्लब डोंडाइचा, रो ई मंडल 3060 द्वारा आयोजित एक विशेष शिविर में 125 से अधिक लोगों को विभिन्न छोटी बीमारियों के लिए सर्जिकल उपचार प्रदान किया गया। "हम पिछले 35 साल से इस शिविर का आयोजन कर रहे है और लोग नि:शुल्क सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए इस शिविर का बेसब्री से इंतजार करते है। इस इलाके के प्रसिद्ध सर्जन हर साल इस शिविर में भाग लेते है," क्लब के अध्यक्ष डॉ प्रफुल्ल बी दुगड़ कहते है।

इस शिविर के आयोजन से पहले, इसमें इलाज किए जाने के लिए छोटे से मध्यम लिपोमा, सिस्ट और कॉर्न्स से पीड़ित लोगों की पहचान करने के लिए एक प्राथमिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया था। आठ सर्जनों ने सर्जरियाँ की और फॉलो-अप परामर्श, सर्जरी के बाद ड्रेसिंग, टांके हटाने और दवाओं सहित पूरी लागत क्लब द्वारा वहन की गई।

शिविर का दौरा करने वाले डीजी श्रीकांत इंदानी ने क्लब के प्रयासों और शिविर की सफलता के लिए क्लब के सदस्य डॉ बी एल जैन और डॉ ओमप्रकाश अग्रवाल द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार की गई योजना की सराहना की। ■

बुजुर्गों के लिए वॉक एंड जॉग का आयोजन

टीम रोटरी न्यूज़

बुजुर्गों की अच्छी सेहत और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब पुणे प्राइड, रो ई मंडल 3131, और एक एनजीओ सिम्पल स्टेप्स की साझेदारी से 'एजलेस वंडर्स' शीर्षक के अंतर्गत वॉक एंड जॉग का आयोजन किया गया। इस एनजीओ की स्थापना गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड होल्डर आशीष कैसोडेकर ने की थी, उनका उद्देश्य सभी उम्र के लोगों के बीच 'दौड़' को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम की शुरुआत वार्म- अप व्यायाम और बॉलीवुड के लोकप्रिय धुन पर जुम्बा के साथ हुई। आयोजन पुणे विश्वविद्यालय में किया गया था। 500 से अधिक प्रतिभागी जिनमें लाफ्टर क्लब के सदस्य भी शामिल थे, ने दौड़ में भाग लिया। डॉक्टर हेमा (धर्मपत्नी डी जी अनिल परमार) पुणे के लौह पुरुष दशरथ जाधव के साथ संयुक्त रूप से पहले बैच के 10 किलोमीटर की दौड़ को हरी झंडी दिखाई, उसके बाद 5 किलोमीटर की दौड़ हुई और अंत में 3 किलोमीटर की दौड़ हुई।

गिनीज़ रिकॉर्ड धारक आशीष कासोडेकर (बाएं से तीसरे) के साथ कुछ विजेता।

रोटरी क्लब पुणे प्राइड के अध्यक्ष उज्वल केले (दाएं), पूर्व अध्यक्ष सुबोध मालपानी (बाएं) और डीजीएनडी संतोष मराठे के साथ डीजी अनिल परमार (दाएँ से दूसरे) और डॉ हेमा।

दौड़ पूरी करने वाले सभी को मेडल दिया गया। प्रेसिडेंट एलेक्ट(2023-24) रोटरी क्लब पुणे प्राइड सुधीर बापत ने कहा कि मेडल मिलने के बाद बुजुर्गों के चेहरों की मुस्कान यह बयां करती है कि हमने अपना उद्देश्य प्राप्त कर लिया, उन्हें यह दौड़ यह एहसास करा रही है कि - हाँ हम भी कर सकते हैं। ■

ADVERTORIAL

District 3110

Prachi & Pawan Agarwal
District Governor, RID 3110

1st Directed Gift of Year 2022 - 23

Rtn Rajiv Mittal of RC Aligarh has contributed USD 31,500 (Rs 25,83,000) to establish a "Directed Gift". By his generous contribution, he has become Major Donor (Level 2). Many congratulations to Rtn Rajiv Mittal for his magnanimous support to TRF. This is the 1st Directed Gift of this Rotary year, and 3rd all time Directed Gift of District 3110.

Major Donor (Level 2)
by creating
2nd ever Term Gift of our District

CSR Project of Sidharth Papers Limited

District 3110 is thankful to M/S Sidharth Papers (P) Ltd. for contributing USD 21,052 (Rs 17,47,369) for a CSR Project which aims for "Establishment of Computer Labs in Four Schools". This is the 12th CSR project by our District in the current year. The Managing Director, Rtn Sushil Bansal, who is a member of RC Kashipur, and his spouse Mrs Anita Bansal have become "Major Donor (Level 1)" by this generous contribution to TRF.

Endowment Fund of RC Kanpur West

Rotary Club of Kanpur West has become the 2nd club of District 3110 to establish an Endowment Fund in the current Rotary year. In fact, this is the 2nd all time Endowment Fund of our District. The club made a Pooled Endowment of USD 25,000 in which 2 Rotarians have contributed USD 5,000 each, 1 Rotarian has contributed USD 3,000 and 12 Rotarians have contributed USD 1,000 each.

Approval of 7th Global Grant Projects in Current Year

Approval of 8th Global Grant Projects in Current Year

PDG Devendra Kumar Agarwal
ARRFC

PDG Sharat Chandra
DRFC

Rtn. Vinay Krishna
Chair, District Grants Committee

Congratulations!

RC ALIGARH FRIENDS
for approval of 7th Global Grant this year

The Grant aims to provide a mobile dental and ophthalmic van to extend screening & treatment services

Total Cost: USD 52,500

Congratulations

RC ALIGARH PEARL
for approval of 8th Global Grant this year

Total Cost:
USD 39,623

The Grant aims to provide **Pentacam Eye Scanner for comprehensive diagnostic purposes**

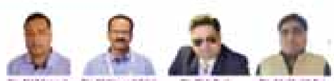

USA Visit of PDG Sharat Chandra, RC (2023-26)

District 3110 in ACTION

ADVT.

Big Achievements in Membership Growth

DGN Neerav Nimesh Agarwal
District Menbership Chair

Congratulations

Our District has maintained TOP POSITION in membership in Zone 6

1st Position (in % Growth) **10.3 %**

&

2nd Position (in Absolute Nos.) **372**

Our membership has reached 3983, slightly short of magical figure of 4000

Let us continue our efforts to strengthen our membership

Congratulations!

4000 mark crossed in MEMBERSHIP

1st time ever **District 3110** has crossed membership of 4000

Distribution of Baby Warmers

Do follow us: @Rotary3110

रोटरी क्लब कलकत्ता प्रेसीडेंसी की सदस्य आशा गुप्ता और प्रियंका गुप्ता फैशन शो में ट्रांसजेंडर मेहमानों को भोजन बांटती हुई।

Rotary PEOPLE OF ACTION

ट्रांसजेंडर के लिए अन्य जीविकोपार्जन की पहचान

जयश्री

यहाँ चार ट्रांसजेंडरों की एक प्रभावशाली कहानी है जिन्होंने रोटरी क्लब कलकत्ता प्रेज़िडन्सी, रो ई मंडल 3291 की मदद से सिलाई सीखने से लेकर फैशन डिज़ाइनर बनने तक की अपनी एक नई यात्रा की शुरूआत की।

दो साल पहले एक ट्रांस महिला रंजीता सिन्हा, 10 ट्रांसजेंडरों को सिलाई

ट्रांसजेंडर मॉडल के साथ क्लब द्वारा प्रशिक्षित अयान, रेयान, देबंजन और श्रुति।

में प्रशिक्षण लेने हेतु क्लब में लाई ताकि उन्हें अपनी आजीविका प्राप्त करने में मदद मिल सकें। ''हमने सप्ताह में दो बार कक्षाएं लेने के लिए एक शिक्षक को नियुक्त किया और एक सरकारी केंद्र में चार सिलाई मशीनें और अन्य सामान सुसज्जित किया। अभ्यास के लिए आवश्यक सामग्री कपड़े के एक बुटीक, गीता सर्कल द्वारा प्रदान की गई थी,'' क्लब की अध्यक्ष रीना मालपानी ने कहा।

बुनियादी कक्षाओं के पूर्ण होने के बाद, क्लब ने एक फैशन डिजाइन विशेषज्ञ दीपानविता से संपर्क किया जिन्होंने उनमें से चार को अपने विंग में शामिल किया और उन्हें डिजाइनर कपड़े बनाना सिखाया।

विद्यार्थियों की प्रगति से उत्साहित होकर, ''हमने पिछले दिसंबर में हिंदू देवताओं शिव और पार्वती के समग्र रूप मअर्धनारीश्वरफ विषय पर एक फैशन शो आयोजित करने की योजना बनाई। हमने अपने विद्यार्थियों को इस विषय के अनुरूप कपड़े डिजाइन करने हेतु प्रोत्साहित किया,'' रीना ने कहा। एक महीने में कपड़े तैयार हो गए और क्लब ने उन्हें उनके काम के लिए भुगतान किया।

रंजीता ने अपने इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से ट्रांसजेंडर मॉडल, मेकअप कलाकारों, फोटोग्राफरों और कोरियोग्राफरों को इस शो के लिए ऑडिशन देने हेतु आमंत्रित किया। प्रायोजक आगे आए और आईसीसीआर सेंटर, कोलकाता को इस आयोजन के लिए बुक किया गया। कोरियोग्राफी, कैटवॉक और ड्रेस रिहर्सल के लिए घंटों तक कठिन अभ्यास करने के बाद मॉडलों ने शो वाले दिन भव्य प्रस्तुति दी।

डीजी अजय कुमार लॉ, हिंदुस्तान ऐरोनॉटिक्स के निदेशक प्रणब कुमार शर्मा, फिल्म निर्माता आनंदिता सबाधिकारी और हिजरा गुरु बंदना नायक और नर्तक आलोक नंदा इस फैशन शो के अतिथियों में शामिल थे।

इन ट्रांस महिलाओं में से एक अब बुटीक में कार्यरत है और बाकी तीन को भी दूसरी जगह नियुक्त किया गया है। परियोजना समन्वयक संगीता जैन ने कहा कि प्रशिक्षुओं में से एक ट्रांस पुरुष ने मंडल सम्मेलन में अच्छा कारोबार किया जहाँ क्लब ने परियोजना को प्रदर्शित करने के लिए एक सिलाई का स्टॉल लगाया था। ''उन्हें स्टॉल पर मास्क, तौलिया और रूमाल के लिए ऑर्डर प्राप्त हुए।''

रीना खुश हैं कि ट्रांसजेंडर-कॉस्ट्यूम डिजाइनरों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल है। ''उनके पास अब वो कौशल है जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्राप्त हो सकती है। हम देख सकते हैं कि उनका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया है।''

क्लब ने कुछ ट्रांसजेंडरों को सीपीआर प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रदान की ताकि वे आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा के साथ मदद कर सकें। यह 50 सदस्यीय क्लब ट्रांसजेंडर कल्याण से संबंधित परियोजनाओं को अगले वर्ष भी आगे बढ़ाने की योजना बना रहा है, तब संगीता इसके अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेंगी। ■

उनके पास अब वो कौशल है जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्राप्त हो सकती है। हम देख सकते हैं कि उनका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया है।

छत्तीसगढ़ के एक गाँव में चिकित्सा शिविर उम्मीद और उपचार देता हैं

किरण ज़ेहरा

छत्तीसगढ़ के तरैमल गांव में रोटरी क्लब रायगढ़ रॉयल, रो ई मंडल 3261 द्वारा आयोजित किए गए एक चिकित्सा शिविर में अपना उपचार करवाने आए लोगों में से एक थी श्रीदेवी (36) जो चुपचाप मूत्र पथ संक्रमण से जूझ रही थी। ''अपने दर्द के कारण से अनजान अक्सर इसकी वजह से जमीन पर लोट-पोट हो जाती थी। मैंने इसे एक साल से अधिक समय तक सहन किया,'' वह कहती हैं। शिविर में मौजूद क्लब के सदस्य डॉ मनीष बेरीवाल की पत्नी और एक स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ मधुलिका बेरीवाल उसकी पीड़ा को देखते हुए उसकी मदद के लिए आगे आई।

गांव की महिलाओं की भलाई हेतु उनके मन में उठ रही वास्तविक चिंता की वजह से डॉ मधुलिका ने उसी वक्त शिविर में मौजूद महिलाओं

ऊपर: शिविर में एक ग्रामीण का परीक्षण किया जा रहा है।

नीचे: वाटर कूलर परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर क्लब के सदस्यों के साथ (बाएँ से दूसरे) डीजी शशांक रस्तोगी।

को सुरक्षित यौन संबंध, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और शौचालय स्वच्छता पर परामर्श देने का बीड़ा उठाया। ''मैं उन्हें उनके समग्र स्वास्थ्य कल्याण में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूक करना चाहती थी,'' वह कहती हैं। उनका तात्कालिक परामर्श सत्र इस बात पर प्रकाश डालता है कि ''रोटरी आपको एक व्यक्ति के रूप में कैसे परिवर्तित करती है। मैं कोई रोटेरियन नहीं हूँ लेकिन मैंने अपने पति को उनके क्लब के माध्यम से अद्भुत सेवा करते हुए देखा है और मुझे लगता है कि यह भाव मेरे अंदर भी आ गया है,'' वह मुस्कुराती हैं। अपना निर्धारित कोर्स पूरा करने वाली श्रीदेवी कहती हैं, ''अब मैं भविष्य में संक्रमण से बचने के लिए अपने शौचालय को साफ रखती हूँ।''

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और एन आर ट्रॉमा अस्पताल के साथ मिलकर ''क्लब ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में अपना दूसरा विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया ताकि स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में सुधार किया जा सके और ग्रामीणों के मध्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके,'' क्लब के निर्वाचित अध्यक्ष ओम प्रकाश मोदी कहते है।

इस शिविर का उद्घाटन गाँव की सरपंच, कुमारी लक्ष्मी भगत ने किया जिसमें 600 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया। समर्पित स्वास्थ्य पेशेवरों की एक टीम ने लगभग 500 रोगियों की रक्तचाप, शुगर, ईएनटी, आर्थोपेडिक, दंत और स्त्री रोग संबंधी विभिन्न बीमारियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए जांच की।

सरपंच ने इस शिविर को आयोजित करने के लिए क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया। ''मुझे खुशी है कि महिलाओं का स्वास्थ्य इस शिविर का मुख्य आकर्षण है। रोगियों को न केवल चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया बल्कि उन्हें नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गईं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद भी हम आवश्यक उपचार प्राप्त कर सकते है,'' उन्होंने कहा और साथ ही यह अनुरोध किया कि क्लब तरैमल के पास एक अन्य गांव में इसी तरह का शिविर आयोजित करे।

क्लब ने डीजी शशांक रस्तोगी की उपस्थिति में अपनी जारी परियोजना *जल मिशन योजना* के अंतर्गत शहर के चार स्थानों पर वाटर कूलर लगाए।■

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय डेस्क से

ठेंरीूं.ैस के माध्यम से रोटरी संस्थान (इंडिया) में योगदान के दिशानिर्देश

- डुप्लिकेट आईडी बनाने से बचने के लिए माई रोटरी लॉगिन का उपयोग करें और ऑनलाइन योगदान करते समय अपने पंजीकृत ईमेल पते का उपयोग करें
- सबमिट करने से पहले अपने पैन की फिर से जांच कर लें। सभी ऑनलाइन योगदानों के लिए 80G रसीद केवल उस प्रेषक के नाम पर ही उत्पन्न की जाएगी जिसका *My Rotary* लॉगिन का उपयोग योगदान करने के लिए किया गया है।
- पारिवारिक न्यास/कंपनी से योगदान के मामले में, चेक/बैंक ड्राफ्ट को रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय को भेजे। *My Rotary* के माध्यम से ये योगदान न करें।

डायनेमिक वर्चुअल अकाउंट के माध्यम से व्यक्तिगत दानकर्ताओं के योगदान

अक्टूबर 2022 में, RISAO ने आवर्ती भुगतान सहित अपने व्यक्तिगत बैंक खाते के माध्यम से ऑफ़लाइन NEFT/RTGS भुगतान के माध्यम से वार्षिक निधि या पोलियोप्लस में योगदान के लिए भारत में दाताओं के लिए 'डायनेमिक वर्चुअल अकाउंट' नामक एक नया चैनल पेश किया। अधिक जानकारी के लिए देखें: *http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/dynamic_virtual_account.pdf*

हम रो ई मंडल 3141 के आभारी है जिन्होंने इस चैनल के माध्यम से TRF योगदान के भुगतान के लिए पायलट प्रोग्राम का परीक्षण किया। डीजी संदीप अग्रवाल कहते है, ''हमने बड़े उत्साह के साथ इसका परीक्षण किया। मैं कहना चाहूंगा कि इसने बिना किसी गलती के कार्य किया और इसके कारण RISAO द्वारा इस चैनल को अखिल भारतीय आधार पर शुरू किया गया। मैं सभी उद्योगों से इस प्रभावी चैनल का लाभ उठाने का आग्रह करता हूं।''

संस्थान मान्यताएं

प्रत्येक दानकर्ता को, TRF विभिन्न मान्यताओं के माध्यम से ''धन्यवाद'' कहता है। *Rotary.org* पर दानकर्ता मान्यता वेबपेज *(https://www.rotary.org/en/donate/recognition)* पर व्यक्तिगत और क्लब मान्यताओं के विभिन्न प्रकारों के बारे में अधिक जानिए।

मंडल में फाउंडेशन पदों पर नियुक्ति

2023-24 के धन संचयन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, अपने मंडल के धन संचयन, वार्षिक निधि और पोलियोप्लस उपसमितियों, अक्षय निधि/प्रमुख उपहारों, सी एस आर अध्यक्षों एवं मंडल पॉल हैरिस सोसाइटी समन्वयक को नियुक्त करें, और उन्हें RISAO को रिपोर्ट करें ताकि वे रिपोर्ट और जानकारी प्राप्त कर सकें जो उनके प्रयासों में मदद कर सकते है। इन नियुक्तियों की रिपोर्ट करने के लिए, *My Rotary* में साइन इन करें, ''मैनेज'' पर जाएं, और फिर मंडल एडमिनिस्ट्रेशन टैब का चयन करें। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

नागपुर के वरिष्ठ नागरिकों का भ्रमण

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब नागपुर इशान्या, रो ई मंडल 3030 की ओर से नागपुर के वृद्धाश्रमों में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों पर सकारात्मक प्रभाव डालने के उद्देश्य से हाल ही में एक दिल छू लेने वाला प्रोजेक्ट 'मुस्कान- देने की खुशी' आयोजित किया गया। एक दिवसीय सैर- सपाटे और पिकनिक पर ले जाने के लिए क्लब के सदस्यों ने 10 वृद्धाश्रमों से 150 वरिष्ठ नागरिकों को चुना जो सैर और पिकनिक पर जाने के योग्य थे, जिनका स्वास्थ्य एक दिन बाहर घूमने के लिए उपयुक्त था। बुजुर्गों की देखभाल के लिए 30 रोटेरियन उनके साथ थे जिनकी सहायता से उन्हें बसों द्वारा तेलनखेड़ी हनुमान मंदिर ले जाया गया। 50 रोटेरियनों का एक समूह उनके आगमन पर उन्हें चन्दन का तिलक

एक बूढ़ी औरत क्लब द्वारा आयोजित एक मजेदार गतिविधि में भाग लेती हुई।

प्रोजेक्ट मुस्कान के लाभार्थियों के साथ रोटेरियन।

रोटेरियन वरिष्ठ नागरिकों को दोपहर का भोजन परोसते हुए।

लगा कर उनका स्वागत किया। सुबह के नाश्ते में उन्हें बिस्कुट, केले के साथ चाय दी गई फिर मंदिर के दर्शन कराए गए। कार्यक्रम को दिलचस्प बनाए रखने के लिए क्लब के सदस्यों ने उनके साथ अंताक्षरी खेली।

दोपहर के भोजन में बुजुर्गों को शानदार शाकाहारी थाली परोसी गई, फिर उन्होने आइसक्रीम और मिठाइयों का भी आनंद लिया। दिन के दूसरे भाग में कई रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें जादू दिखाया गया, उनके साथ फूलों की होली खेली गई और क्लब के सदस्यों ने नृत्य पेश किए।■

वरिष्ठ नागरिकों के लिए रोटेरियनों ने एक धार्मिक नाटक का मंचन किया।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

ओट्टापालम अस्पताल को दी गई डायलसिस मशीनें

डी जी राजमोहन नायर और मीरा नायर ने इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब ओट्टापालम, रो ई मंडल 3201 ने रोटरी क्लब टिजुयाना ओएस्टी, रो ई मंडल 4100, मेक्सिको और टी आर एफ के सहयोग से पी के दास हॉस्पिटल, ओट्टापालम, पालक्कड, केरल को ₹26 लाख की चार डायलसिस मशीनें दीं। ■

बालिका विद्यालय में स्वच्छता परिसर

डीजी आइ जेराल्ड ने इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन डीजीई अनन्तजोति, डीजी एन राजा गोविंदसामी, पीडीजी गण ए एल चोक्कलिंगम, पीडीजी एस गोपाल और डीआरएफसी आर वी एन कण्णन की उपस्थिति में किया।

डीजीआई जेराल्ड ने ₹23.17 लाख की लागत से बनी गर्ल्स हायर सेकेन्डरी सरकारी स्कूल, अरंथंगी में दो मंजिला स्वच्छता परिसर का उद्घाटन किया। यह जीजी (सश्रेलरश्र सीरपीं) प्रोजेक्ट रोटरी क्लब अरंतांगी और आर सी तिरुचिरापल्ली फोर्ट, रो ई मंडल 3000 एवं बंदार सुंगई पेटानी, रो ई मंडल 3300 मलेशिया के साथ सामूहिक रूप से किया गया। इस विशाल स्वच्छता परिसर में 10 हाथ धोने के स्टेशन, 8 शौचालय और 21 पेशाब घर की सुविधा दी गई है। ■

काकीनाडा को मिला रक्त संग्रह वाहन

पीडीजी एस वी एस राव और के वी राव काकीनाडा सिपोर्ट के मालिक वाहन को सौंपते हुए।

रोटरी क्लब काकीनाडा गोल्डेन जुबली (रो ई मंडल 3020) ने हाल ही में ₹28 लाख मूल्य की रक्त संग्रह वाहन, ने रोटरी ब्लड बैंक, काकीनाडा को दिया। काकीनाडा सिपोर्ट इस प्रोजेक्ट के सी एस आर पार्टनर थे। ■

सोनीपत में दर्द प्रबंधन शिविर

शिविर में एक मरीज का इलाज।

रोटरी क्लब सोनीपत आर्डेन्ट रो ई मंडल 3012 ने शहर के वंचितों के लिए ई प्लस क्लीनिक, ओर्थोपेडिक डॉक्टरों और दर्द प्रबंधन विशेषज्ञों के सहयोग से मासिक दर्द राहत और प्रबंधन शिविर आयोजित की। क्लब के अध्यक्ष आशु नागपाल ने कहा कि इस शिविर से हर महीने औसतन 120 लोग लाभान्वित होते हैं। ■

ADVT.

Bhavika Thanvi
B.A. (Hons.)-Psychology, 2020 Batch
UPSC CIVIL SERVICES 2022
Rank - 100

ADMISSIONS
2023-24 OPEN FOR
UG / PG / Ph.D. / D.Litt. / D.Sc. & PROFESSIONAL PROGRAMMES

Gurkul Marg, SFS, Mansarovar, Jaipur
Rajasthan-302020 (INDIA)
0141 2400160/161, 2397906/07

PSYCHOMETRIC TESTING AVAILABLE FOR VOCATIONAL AND CAREER COUNSELLING
https://icfia.org/iisu/psychometrictest

COLLEGE OF PHYSIOTHERAPY & ALLIED HEALTH SCIENCES (CO-EDUCATIONAL)
@ Sitapura Campus
- BPT
- MPT
- Ph.D.

PREPARATORY CLASSES ALONG WITH UG/PG PROGRAMMES
- Civil Services
- NET
- USCMA

FOR COUNSELLING AND ANY QUERIES, CONTACT AT

9358819994
ARTS & SOCIAL SCIENCES

9358819995
SCIENCE

9358819996
COMMERCE & MANAGEMENT

8949322320
PHYSIOTHERAPY

or mail at : admissions@iisuniv.ac.in

TOLL FREE NO.
1800 180 7750

मिस्र, नील नदी से धन्य

रशीदा भगत

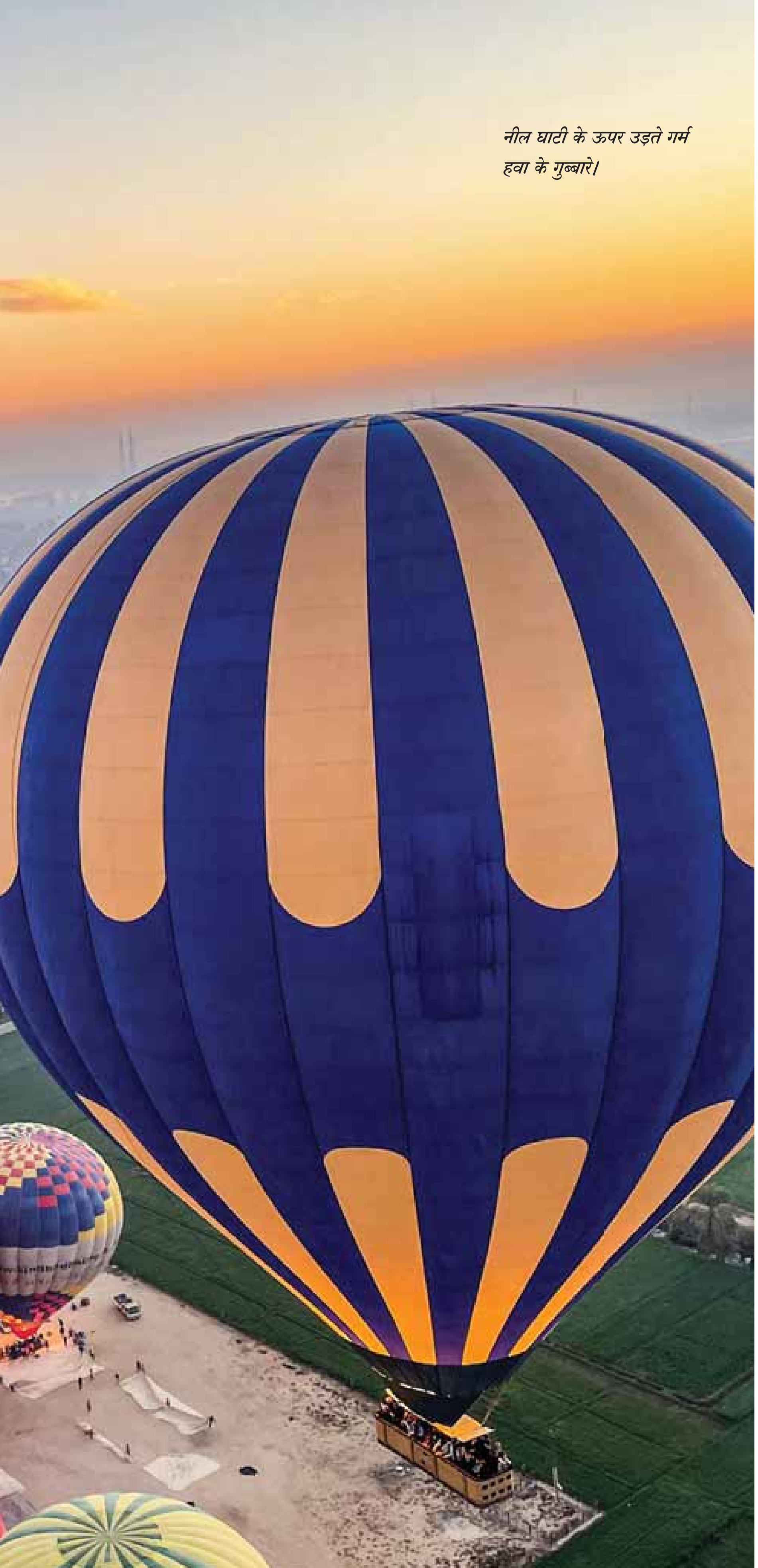

नील घाटी के ऊपर उड़ते गर्म हवा के गुब्बारे।

मिस्र और नील की बात करते ही सबसे पहले जो बात जेहन में आती है वो है पिरामिड और दूसरा, विशेष रूप से जब आप नील नदी के निर्मल पानी पर तैर रही उस बड़ी नौका के बारे में सोचते हैं, जिसमें एक शाही सुन्दरी आसीन है, मिस्र की रानी *क्लियोपेट्रा।* शेक्सपियर के *एंटनी और क्लियोपेट्रा* की राजसी क्लियोपेट्रा और खूबसूरत एलिजाबेथ टेलर ने 1963 की महान हॉलीवुड क्लासिक क्लियोपेट्रा में अभिनय किया था, जिसमें रिचर्ड बर्टन ने मार्क एंटनी और रेक्स हैरिसन ने जूलियस सीज़र का अभिनय किया था और इसे जोसेफ एल मैनकविज़ ने निर्देशित किया था।

उस फिल्म में क्लियोपेट्रा का रोम में शानदार प्रवेश कौन भूल सकता है या जब टेलर ने एक क्रोधित बर्टन को उसके सामने घुटने टेकने के लिए विवश किया था, यह कहते हुए: ''मैंने इसे (घुटने टेकने के लिए) सीज़र से कहा था, अब तुमसे कह रही हूँ!''

इसलिए मैं क्लियोपेट्रा के बारे में कई किस्से सुनने की उम्मीद में मिस्र गई थी, लेकिन निराशा ही हाथ लगी। चाहे वह काहिरा के संग्रहालयों में हो या लक्सर या काहिरा में ट्रिंकेट की दुकानों में, प्राचीन मिस्र के सबसे प्रतिष्ठित प्रतीक के रूप में क्लियोपेट्रा की बजाये रामेसेस की सबसे चहेती पत्नी, मिस्र की खूबसूरत मलिका नेफ़रतारी के साथ रानी नेफ़र्टिटी नज़र आएँगी।

अखेनातों, नेफ़रतिती (1367-1350 ईसा पूर्व) ने मिस्र के पारंपरिक बहुईश्वरवादी धर्म को एकेश्वरवादी धर्म में बदलने में एक प्रमुख भूमिका निभाई जिसमें सूर्य देव अतोन की पूजा की जाती थी। वह महान राजा तूतनखामुन की सौतेली माँ भी थीं। उसके बारे में पढ़ते समय मुझे यह जानकारी मिली: ''बर्लिन में अब नेफ़र्टिटी का एक सुंदर पोर्ट्रेट-बस्ट शायद सबसे प्रसिद्ध प्राचीन मूर्तियों में से एक है।'' भारतीयों को शायद देजा वू का आभास होना चाहिए।

रानी नेफरतारी अपनी आकर्षक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध थी और अक्सर ''वो जिसके लिए सूरज चमकता है के रूप में प्रसिद्ध है'' और चट्टान को काट कर बनाये गए अबू सिंबल के शाही मंदिर में प्रमुखता से प्रतिष्ठित है, जहां रामेसेस द्वितीय की विशाल मूर्तियां स्थापित हैं। जाहिर है, उसकी सुंदरता

की वजह से वह उन सभी ट्रिंकेट और स्मृति चिन्ह पर भी प्रमुखता से दिखाई देती है जो पर्यटक घर ले लाते हैं, जैसे मैग्नेट, बोतल ओपनर्स, की चेन और यहां तक कि अंगूठियां और झुमके भी!''

क्लियोपेट्रा के बारे में अधिक जानकारी ना मिलने से मैं वैसे भी, निराश थी - टेलर द्वारा बनाये जो अजीबोगरीब चित्र /मूर्ति देखने को मिले वह उस खूबसूरत करिश्माई शख्सियत के करीब भी नहीं फटकते और आप उस को अपने ज़ेहन मै ही छोड़ कर खुश रहते हैं, नील क्रूज में हमारे लिए बहुत कुछ था।

हमने चार दिन के लिए नील क्रूज किया था और जहाज पर सवार होने के लिए सुबह काहिरा से असवान के लिए एक उड़ान ली, वहां दोपहर में

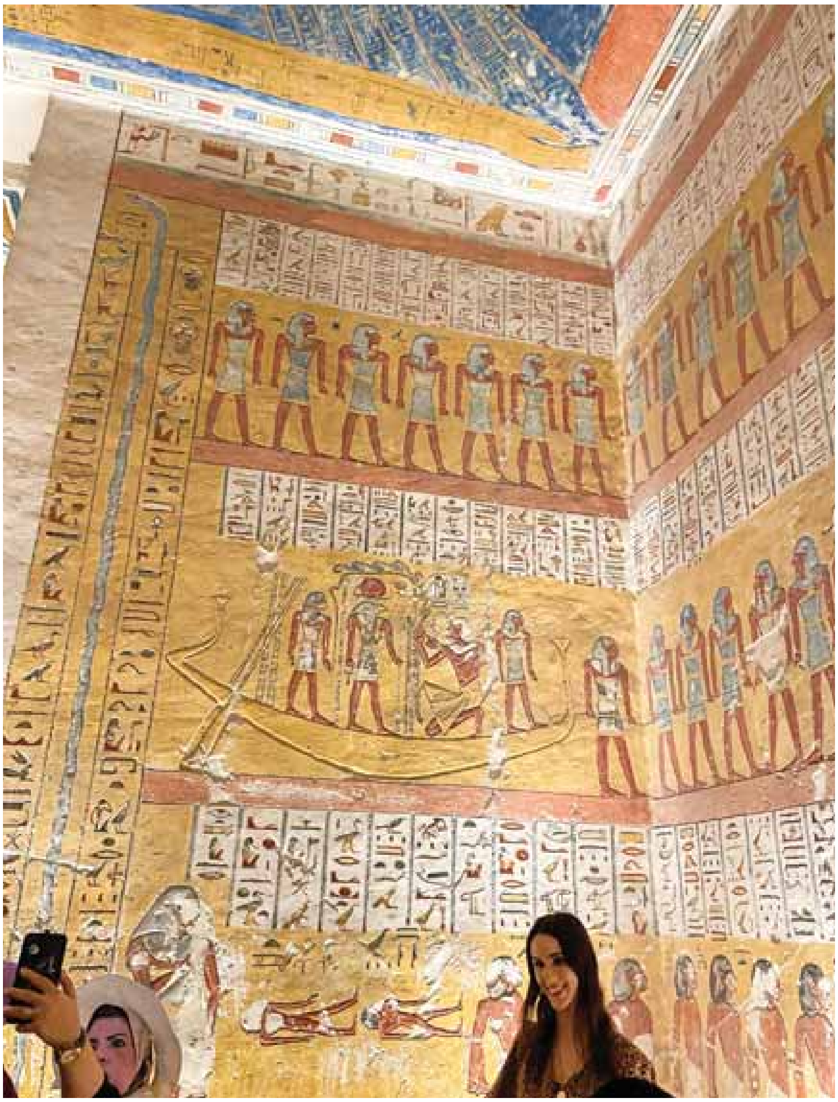

किंग्स की घाटी में एक मकबरे की दीवार पर पेंटिंग्स।

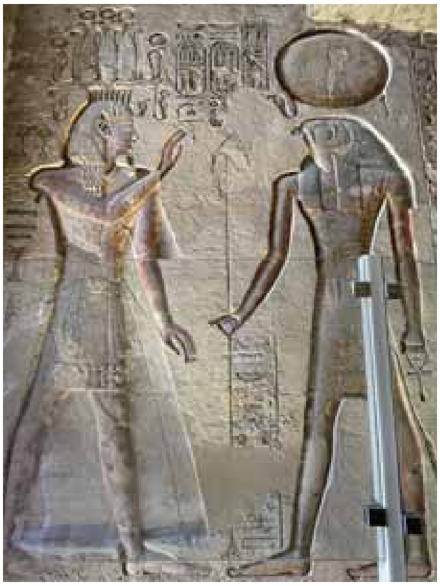

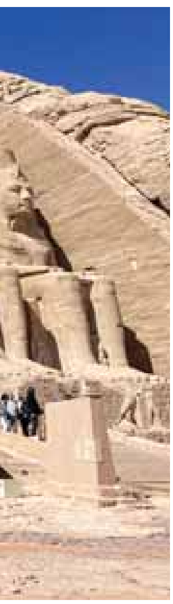

एक फिरौन का दफन कक्ष।

असवान में क्रूज पर सवार होने से पहले हम अद्वितीय अबू सिंबल मंदिर गए थे।

नील नदी: मिस्र की जीवन रेखा

ऐसा माना जाता है कि नील नदी मिस्र के लिए बिल्कुल वैसी है जैसे आल्प्स स्विट्ज़रलैंड के लिए और समुद्र ब्रिटेन के लिए। इसने उस देश की अर्थव्यवस्था का निर्माण किया और उसकी राजनीतिक संरचना निर्धारित की। अफ्रीका की सबसे लंबी नदी - जिसकी लंबाई 6,650 किमी है - और यह 11 देशों में मौजूद है। यह दो बड़ी धाराओं से मिलकर बनती हैं - इथियोपिया में ब्लू नील और युगांडा में व्हाइट नील।

इसके महत्व को समझने के लिए आपको बस एक विशाल रेगिस्तानी भूमि के बीच एक वृहद लंबे नखलिस्तान अथवा हरित भूमि को चित्रित करना होगा, जिसने हजारों वर्षों से यहाँ की सभ्यताओं का पालन-पोषण किया है। प्राचीन मिस्र को नदी का तोहफा माना जाता था; इसके बिना भूमि बंजर होती; इसके आशीर्वाद से फरोह ने युग की सबसे समृद्ध भूमियों में से एक पर राज़ किया। मिस्र वासियों को कभी बारिश के लिए आकाश की ओर नहीं देखना पड़ा; नील नदी ने हमेशा भूमि की सिंचाई की। गर्मियों में जब इसका जल स्तर कम हो जाता तो यह उनकी फसलों के लिए समृद्ध, उपजाऊ काली मिट्टी पीछे छोड़ती। लेकिन अक्सर यहाँ विनाशकारी बाढ़ भी आ जाती।

अबू सिंबल का रॉक-कट मंदिर

लगभग 3 घंटे की ड्राइव करने के बाद (लगभग 230 किमी) हम एक आश्चर्यजनक ऐतिहासिक स्थल पर पहुँचे, जिसमें अबू सिंबल गाँव में दो विशाल रॉक-कट मंदिर शामिल हैं, जो सूडान की सीमा के करीब स्थित हैं। 13 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में रामेसेस द्वितीय के शासनकाल के दौरान एक पहाड़ पर उकेरी गई, मिस्र के प्रसिद्ध फिरौन की विशालकाय आकृतियां आपका स्वागत करती हैं। जबकि रामेसेस द्वितीय की मूर्तियों को ऊपरी और निचले मिस्र दोनों को निरूपित करने के लिए एक मुकुट पहने दिखाया गया है, उनकी पत्नी नेफरतारी और बच्चों को एक ही चट्टान पर उकेरी गई छोटी आकृतियों में देखा जा सकता है।

ये सच है कि रामेसेस द्वितीय के 66 साल के शासन ने मिस्र को शक्ति और प्रसिद्धि दोनों के शिखर पर पहुँचा दिया था। उनकी ''शासकों के शासक'' के रूप में प्रशंसा की गई, ब्रिटानिका बताती है कि ''उनका विश्वास था कि कूटनीति और एक सघन जनसंपर्क अभियान कैसी भी सैन्य खामियों को कम कर सकता है। किसी भी अन्य फिरौन की तुलना में उन्होंने अधिक स्मारकों और मूर्तियों का निर्माण किया-और अधिक बच्चों को जन्म दिया।''

अबू सिंबल मंदिर फिरौन की अत्यंत महत्वाकांक्षी निर्माण परियोजनाओं में से एक था और दो मंदिरों में से एक विशाल मंदिर खुद रामेसेस द्वितीय को समर्पित था और छोटा मंदिर रानी नेफ़रतारी को। लगभग 20 वर्षों तक चलने वाला यह विशाल निर्माण कार्य 1244 ईसा पूर्व में पूरा हुआ था। समय बीतने के साथ और अनुपयोगी रहने के कारण, इस महान मंदिर और रेमेसेस द्वितीय की आकृति का अधिकांश भाग एक रेत के टीले से ढक गया था। क्या आप कल्पना कर सकते हैं, कला के इस भव्य मंदिर को मार्च 1813 तक भुला दिया गया था, जब तक स्विस शोधकर्ता जोहान लुडविग बर्कहार्ट ने छोटे मंदिर और मुख्य मंदिर की चोटी को नहीं खोज निकाला। अथक प्रयासों के बाद इन मंदिरों से रेत हटाकर उनके मूल स्वरुप में लाया गया, हालांकि रामेसेस द्वितीय की विशाल मूर्तियों में से एक स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थी।

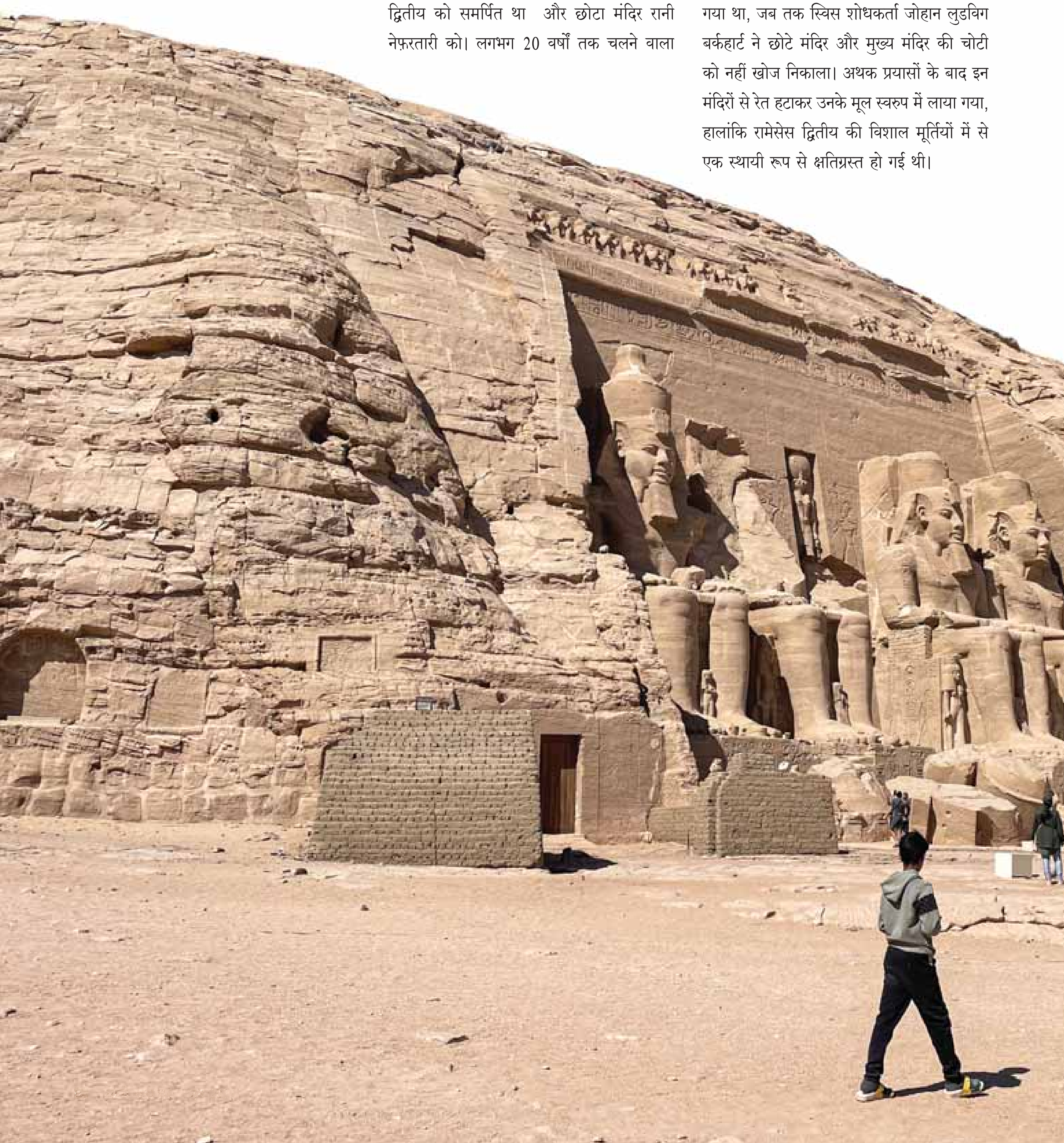

बड़े पैमाने पर स्थानांतरण

लेकिन जब 1960 और 1970 के दशक के बीच असवान में नील नदी पर दुनिया के सबसे बड़े तटबंध बांधों में से एक असवान हाई डैम का निर्माण हुआ तो नील के बढ़ते पानी से अबू सिंबल के स्मारकों पर खतरा मंडराने लगा और वो पानी में डूबने लगे। प्राचीन सभ्यता की अनमोल धरोहर को बचाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया।

ऐतिहासिक खजाने को बचाने के लिए दुनिया के राष्ट्र कैसे एकजुट होते हैं, भले ही वे दूर स्थित हों, इस उदाहरण से देखा जा सकता है कि 1964 में पुरातत्वविदों, कुशल इंजीनियरों और भारी उपकरण ऑपरेटरों की एक बहुराष्ट्रीय टीम ने यूनेस्को के बैनर तले एक साथ काम करते हुए इन स्मारकों को स्थानांतरित करने के लिए उस समय लगभग 40 मिलियन डॉलर खर्च किये थे (मुद्रास्फीति के अनुसार आज लगभग 348 मिलियन के बराबर)।

उन चार वर्षों में, पुरातात्विक इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक, पूरी साइट को सावधानीपूर्वक 20 से 30 टन के बीच के बड़े ब्लॉकों में काटा गया, उठाया गया और एक नए स्थान पर फिर से स्थापित किया गया था जो कि 65 मीटर ऊंचा और नदी से 200 मीटर दूर था। कुछ संरचनाएं, जो पहले से ही पानी में डूब गई थीं, उन्हें भी बचा लिया गया था, ताकि हमारे जैसे सैलानी वहां जाकर 1244 ईसा पूर्व में किए गए काम की अद्भुत सुंदरता की प्रशंसा कर सकें।

और कुछ हो ना हो, मिस्र जैसी प्राचीन सभ्यताओं की यात्रा और इसकी गोद में रची बसी सुंदरता और इसका ऐतिहासिक वैभव हम 21वीं सदी के निवासियों को, पूर्ण विनम्रता के साथ हमारे अहंकार को दूर करने में मदद करती है कि हम एक बेहतर तकनीकी युग से संबंध रखते हैं।

शाम को हम अपने अपेक्षाकृत छोटे, लेकिन बेहद आरामदायक जहाज पर सवार हुए, जो हमें अगले दिन लक्सर और किंग्स की घाटी तक ले गया।

एक शानदार समाधि स्थल

किंग्स की घाटी अपनी खूबसूरती से उकेरे गए और चित्रित शाही मकबरों के लिए प्रसिद्ध है। जैसा कि सर्वविदित है, मिस्र के राजाओं और राजघरानों को मृत्युपर्यन्त जीवन में दृढ़ विश्वास था और इसलिए उनके लिए यह अनिवार्य था कि अंतिम विश्राम स्थल खूबसूरती से सजाए गए हों, जो हर उस चीज़ से सुसज्जित हों जिसकी एक नश्वर शरीर को अगली दुनिया में आवश्यकता पड़ सकती है ... धन, खज़ाना, उत्तम वस्त्र, आभूषण और उत्तम कोटि का भोजन। शक्तिशाली फिरौन, उनकी रानियों और मिस्र के अन्य राजघरानों के लिए दुनिया की सबसे शानदार कब्रगाह बनाने के लिए नील नदी के किनारे से बेहतर जगह और क्या हो सकती है?

तो मिस्र के नए साम्राज्य (1500-1070 ईसा पूर्व) के एक हजार से अधिक वर्षों तक, राजाओं, रानियों और रईसों को इसी घाटी में दफनाया जाता था, जिसे वैली ऑफ़ द गेट्स ऑफ़ किंग्स भी कहा जाता है। उन सभी के शरीर ममीकृत किये जाते थे। यूनेस्को द्वारा 16वीं से 11वीं शताब्दी ईसा पूर्व तक नामित विश्व विरासत स्थल में, राष्ट्र के सबसे शक्तिशाली पुरुषों और महिलाओं के लिए बेहद खूबसूरती से सुसज्जित कुछ गुप्त मकबरे भी बनाए गए थे। ''दुर्दांत लुटेरों'' से इन मकबरों को बचाने के लिए गुप्त दरवाजे बनाये गए थे क्योंकि फिरौन और अन्य राजघरानों को बहुत सारे सोने और अन्य खजाने के साथ दफनाया जाता था, जिनके बारे में उनका मानना था कि मृत्यु बाद के जीवन में प्रयोग किया जा सकता है। इस युग से पहले, कई शाही मकबरों को तोड़ दिया गया था और उन में रखे क़ीमती सामान को लूट लिया गया था। एक विवरण के अनुसार, पुरातत्वविदों ने अभी तक 63 मकबरों की खोज कर ली है और अन्य को खोजने का काम जारी है।

जहां शासकों को इन शानदार नक्काशीदार और सुसज्जित मकबरों में दफनाया जाता था, उनके परिवार के सदस्यों को राजा या फिरौन के मकबरे के पास छोटे कक्षों में दफनाया जाता था।

ये मकबरे देख कर आप स्तब्ध रह जाएंगे, दीवारों पर नक़्क़ाशी की गई है और बड़ी खूबसूरती से हलके रंगों में चित्रित किया गया है। जाहिर तौर पर, दीवारों पर उभरे हुए चित्रित दृश्य फिरौन, देवी-देवताओं के हैं, साथ ही चित्रलिपि में धार्मिक पंक्तियाँ भी दीवारों पर उकेरी गई हैं ताकि उन्हें अगले जीवन में मार्गदर्शन मिल सके।

यह माना जाता था कि ममीकरण की प्रक्रिया उनके शरीर को अगले जन्म के लिए उचित रूप से तैयार करेगी। हमारे स्मार्ट और जानकार गाइड मनाल द्वारा किया गया एक दिलचस्प पर्यवेक्षण यह था कि यहा किसी भी विश्राम स्थल पर किताबें नहीं मिलेंगी ''क्योंकि शायद फिरौन का कहना था कि

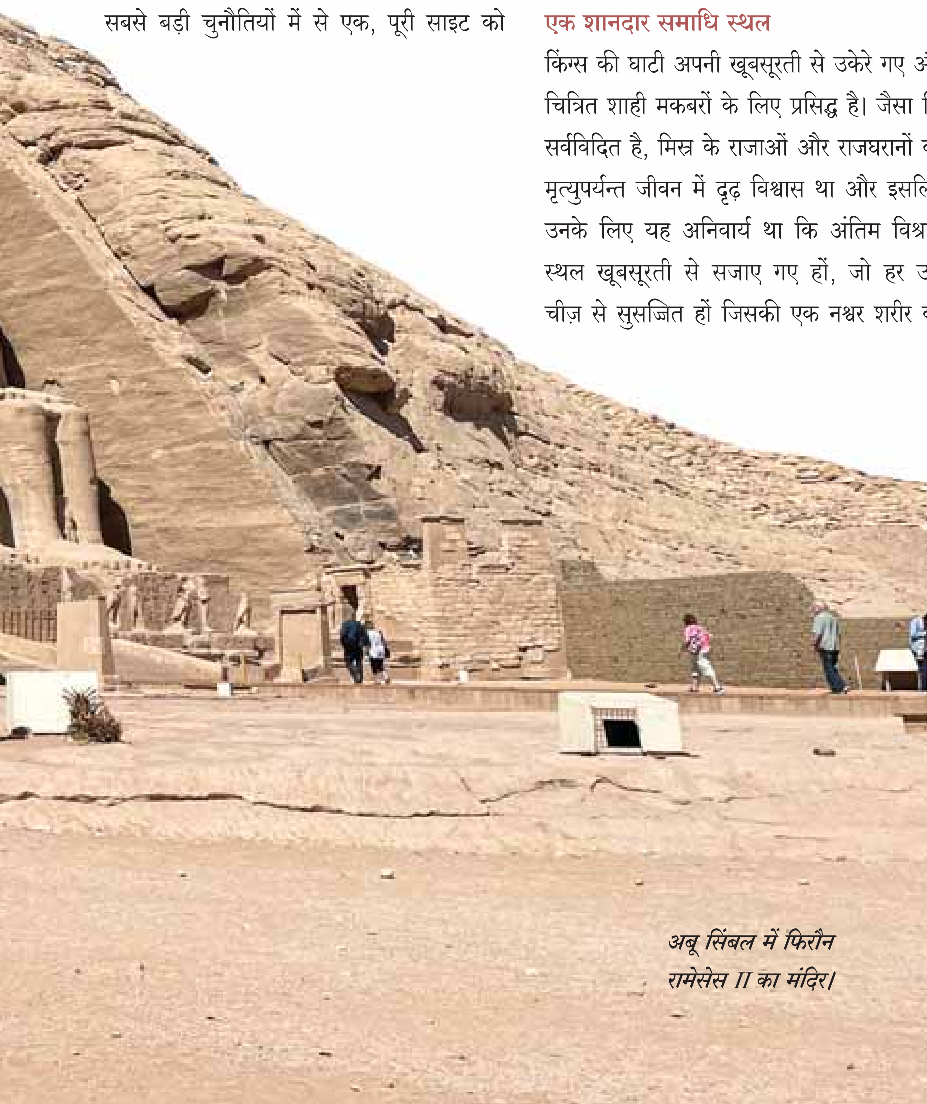

अबू सिंबल में फिरौन रामसेस II का मंदिर।

उन्हें अपना अगला जीवन बिलकुल नए और खाली पृष्ठ से शुरू करना चाहिए।'' ख़याल बुरा नहीं है!

एक रोमांचक गुब्बारे की सवारी

मिस्र के साथ हमारे रोमांस के चलते एक सुबह हमने बहुत ही बहादुरी का काम किया - हरियाली से आच्छादित विशाल, नील घाटी और हाँ वैली ऑफ़ किंग्स घाटी के ऊपर एक गर्म हवा भरे गुब्बारे में बैठ कर सवारी की। भोर होते ही, पर्याप्त ऊनी कपड़ों से ढके, अपनी आँखों को मलते हुए हम पहले एक नाव और फिर एक वैन से वहां पहुंचे जहां गर्म हवा के गुब्बारे की सवारी की जाती है। तुर्की में कप्पाडोसिया में पहले ऐसी ही सवारी कर लेने के बाद, मुझे और परवेज को दूसरों की अपेक्षा घबराहट कम थीं! लेकिन निश्चित रूप से, मस्तिष्क में ये विचार आ ही जाता है, अचानक हवा का झोंका कहीं से आ कर आपकी टोकरी को दुर्घटनाग्रस्त ना कर दे, जो सिर्फ घास की पुआल से बनी है लेकिन मजबूत होती है।

लेकिन हमारे लंबे, तगड़े, सुंदर, अनुभवी पायलट ने जल्द ही हमारे मन में उठ रहे छोटे-छोटे संदेह शांत कर दिए और हमें अच्छी तरह से समझाया कि अगर हवा तेज़ चले और मौसम गड़बड़ा जाए तो कैसे आगे झुकना है, अपने घुटनों पर झुकते हुए हर स्थिति में शांत रहना है। काफी हद तक हम शांत थे और डरने के बजाये उत्साहित थे, शीघ्र ही हमने अपने गुब्बारे को ऊपर उठता देखा क्योंकि टोकरी के निचले हिस्से में आग जल रही थी। जल्द ही हम आकाश में उड़ चले थे, ठंडी, बहती हवा का स्पर्श फेफड़ों को तरोताज़ा कर रहा था और हम नीचे चारों तरफ फैली हुई नील की विशाल घाटी और चमकती नदी के पानी और खेत को निहार रहे थे जो भरपूर पानी मिलने से लहलहा रहे थे।

लेकिन असली जादू तो उसके बाद प्रकट हुआ। भव्यता लिए हुए सूरज ने गुलाबी और फिर लाल होते आकाश में अपनी रश्मियाँ बिखेरनी शुरू कर दी, उस अद्भुत प्रकाश में हमारे नीचे फैली धरती का नज़ारा अत्यंत लुभावना था। इस अविस्मरणीय अद्भुत अनुभव के आगे हम नतमस्तक हो गए। 45 मिनट कब पूरे हो गए पता ही नहीं चला और हम बिना हिचकोले खाये, बिना झुके और घुटने मोड़े बिना सहजता से जमीन पर उतर आये!

कप्पाडोसिया में, बैलून की सवारी से उतरने के बाद हमारा स्वागत एक गिलास स्पार्कलिंग वाइन के

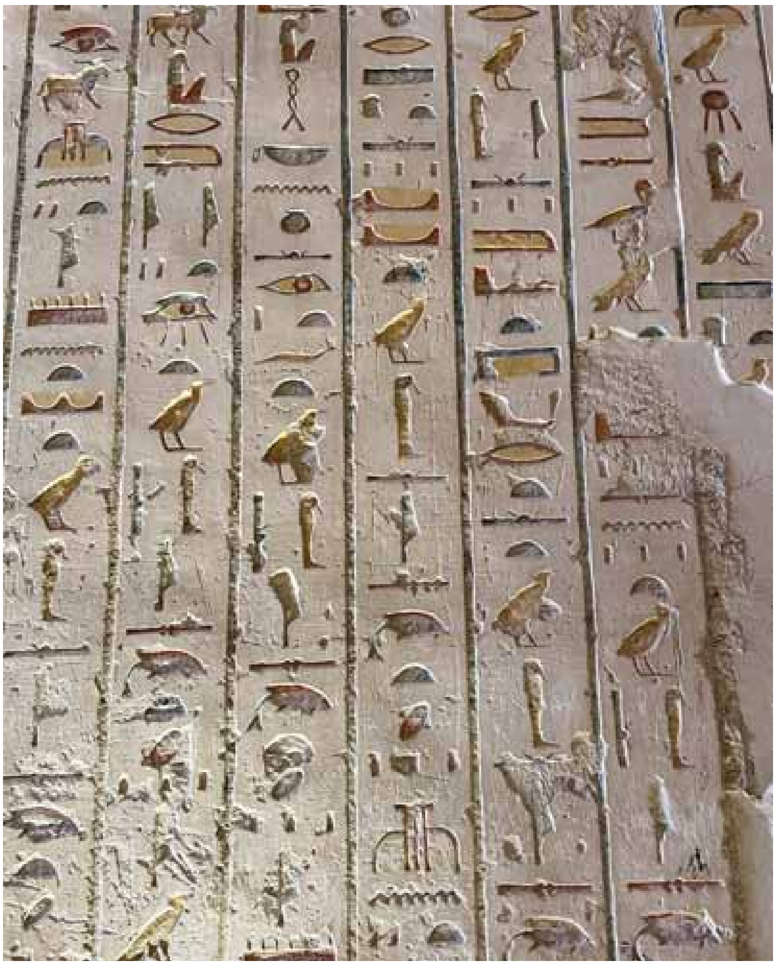

किंग्स की घाटी में एक मकबरें की दीवार पर किया गया एक चित्रलिपि पाठ।

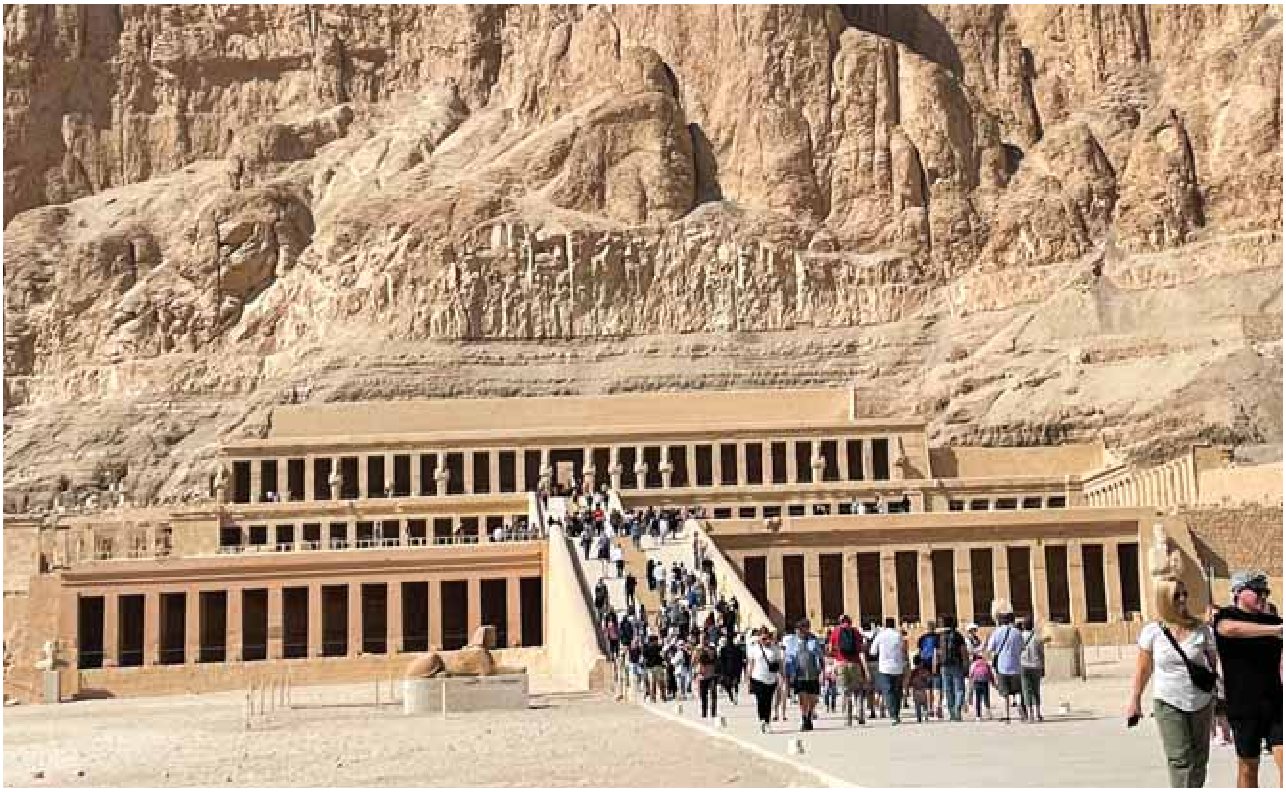

दीर अल-बहारी जिले में रानी हत्शेपसुत का मंदिर।

साथ किया गया था ; लेकिन मिस्र में ऐसी किस्मत कहाँ, हम अपने जहाज पर शानदार नाश्ते के लिए लौट चले। एक बार फिर, हमारे ग्रुप में अकेले शाकाहारी के अनुरोध को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, और जैसा कि अंतर्राष्ट्रीय रोटरी आयोजनों में होता है, (भारतीय) शाकाहारी भोजन की मांग यहाँ भी ज़्यादा थी और अधिक स्वादिष्ट भी था!

लक्सर में एक और अद्भुत स्मारक हत्शेपसुत मंदिर है, जिसे 18वें राजवंश की रानी हत्शेपसुत ने बनवाया था। मिस्र के इतिहास में सबसे सफल निर्माताओं में से एक, वह मिस्र की सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महिला फिरौन थी, और दिलचस्प बात ये है कि जहां राज करने और नेतृत्व की बात आई क्योंकि यह एक पुरुष प्रधान दुनिया थी, उसने जानबूझ कर पुरुष जैसा दिखने के लिए पुरुष के वस्त्र धारण कर अपनी छवि परिवर्तित करने का प्रयास किया था।

मिस्र में घूमने और देखने के लिए इतना कुछ है कि 10 दिन की यात्रा के बाद भी हमारा मन नहीं भरा। सभ्यता के सबसे पुराने केंद्रों में से एक फिरौन की भूमि देख कर हमें पूरी संतुष्टि नहीं हुई।

और हम वापस आने की उम्मीद के साथ लौट आये थे... और हमें अपने दर्द से कराहते पैरों और चरमराते जोड़ों की मालिश करनी पड़ी थी, घुटने चिल्ला रहे थे वो अलग। घूमने-फिरने के शौकीन लोगों के लिए एक नेक सलाह है - जब आप जवान है, अपेक्षाकृत युवा है, जितना अधिक हो सके उतनी यात्रा करें... यहां तक कि कम बजट में भी घूमने ज़रूर जाएं। क्योंकि, मिस्र जैसे देश में देखने के लिए काफी कुछ है और इतनी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है कि वास्तव में इस देश का आनंद लेने के लिए फिटनेस बहुत ज़रूरी है।

(समाप्त)

चित्र: रशीदा भगत

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

New members from different groups in our communities bring fresh perspectives and ideas to our clubs and expand Rotary's presence. Invite prospective members from all backgrounds to experience Rotary.

REFER A NEW MEMBER
my.rotary.org/member-center

Rotary

FIND A CLUB

ANYWHERE IN THE WORLD!

Use Rotary's free Club Locator and find a meeting wherever you go!

www.rotary.org/clubclocator

मार्च 2023 तक मंडल टीआरएफ योगदान

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
India					
2981	46,674	566	0	1,184	48,424
2982	40,000	5,775	8,561	75,739	130,075
3000	62,183	5,863	0	100	68,146
3011	78,793	15,508	27,127	492,090	613,517
3012	18,642	776	75,335	369,330	464,082
3020	143,947	21,524	52,591	2,155	220,217
3030	111,150	22,693	10,000	2,791	146,635
3040	24,282	2,262	0	110,053	136,597
3053	64,826	2,736	10,000	40,757	118,319
3054	20,680	856	8,434	35,114	65,085
3060	126,225	5,101	3,000	161,833	296,158
3070	102,718	2,725	51,495	11,347	168,286
3080	37,209	9,558	0	80,262	127,029
3090	14,211	0	6,253	0	20,463
3100	84,820	500	25,012	8,960	119,293
3110	60,332	454	24,304	823,935	909,026
3120	35,302	411	0	0	35,713
3131	463,132	12,290	118,436	1,387,834	1,981,691
3132	48,223	7,794	50,000	5,602	111,619
3141	898,863	42,106	138,499	2,796,008	3,875,476
3142	293,070	5,007	56,535	278,455	633,068
3150	110,488	34,757	162,103	66,102	373,451
3160	28,810	3,453	0	3,675	35,938
3170	257,130	40,962	21,506	54,236	373,834
3181	126,731	2,076	25	4,306	133,138
3182	86,995	4,423	0	11,260	102,678
3190	185,081	14,311	108,411	381,523	689,327
3201	219,680	39,917	66,036	813,899	1,139,532
3203	50,989	18,016	9,293	76,209	154,507
3204	17,628	1,903	0	17,167	36,698
3211	177,294	7,165	25,000	6,729	216,188
3212	316,159	157,267	329	81,306	555,061
3231	65,784	23,880	32,278	15,044	136,986
3232	125,939	75,617	102,253	738,186	1,041,995
3240	133,240	19,577	1,000	3,850	157,667
3250	25,319	315	0	40,486	66,121
3261	31,124	917	0	5,277	37,317
3262	53,921	464	700	34,165	89,249
3291	96,234	2,786	65,371	12,346	176,736
India Total	**4,883,826**	**612,313**	**1,259,887**	**9,049,314**	**15,805,340**
3220 **Sri Lanka**	76,102	14,631	5,500	1,420	97,653
3271 **Pakistan**	132	25,715	0	1,500	27,347
3272 **Pakistan**	6,555	12,687	0	6,000	25,242
3281 **Bangladesh**	68,206	5,814	24,125	186,745	284,890
3282 **Bangladesh**	49,191	6,701	2,000	10,320	68,212
3292 **Nepal**	190,358	20,766	94,167	74,114	379,404
South Asia Total	**5,274,370**	**698,627**	**1,385,679**	**9,329,413**	**16,688,088**

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र, विश्व कोष और आपदा प्रतिक्रिया शामिल हैं।
स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

Rotary PEOPLE OF ACTION

दिल्ली के रोटरी क्लब

कुष्ठ रोग देखभाल का समर्थन करते हैं

जयश्री

पिछले चार वर्षों से रोटरी क्लब दिल्ली साउथ, रोई मंडल 3011, नई दिल्ली और दिल्ली साउथ एंड के रोटरी क्लबों, लेपरा सोसाइटी इंडिया चैप्टर, कॉर्पोरेट साझेदार एमिल, एक यंत्रीय निर्माता, और एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज (ACRE) के साथ मिलकर अपनी कुष्ठरोग नियंत्रण परियोजना के माध्यम से दिल्ली एन सी आर में 40 कुष्ठरोग कॉलोनियों में से 33 में व्यापक रूप से राहत कार्य कर रहे है। RCDS के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप बहरी कहते हैं, ''इन सब का श्रेय हमारे क्लब के सदस्य पीडीजी और आईएनपीपीसी अध्यक्ष दीपक कपूर को जाता हैं।''

जून 2019 में जब कपूर ने रोटरी क्लब लंदन के नएन पटेल से मुलाकात की, तो उन्होंने लेपरा (लेप्रोसी रिलीफ एसोसिएशन)-यूके के साथ अपनी साझेदारी के बारे में बताया और इन आगंतुक को अपने सीईओ से मिलवाया। ''तीन साल पहले तक हम यह मानते थे कि कुष्ठ रोग एक पुरानी बीमारी है और हमें इसके निरंतर प्रसार का कोई अंदाजा नहीं था। इसलिए जब कपूर ने लौटकर हमें इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी तो हमें बड़ा झटका लगा। इसमें प्रमुख आकर्षण थकज की वो रिपोर्ट थी जिसके अनुसार कुष्ठ रोग के कुल नए वैश्विक मामलों में से 60 प्रतिशत मामले भारत से है, जबकि हम यह सोच रहे थे कि भारत ने 2005 में कुष्ठ रोग को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त कर दिया है, बहरी बताते है, जो तब आरसीडीएस अध्यक्ष थे।'' इस बीमारी को दूर करने के लिए क्लब ने त्वरित रूप से अपनी सेवा परियोजनएं तैयार की और अक्टूबर 2019 में रोटरी क्लब एलायंस फॉर लेप्रोसी कंट्रोल का गठन किया गया, जिसके सीईओ बहरी थे और अध्यक्ष पीडीजी कपूर थे।

इस एलायंस ने एक चौमुखी रणनीति तैयार की जो जागरूकता पैदा करने, चिकित्सा पेशेवरों को प्रशिक्षित करने, रोगियों की पहचान करने और कुष्ठ रोग को नियंत्रित करने हेतु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर केंद्रित थी। हालांकि यह पूर्ण रूप से इलाज योग्य है परंतु कुष्ठ रोग के उपचार और प्रबंधन को लेकर जागरूकता की कमी के चलते यह सबसे ज्यादा गलत समझी जाने वाली और कम रिपोर्ट की जाने वाली बीमारियों में से एक है। आरसीडीएस के अध्यक्ष ललित साहनी कहते है कि इस परियोजना

ACRE के पवन तिवारी और रोटरी क्लब अलायन्स फॉर लेप्रसी के सीईओ प्रदीप बहरी, दिल्ली में एक विकलांगता देखभाल शिविर में एक महिला को तिपहिया साइकिल भेंट करते हुए।

का उद्देश्य कुष्ठ रोग से जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करना, चिकित्सा देखभाल और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

बहरी आगे कहते है: ''कुष्ठ रोगी आज न केवल निदान और उपचार से जूझ रहे है बल्कि वे एक सम्मानजनक जीवन जीने के अपने अधिकार के लिए भी लड़ रहे हैं। उनमें से अधिकांश परित्यक्त रूप से भारत की लगभग 750 कुष्ठ कॉलोनियों में अलग रहने से जूझ रहे हैं। दिल्ली में ऐसी 40 कॉलोनियां हैं।''

भारत सरकार के राष्ट्रीय कुष्ठरोग उन्मूलन कार्यक्रम के समर्थन से इस एलायंस ने चिकित्सा पेशेवरों को इस बीमारी का पता लगाने, फिजियोथेरेपी प्रदान करने, रोगियों के घावों की पट्टी करने और उन्हें उपशामक देखभाल प्रदान करने हेतु प्रशिक्षित किया। इन सेवाओं के लिए और विशेष रूप से डिजाइन किए गए जूते एवं स्व-सहायता किटें वितरित करने के लिए एक गतिशील अल्सर प्रबंधन क्लिनिक शुरू किया गया। ''हम इस संदेश को प्रसारित करने हेतु सार्वजनिक स्थानों और आवासीय कॉलोनियों का दौरा करते हैं। हमने कुष्ठ रोग से संबंधित एक विज्ञापन गीत भी अपलोड किया है, जिसे घर-घर जाकर कचरा एकत्रित करने वाली गाड़ियों में बजाया जा रहा है,'' वह कहते है। विभिन्न कॉलोनियों में 130 से अधिक रोगियों को ट्राइसाइकिल और व्हीलचेयर वितरित किए गए।

अपने अंतर्राष्ट्रीय साझेदार, रोटरी क्लब स्ट्रैटफ़ोर्ड लंदन के समर्थन के साथ इस एलायंस को ₹78 लाख का वैश्विक अनुदान भी मिला ताकि इन कॉलोनियों में रहने वाले रोगियों को चिकित्सा देखभाल प्रदान की जा सके। इस कार्यक्रम के लिए धन इकट्ठा करने हेतु एक कुष्ठरोग नियंत्रण संस्थान का भी गठन किया गया।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ के अध्यक्ष ललित साहनी और रीता भसीन एक मरीज को स्व-देखभाल किट और पोषक तत्वों की खुराक देते हुए।

साहनी कहते है, ''कोविड के दौरान, हमने बेंगलुरु के एक रोटरी क्लब के साथ साझेदारी में दो कॉलोनियों में दो महीनों तक रोजाना भोजन के 400 पैकेट वितरित किए।'' दो कॉलोनियों में बैटरी चालित सौर्य ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए। हाल ही में ACRE से वित्त पोषित CSR की मदद से फरीदाबाद के पास ताहिरपुर की एक कुष्ठरोग कॉलोनी में स्थित मदर टेरेसा होम में ₹15 लाख की लागत से एक ऑन-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया। ''यह संस्थान को बिजली की लागत में काफी बचत करने में मदद करेगा,'' वह आगे कहते हैं।

इस परियोजना की सफलता के बाद, एक गैर सरकारी संगठन, द लेप्रोसी मिशन इंडिया ने ताहिरपुर में अपने लेप्रोसी केयर हॉस्पिटल में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने और पुनर्निर्माण सर्जरी को प्रायोजित करने के लिए मदद मांगी। बहरी कहते हैं, ''हमारे कॉर्पोरेट साझेदार एमिल इसका समर्थन करने के लिए तैयार हैं।''

दिल्ली सरकार के इंदिरा गांधी अस्पताल में जल्द ही एक रोटरी-लेपरा रेफरल सेंटर स्थापित किया जाएगा। ''एमिल के CSR अनुदान के साथ हमने इस केंद्र में स्थापित किए जाने वाले उपकरण खरीदे ताकि फ़िज़ीयोथेरेपी, अल्सर प्रबंधन और पुनर्निर्माण सर्जरी प्रदान की जा सके,'' वह आगे कहते है। यह एलायंस, राजधानी के सरकारी स्कूल के 18 लाख बच्चों के लिए जांच शिविर आयोजित करने हेतु पूरी तरह से तैयार है।

यह कुष्ठरोग नियंत्रण परियोजना अनेक चरणों में सम्पन्न किया जाने वाला एक 14 वर्षीय कार्यक्रम है। ''दिल्ली एनसीआर में इस प्रायोगिक परियोजना के सफल कार्यान्वयन को देखते हुए यह मॉडल धीरे-धीरे भारत के अन्य हिस्सों में भी विस्तारित किया जाएगा जिससे यह प्रभावी और स्थायी रहे,'' इसके सीईओ कहते है। ■

मदर टेरेसा होम, ताहिरपुर में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर सांसद मनोज तिवारी (दाएं), ACRE प्रमुख, एसीआरई मोहम्मद शरीक मलिक।

समुदाय में सहभागिता लाएँ

प्रीति मेहरा

ऐसी बहुत सारी गतिविधियाँ हैं जो एक अच्छी जीवन शैली को बरकरार रखने के लिए समूहिक रूप से की जा सकती है।

हरेक नेक कार्य की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। जब हरियाली फैलाने की बात आती है तो यह कार्य तत्काल अपने आस-पड़ोस की जगहों से शुरू कर देनी चाहिए फिर बड़े समुदाय में फैलानी चाहिए। तब ही आपके द्वारा घर से शुरू की गई नेक कार्य का ज्यादा प्रभाव पड़ेगा।

जब पर्यावरण को संरक्षित करने और बचाने की बात आती है तो सामुदायिक सेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। और इसके लिए पहला कदम यह उठाना चाहिए कि जिस जगह पर आप रहते हैं उस क्षेत्र को 'हरा- भरा' बनाने के बारे में अपने दोस्तों से बातें करें फिर सामूहिक रूप से काम करें और फिर उन्हें भी शामिल करें जो इन सभी चीजों के बारे में कुछ नहीं जानते। अधिक दोस्त बनाने के अलावा आप ऐसी कई गतिविधियों को अपना सकते हैं जिससे कई परिवारों की जिंदगी बदली जा सकती है।

जब पर्यावरण को संरक्षित करने और बचाने की बात आती है तो सामुदायिक सेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। जिस जगह पर आप रहते हैं उस क्षेत्र को 'हरा–भरा' बनाने के बारे में अपने दोस्तों से बातें करें फिर सामूहिक रूप से काम करें और फिर उन्हें भी शामिल करें जो इन सभी चीजों के बारे में कुछ नहीं जानते।

बहुत से कार्य हैं करने के लिए, इसका कोई अंत नहीं है। यदि आप जहाँ रहते हैं, वहाँ कोई तालाब है तो आप सभी सामूहिक रूप से इसे साफ करने का संकल्प ले सकते हैं। भारत में अधिकांश झीलें, नदियाँ और नाले प्लास्टिक मिश्रित कचरे, सिगरेट के टुकड़े और भी बहुत प्रकार के कचरों से भरे होते हैं। यह अच्छा होगा कि पड़ोस के बच्चों को छुट्टियों में सफाई के कार्य में व्यस्कों की मदद करने का उत्साह जगाया जाए जिससे कि नदियों में जान आ जाए।

यह समुद्र तट पर या पहाड़ियों पर भी किया जा सकता है। यदि प्लास्टिक को नहीं हटाया जाता है तो यह 400 वर्षों तक जल निकाय में रह सकता है और विश्व पर्यावरण को प्रभावित करने वाली माइक्रोप्लास्टिक बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। दिल्ली में हमारी कॉलोनी में एक ग्रुप है जो महीने में दो बार नगर पालिका के पार्क की सफाई करता है और इस वजह से बहुत फर्क आया है।

रिसाक्लिंग भी एक महत्वपूर्ण कार्य है जिससे समुदाय में परिवर्तन लाया जा सकता है। आपका ङ्हरियालीफ ग्रुप एक दिन ऐसा चुने जिस दिन सभी लोग घर के फेंकने वाली चीजों को बाहर निकालें। कोई फूलदान जिसे आप रखना नहीं चाहते, दूसरा लेना चाहे तो ले सकता है। इस तरह से आपस में मुक्त रूप से चीजों का आदान- प्रदान हो सकता है। लेकिन यदि कुछ लोग अपनी चीजों को कम कीमत ओर बेचना चाहेंगे, तब भी कम कीमत, दोबारा उपयोग और रिसाइकिल से उद्देश्य सफल होगा।

इलेक्ट्रिक गाडियाँ देशभर में बड़े पैमाने पर आ रही हैं और लगभग सभी परिवार अपनी

पुरानी गाड़ी का जीवन काल समाप्त होने पर इलेक्ट्रिक गाड़ी ही लेना चाहते हैं। सामूहिक रूप से पार्किंग वाले स्थान में, जो सभी को मिली हुई है, एक इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन लगाया जा सकता है जो आर्थिक रूप से भी फायदेमंद होगा और हरियाली भी बनी रहेगी। आर्थिक रूप से किसी को फर्क नहीं पड़ेगा यदि सभी लोग इस तरह की सुविधा के लिए भुगतान करते हैं और बिजली का बिल साझा करते हैं। यदि आपके ग्रुप में हाइड्रोफोनिक पद्दि्त सभी को पसंद नहीं आती है तो सामूहिक बागीचा और सामूहिक रूप से खाद्य बनाना सभी पसंद करेंगे।

यातायात से संबन्धित दूसरा सामुदायिक कार्य ङ्कार-पूलफ शुरू करके किया जा सकता है, इससे हम न केवल कार्बन आधारित ईंधन बचा पाएंगे बल्कि जिस शहर में हम रहते हैं उसे धुँए के प्रदूषण से भी बचा पाएंगे।

यदि आप बहुमंजिल इमारत पर रहते हैं, और आप सबों का छत एक ही है तो सामूहिक रूप से मिलकर आप सबके लिए किचन गार्डन बनाने की पहल कर सकते हैं जिससे समुदाय के सभी लोगों को ताजी हरी चीजें मिल जाएँगी। कोई विशेषज्ञ इसे शुरू करे तो यह कोई मुश्किल काम नहीं है। कल्पना कीजिए कि पूरी इमारत के छत पर बेसिल, सेलेरी, पालक, मेथी उगाई जा रही है। यदि आप इससे कमाना चाहते हैं तो लोग इसे मामूली दामों पर खरीदेंगे भी। यदि आपके ग्रुप में हाइड्रोफोनिक पद्दि्त सभी को पसंद नहीं आती है तो सामूहिक बागीचा और सामूहिक रूप से खाद्य बनाना सभी पसंद करेंगे।

किसी ने सच ही कहा है वृक्षारोपण के समान सुखद कोई कार्य नहीं है। और आप इसे अपने समुदाय के भीतर या समुदाय से बाहर कहीं भी कर सकते हैं। पेड़ हवा को साफ करते हैं, गर्मी में छाया देते हैं और जगह की कीमत भी पेड़ की वजह से बढ़ जाता है। इसे करने का एक तरीका यह है कि इसे समुदाय के प्रत्येक सदस्य के जन्मदिन पर या परिवार में शादी या जन्म होने पर एक पेड़ लगाने की धीरे धीरे प्रथा बनाई जाये। कुछ आदिवासी समुदायों में इस तरह से पेड़ लगाने की परंपरा है, जिसकी वजह से पर्यावरण और उनका जीवन समृद्ध होता है।

इन सब के अलावा हम सब आपस में मिलकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए हरा- भरा स्थान बना सकते हैं जो आपको भी खुशी देगा और समुदाय में भी खुशियाँ फैलाएगा।

हम घरों की छतों पर सोलर पैनल लगा कर अपनी खुद की बिजली पैदा कर सकते हैं। इसमें एक बार तो अवश्य खर्च ज्यादा करना होगा लेकिन दुर्गामी स्तर पर यह एक सस्ता संसाधन साबित होगा।

इसके अलावा हम घर के अंदर और बाहर बिजली के पुराने बल्बों को बदलकर एल इ डी बल्ब लगा सकते हैं। आज जो एल इ डी बल्ब उपलब्ध हैं, परंपरागत ट्यूब लाइट और पीली रोशनी वाले बल्ब की तुलना में 80 प्रतिशत बिजली कम खपत करते हैं। इस तरह यह एक सस्ता और टिकाऊ विकल्प है।

इन सब के अलावा हम सब आपस में मिलकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए हरा- भरा स्थान बना सकते हैं जो आपको भी खुशी देगा और समुदाय में भी खुशियाँ फैलाएगा। और जब हम इस तरह की गतिविधि में शामिल होते हैं जहाँ हम प्रकृति की रक्षा करते हैं तो स्वयं को भी अच्छा लगता है।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

Subscribe NOW!

for Rotary News Print Version & e- Version For the Rotary year 2023 – 2024

Annual Subscription (India)

Print version	e-Version
₹480/-	₹420/-

Print version ☐ e- Version ☐

	English	Hindi	Tamil
No. of Copies			

For every new member the pro-rata is ₹40 a month.

Please attach the TYPED list of individual members with their complete address, PIN code, Mobile number and e-mail ID. Intimate language preference (English/Hindi/Tamil) against each member's name.

Payments can be made online at

HDFC Bank, Montieth Road, Egmore, Chennai.
Rotary News Trust
SB A/c No 50100213133460
IFSC: HDFC0003820

Email us the UTR Number, Club Name, President/ Secretary's name, Amount and Date of Transfer.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile .... E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "**ROTARY NEWS TRUST**" is enclosed.

Date: President/Secretary

Mail this form to:

Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

सदस्यता मानदंड

1. रोटरी वर्ष (जुलाई से जून) के लिए सदस्यता।
2. प्रत्येक रोटेरियन के लिए रोटरी पत्रिका की सदस्यता लेना अनिवार्य है।
3. प्रिंट संस्करण के लिए वार्षिक सदस्यता 480 और ई-संस्करण के लिए 420 प्रति सदस्य है।
4. पूरे वर्ष के लिए सदस्यता निर्धारित प्रपत्र में जुलाई में भेजी जानी चाहिए।
5. जुलाई के बाद शामिल होने वाले लोग शेष रोटरी वर्ष के लिए प्रिंट संस्करण के लिए 40 प्रति अंक और ई-संस्करण के लिए 35 का भुगतान कर सकते है।
6. *रोटरी न्यूज़* के साथ क्लब का सदस्यता खाता निरंतर चलता रहता है और यह हर साल जून के अंत में समाप्त नहीं होता।
7. *पिन कोड, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी* सहित उनके पूर्ण डाक पते के साथ सभी सदस्यों के नाम, फॉर्म और सममूल्य पर देय डीडी/चेक के साथ भेजे जाने चाहिए। GPAY या नेटबैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन ट्रांसफर किया जा सकता है। जब आप ऑनलाइन भुगतान करें तो हमारे साथ तुरंत ही व्हाट्सएप (9840078074) या ईमेल (rotarynews@rosaonline.org) द्वारा UTR नंबर के साथ आपके क्लब का नाम और भुगतान की गई राशि साझा करें। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो आपका भुगतान हमारे रिकॉर्ड में अपडेट नहीं हो पाएगा और आपका क्लब बकाया दिखाएगा।
8. सदस्य के नाम के साथ भाषा वरीयता *(अंग्रेजी, हिंदी या तमिल)* का उल्लेख किया जाना चाहिए।
9. नियमित रूप से पत्रिका प्राप्त करने के लिए हर साल सीधे तौर पर *रोटरी न्यूज़* के साथ अपने सदस्यों का सही पता और संपर्क विवरण अपडेट करें। *रो ई हमारे साथ सदस्यता विवरण साझा नहीं करता है।*
10. सदस्यों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनके नाम उनके क्लब द्वारा भेजी जाने वाली ग्राहक सूची में शामिल हो। यदि आपने भुगतान किया है लेकिन आपका नाम आपके क्लब द्वारा हमें नहीं भेजा गया है तो आपको पत्रिका की प्रति प्राप्त नहीं होगी।
11. क्लबों को हमें सदस्यता की स्थिति में हुए किसी भी संशोधन के बारे में तुरंत अपडेट करना चाहिए ताकि हम नए सदस्यों को पत्रिका पहुँचा सकें।
12. यदि आपको अपनी मुद्रित प्रति प्राप्त नहीं हुई है जिसकी आपने सदस्यता ली थी, तो अपने क्लब के अध्यक्ष से जांचें करें की क्या आपके क्लब ने ई-संस्करण का विकल्प चुना है।
13. रोटरी न्यूज ट्रस्ट के पास मौजूद सूची के अनुसार हम जितनी संख्या में पत्रिकाएं भेजते है उनके भुगतान के लिए क्लब उत्तरदायी है।
14. क्लब के अदत्त बकाये को क्लब के बकाया के रूप में दिखाया जाएगा। बाद में प्राप्त किसी भी भुगतान को पहले के बकाए के साथ समायोजित किया जाएगा।
15. सदस्यता बकाया वाले क्लबों की जानकारी रो ई के साथ साझा की जाएगी जो उनके निलंबन का कारण बन सकता है। हमारे फरवरी और मार्च 2022 के अंक के आखिरी पृष्ठ को देखें (रोटरी पत्रिका का ग्राहक न बनने वाले क्लबों का हो सकता है निलंबन)।
16. हम नियमित रूप से क्लबों द्वारा भेजी जाने वाली हमारे ग्राहकों की सूची को रो ई के डेटा के साथ सत्यापित करते है ताकि छूटे हुए ग्राहकों का पता लगाया जा सके
17. यदि किसी सदस्य को एक महीने से पत्रिका प्राप्त नहीं हुई है तो हमें तुरंत सूचित करें ताकि हम इस समस्या को हल कर सकें। पत्रिकाओं को रियायती बुक-पोस्ट के माध्यम से भेजा जाता है; इसलिए डाक की ट्रैकिंग संभव नहीं है। यदि आपके क्लब ने हमें आपकी सदस्यता के बारे में जानकारी नहीं दी है तो हो सकता है कि आपको आपकी प्रति प्राप्त ना हो। इसलिए ग्राहकों की सूची में अपने नामांकन का पता लगाने के लिए अपने अध्यक्ष या RNT से संपर्क करें।
18. कुछ क्षेत्रों में डिलीवरी की समस्या हो सकती है। ऐसी स्थिति में क्लब थोक में प्रतियां प्राप्त करने का विकल्प चुन सकते है। अतिरिक्त शुल्क लागू होगा।

अब अनुपालन नहीं करने वाले क्लबों को रो ई द्वारा निष्कासित किया जाएगा

1 जुलाई, 2022 से रो ई बोर्ड ने अपनी *रोटरी कोड ऑफ पॉलिसीज़* में ऐसे रोटरी क्लबों को निष्कासित करने का प्रावधान शामिल किया है जो रोटरी पत्रिका की सदस्यता नहीं लेते हैं। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को सूचित करने के बाद इसका अनुपालन न करने वाले क्लबों से संबंधित एक त्रैमासिक रिपोर्ट हमारे कार्यालय द्वारा रो ई को भेजी जा रही है। इन क्लबों को **90 दिन की छूट दी जाती है** उसके बाद भी क्लब इसका अनुपालन नहीं करेंगे तो उन्हें रो ई द्वारा निलंबित कर दिया जाएगा।

180 दिनों तक निलंबित रहने और अनुपालन न करने वाले क्लबों को रो ई को सूचित करने के बाद RNT एक स्मरण पत्र भेजता है जिसमें यह लिखा होता है कि बोर्ड अपने विवेक पर इस क्लब को निष्कासित कर सकता है।

क्लब अध्यक्ष कृपया अपने सदस्यों से *रोटरी न्यूज़* की सदस्यता लेने का आग्रह करें और भारत की रोटरी गतिविधियों की सम्पूर्ण तस्वीर देखें। **रो ई आपके PETS/GETS पाठ्यक्रम में अनिवार्य सदस्यता लेने के बारे में जानकारी शामिल करने की सिफारिश करता है।■**

संगीत और माधुर्य

एस डी बर्मन

दिलकश, जादुई, अद्भुत संगीतकार

एस आर मधु

1963 में, देव आनंद अपनी महान रचना *गाइड* बना रहे थे। पूर्व नियोजित 10 गानों में से सिर्फ एक गाने का संगीत तैयार करने के बाद संगीतकार एस डी बर्मन बहुत बीमार पड़ गए। देव ने किसी अन्य संगीतकार को शामिल करने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए, ''मैं आपके ठीक होने का इंतज़ार करूँगा।'' और ''अगर मैं ठीक नहीं हुआ तो?'' बर्मन ने पूछा। देव ने जवाब दिया, ''फिर मैं फिल्म को सिर्फ एक गाने के साथ रिलीज करूंगा।''

बर्मन ठीक हुए, काम पूरा किया और और काम क्या पूरा हुआ, उत्कृष्ट संगीतमय कृति का सृजन हुआ - बॉलीवुड के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ, *आउटलुक* पत्रिका द्वारा 2006 में किए गए एक प्रसिद्ध सर्वेक्षण के अनुसार - जिसमें उच्च श्रेणी के 30 गीतकार, संगीतकार और गायक शामिल थे।

और क्या शानदार रत्न जड़े हैं गाइड में! *आज फिर जीने की तमन्ना है* (लता का एक शानदार गीत प्रफुल्लित वहीदा पर फिल्माया गया); गाता रहे मेरा दिल (लता और किशोर की गायकी में एक

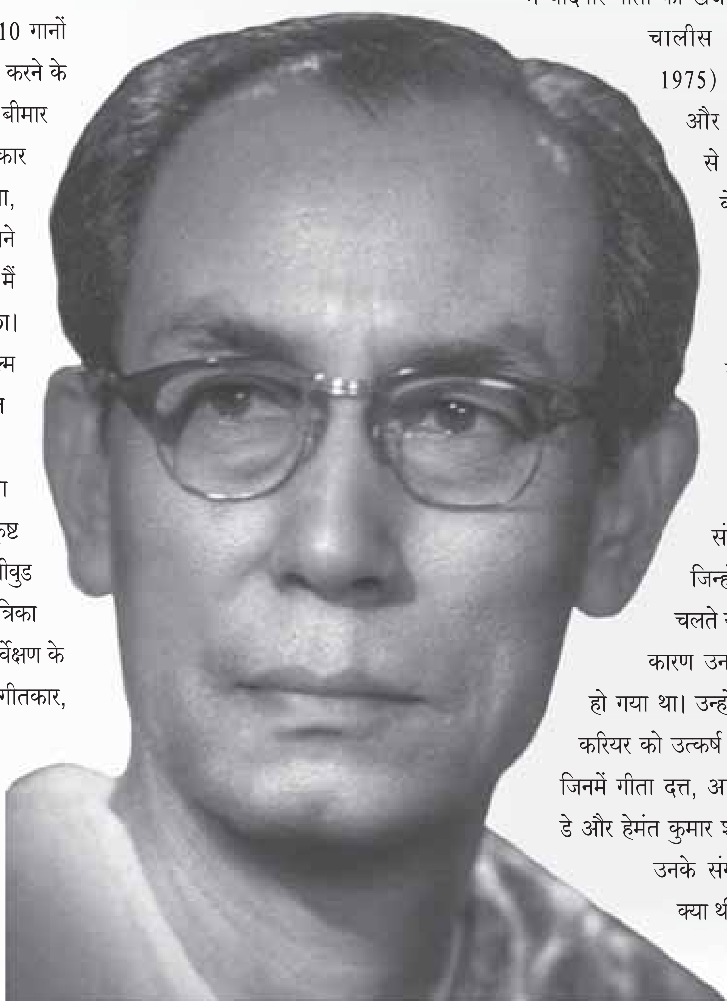

और संक्रामक देव-वहीदा रोमांटिक गीत); *पिया तोसे नैना लागे रे* (आठ मिनट का अद्भुत नृत्य); और निश्चित रूप से, फिल्म के शुरुआती दृश्यों की पृष्ठभूमि में खुद बर्मन की आवाज़ में वो बेजोड़ गीत- *वहां कौन है तेरा।*

देव की बर्मन में अटूट आस्था थी। उन्होंने कहा, ''मैं कभी नहीं भूल सकता कि उनके संगीत ने नवकेतन फिल्म्स (देव और भाई चेतन आनंद के स्वामित्व वाली) के शुरुआती वर्षों में क्या किया था।'' एसडी ने 14 नवकेतन फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया था, जिनमें *बाज़ी, टैक्सी ड्राइवर, नौ दो ग्यारह, काला पानी, काला बाज़ार, गाइड, ज्वेल थीफ, तेरे मेरे सपने, प्रेम पुजारी जैसी* ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं - और हर फिल्म में यादगार गीतों का खजाना मौजूद है।

चालीस वर्षों (1935-1975) में, बर्मन ने हिंदी और बंगाली में 100 से अधिक फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया और खुद कई अद्भुत गीत गाए। उनकी दीर्घायु उल्लेखनीय थी। वह अपनी मृत्यु तक मांग में बने रहे - अन्य संगीतज्ञों के विपरीत जिन्होंने या तो भाग्य के चलते या बदलते समय के कारण उनका करियर समाप्त हो गया था। उन्होंने कई गायकों के करियर को उत्कर्ष पर पहुंचाया था - जिनमें गीता दत्त, आशा, किशोर, मन्ना डे और हेमंत कुमार शामिल हैं।

उनके संगीत की खासियत क्या थी? वो युवा, शाश्वत और आशा का संचार करता

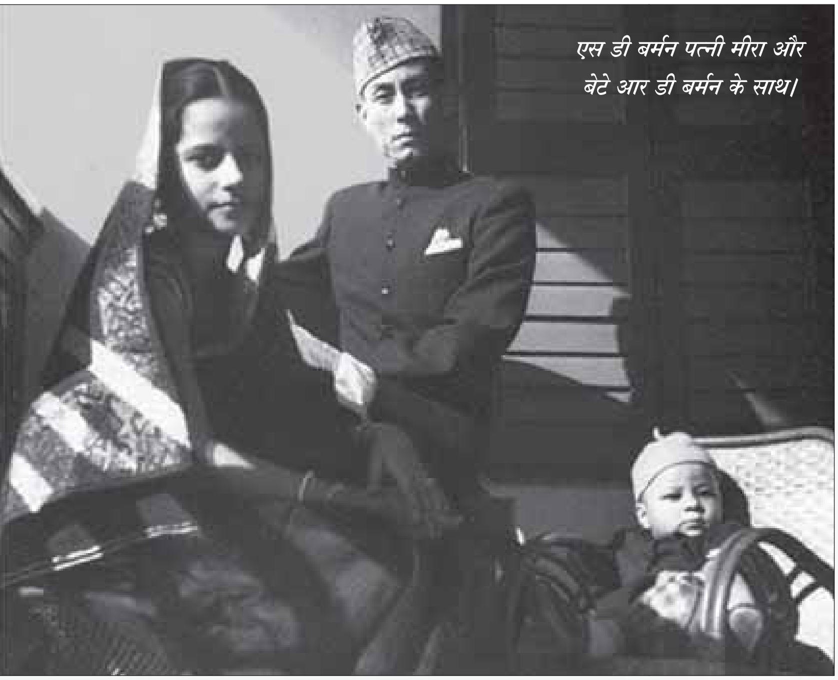
एस डी बर्मन पत्नी मीरा और बेटे आर डी बर्मन के साथ।

था - ये वजह थी जिसने देव आनंद को मंत्रमुग्ध कर दिया था। एसडी ने *शर्मीली* फिल्म के लिए पारलौकिक गीत *मेघा छाये आधी रात* की रचना की थी 65 वर्ष की उम्र में 1971 में - जिस वर्ष उनके बेटे आरडी बर्मन ने फिल्म *अमर प्रेम* में *रैना बीती* जाये के साथ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। यूँ लग रहा था कि आगे चल कर बाप-बेटा एक दूसरे के प्रतिद्वंदी हो जाएंगे!

उनके गीतों में माधुर्य और सरलता समाई हुई थी। बर्मन कहा करते थे, ''मैं ऐसे गीत बनाना चाहता हूं जिसे मेरा नौकर भी गुनगुना सके।'' उन्हें सबसे अधिक प्रसन्न किया आम लोगों की प्रशंसा ने - श्रमिकों, मोची, ड्राइवर, पान के दुकानदार । कोई आश्चर्य नहीं कि एसडी ने लोगों की नब्ज पकड़ने के लिए एक सहज भावना विकसित किया करते थे।

वो बॉलीवुड में लोक संगीत के राजकुमार थे। जीवन के आरंभ में, उन्होंने ग्रामीण बंगाल का भ्रमण कर लोक धुनों और संगीत का एक संग्रह तैयार किया, जो उनके संगीतकार बनने के बाद बेशकीमती संग्रह साबित हुआ। देव आनंद ने कहा, ''कोई भी संगीतकार धुनों के इतने समृद्ध भंडार के साथ फिल्म जगत में नहीं उतरता है।''

एस डी बर्मन: द वर्ल्ड ऑफ हिज़ म्यूजिक नामक पुस्तक के लेखक खगेश बर्मन कहते हैं, ''उनके संगीत ने बारिश से भीगी धरती से उठती सौंधी खुशबू पर कब्जा कर लिया था।

किसी और चीज से अधिक, वह पूर्णतावाद की मिसाल थे। मन्ना डे ने कहा था कि एक गीत के लिए संगीत तैयार करने के ठीक बाद, ''वह इसे सुबह से रात तक गाते रहते, वह इसे चुनिंदा श्रोताओं के सामने परखते थे।''

बर्मन ने अनगिनत रत्नों का सृजन किया जिन्होंने वर्षों से आलोचकों और आम लोगों, दोनों को बराबर मंत्रमुग्ध किया है। यहां उनकी कृति की कुछ झलकियां दी गई हैं।

- *मेरा सुंदर सपना बीत गया* - गीता दत्त, 1947, *दो भाई।* इस हृदयविदारक बर्मन गीत की उदासी भरी धुन कभी भी इससे अधिक दिलकश नहीं थी जिसे 15 वर्षीय गीता रॉय (दत्त) पर फिल्माया गया था। इसने उन्हें सुपरस्टार बना दिया।
- *तदबीर से बिगड़ी हुइ तकदीर बना ले* - गीता दत्त। *बाज़ी,* 1952 एक गिटार बजाते हुए गीता बाली पर्दे पर देव आनंद को छेड़ती है। इस तेज़ गति वाले आकर्षक गीत ने दर्शकों को दीवाना बना दिया था।
- *ठंडी हवाएँ* - लता, *नौजवान,* 1950। एक गीत जिस में बर्मन-लता की जोड़ी का मादक प्रभाव है।
- *ये रात ये चांदनी फिर कहां* - *जाल,* 1952। वह गीत जिसने हेमंत कुमार को रातों-रात मशहूर कर दिया।

आशा भोसले के साथ।

- *जीवन के सफ़र में राही* - किशोर, *मुनीमजी,* 1954। गायक किशोर और अभिनेता देव में रोमांस का भाव था, ये प्रसिद्ध सड़क गीत में बर्मन द्वारा टैप किया गया था।
- *ये दुनिया अगर मिल भी जाए* - मोहम्मद रफ़ी, *प्यासा,* 1957। अन्याय और शोषण के खिलाफ एक लेखक का गरजता आक्रोश। रफी यह गीत एक मन्द सप्तक पर उठाते हैं और एक अद्भुत चरमोत्कर्ष तक ले जाते है। गुरुदत्त, बर्मन, रफ़ी की श्रेष्ठता।
- *चाँद फ़िर निकला* - लता, *पेइंग गेस्ट* 1957। यह मनमोहक धुन अपने प्रेमी के लिए एक युवा महिला की तड़प दर्शाती है। एसडी, लता और साधना का ये अमर गीत हैं।
- *इक लड़की भीगी भागी सी* - किशोर, *चलती का नाम गाड़ी,* 1958। इस फिल्म में बर्मन के संगीत ने अपनी विनोदपूर्ण धुनों से सभी को चकित कर दिया था । मधुबाला पर लक्षित यह किशोर का गाया ये एक मनमोहक रत्न है।
- *वक़्त ने किया* - गीता दत्त, *कागज़ के फूल,* 1959। एक प्रतिष्ठित गीत जिससे करुणा टपक रही है, एक प्रतिष्ठित फिल्म, गीता अपने श्रेष्ठ अभिनय में।
- *मेरे सपनों की रानी* - किशोर, *आराधना,* 1969। ट्रेन में शर्मिला के लिए राजेश खन्ना ने कार में गाया - एक गीत और फिल्म जिसने फिल्म संगीत में क्रांति ला दी थी और किशोर को शीर्ष पर पहुंचा दिया था।
- *सफ़ल होगी तेरी आराधना* - एस डी बर्मन, *आराधना,* 1969। बर्मन ने अपनी कई फिल्मों में मूड को गहरा करने या कहानी को आगे बढ़ाने के लिए पृष्ठभूमि में अपनी अनूठी आवाज का इस्तेमाल किया। इस गाने को बेस्ट सॉन्ग का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।
- *तेरे मेरे मिलन की ये रैना* - लता और किशोर, *अभिमान,* 1971, जहां संगीत एक युवा जोड़े को मिलाता है, वही

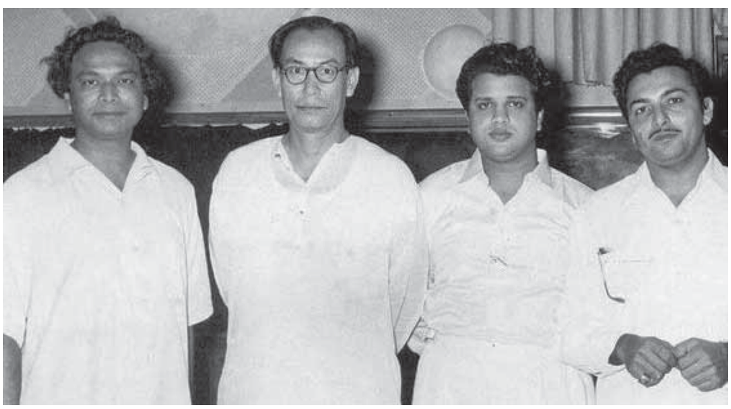

ऊपर से दक्षिणावर्तः एस डी बर्मन और आर डी बर्मन; किशोर कुमार के साथ; नौशाद, एस डी बर्मन, जयकिशन और मदन मोहन; देव आनंद के साथ।

अलग करता है और फिर से जोड़ता है। फिल्म के कई शानदार गानों में से एक। इस फिल्म ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ संगीत के लिए अपना दूसरा फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया था, पहला *टैक्सी ड्राइवर* के लिए था।

करियर रूपरेखा

बर्मन का जन्म 1906 में कोमिला में हुआ था, जो वर्तमान में बांग्लादेश में है, चार बेटों और पांच बेटियों के परिवार में वे सबसे छोटे हैं। उनके पिता त्रिपुरा के शाही परिवार से ताल्लुक रखते थे, उनकी मां मणिपुर की राजकुमारी थीं। इस संगीतकार ने कुछ वर्षों के बाद राजघराने से सभी संबंध तोड़ लिए। उन्होंने औपचारिक रूप से संगीत की शिक्षा कई गुरुओं से ली थी - अंधे गायक केसी डे, सारंगी वादक खलीफा बादल खान और सरोद वादक उस्ताद अलाउद्दीन खान।

उनके करियर की शुरुआत कलकत्ता में ऑल-इंडिया रेडियो के साथ एक गायक के रूप में और बंगाली फिल्मों में गायक और संगीतकार के रूप में हुई। 1944 में वो बॉम्बे चले गए। बॉम्बे में उनकी पहली बड़ी सफलता थी फिल्मिस्तान की फिल्म *दो भाई* (1947), - गीता रॉय (दत्त) का गीत *मेरा सुंदर सपना बीत गया,* छा गया था ।

1975 में उनका देहांत होने तक, बर्मन ने बॉलीवुड के कुछ सबसे यादगार गीतों की रचना की है। उपरोक्त वर्णित देव आनंद के गीतों के अलावा, उन्होंने गुरु दत्त के लिए भी उत्कृष्ट संगीत की रचना की - *प्यासा* (1957) और *कागज़ के फूल* (1959) के लिए, अस्तित्व की चिंता की आकर्षक प्रस्तुति। किशोर कुमार के लिए *चलती का नाम गाड़ी* (1958) शोख, नटखट और चुलबुले गानों ने संगीत की दुनिया में तूफान ला दिया। फिर 1959 में आई बिमल रॉय की *सुजाता।* इस फिल्म से *काली घटा छाये* (आशा), *जलते हैं जिसके लिए* (तलत महमूद) और *नन्ही कली सोने चली* (गीता दत्त), इन मनोरम धुनों को कौन भूल सकता है?

बर्मन ने 1960 के दशक में *बंदिनी (अब के बरस भेज भैया को बाबुल-आशा,* 1963), *गाइड* (1965), *ज्वेल थीफ* (1967) और कई अन्य फिल्मों में सम्मोहक गीतों के साथ संगीत की दुनिया में छाये रहे। आराधना (1969) हिंदी सिनेमा में एक मील का पत्थर थी। *बंदिनी* में, उन्होंने अविस्मणीय गीत के साथ अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की जो उन्होंने खुद गाया था, *मेरे साजन हैं उस पार।*

खराब स्वास्थ्य के बावजूद, उन्होंने 1970 के दशक में *शर्मीली* (1971) और *अभिमान* (1973) में अविस्मरणीय संगीत दिया। उसके बाद वह कोमा में चले गए और 1975 में 69 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई।

बर्मन और किशोर कुमार

बर्मन किशोर कुमार को बहुत पसंद करते थे। दोनों सनकी होने के नाते, उनके किस्से भी मजेदार हैं। एक दिन व्यस्त सार्वजनिक सड़क

बाएं से: फिल्म देवदास (1955) के रिकॉर्डिंग सत्र के दौरान बिमल रॉय, तलत महमूद, मोहम्मद रफ़ी और एस डी बर्मन।

सहजता

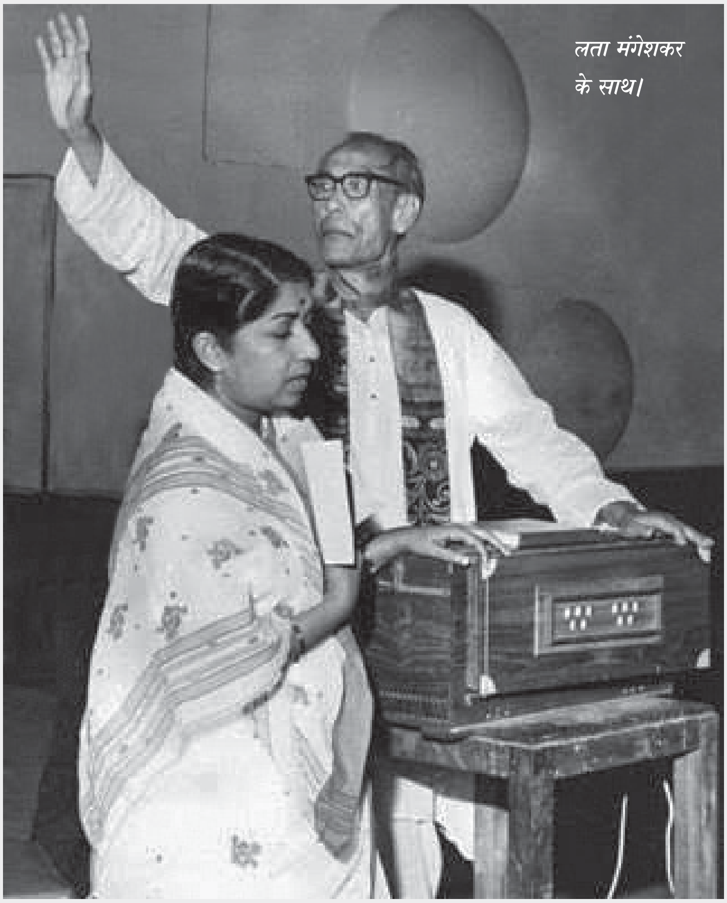

लता मंगेशकर के साथ।

बाज़ी (1951) की सफलता के बाद, एसडी बहुत व्यस्त हो गए थे और उन्होंने खुद को साल में तीन फिल्मों तक सीमित रखने का फैसला किया। एक निर्माता जो एसडी को लेने के लिए बहुत उत्सुक था, करेंसी नोटों का एक सूटकेस लेकर उनके पास गया। एसडी ने कहा: ''आप मुझे जितना चाहें उतना पैसा दे सकते हैं, लेकिन मेरा जवाब नहीं है।'' निराश होकर निर्माता चले गये। इस घटना के एक चश्मदीद ने टिप्पणी की कि एसडी को अधिक धन के मामले में और कुशल होना चाहिए था। उन्होंने उत्तर दिया, ''जब तुम किसी कुएँ से पानी निकालो तो संयम रखना, नहीं तो कुआँ सूख जाएगा। यह सिद्धांत संगीत की रचना के लिए भी सटीक है।''

सन 1946 में वे अगरतला के पास एक नाव पर सैर कर रहे थे। नाविक एसडी के बंगाली गाने गाने लगा। जब उसे मालूम चला कि उनका सवार ही इस गीत का रचनाकार है, तो वह बर्मन के चरणों में गिर गया और बोला, ''क्या आवाज है आपकी, कर्ता। ऐसा लगता है जैसे आपके कंठ में कोयल का वास है।''

जलते हैं जिसके लिए (*सुजाता* में तलत,1959), बॉलीवुड इतिहास में सबसे प्रसिद्ध एक टेलीफोन गीत, एसडी के अपने एक दोस्त के टेलीफोन गीत से प्रेरित था। बाद में उस दोस्त ने बताया था कि वह चाहते थे कि गीत कभी खत्म न हो।

''लोता'' बर्मन की सर्वकालिक पसंदीदा था। बर्मन ने एक बार कहा था, मिठास और रेंज में, लता की आवाज की मिसाल नहीं है। गीता दत्त के 44, रफी के 45, किशोर के 52, आशा के 75 की तुलना में लता ने उनके लिए 130 एकल गीत गाए। 1958 में लता और बर्मन के बीच *मिस इंडिया* के लिए एक गाने की री-रिकॉर्डिंग को लेकर गलतफहमी हो गई थी। जिसके बाद उन्होंने 1962 तक साथ काम नहीं किया। आशा भोसले को इस दरार का सबसे बड़ा फायदा मिला था। लेकिन एक बार जब उनका और लता का वापस मेल हो गया, तो लता फिर से उनकी शीर्ष गायिका बन गईं।

बंगाली लोग गायक एसडी को बहुत पसंद करते थे लेकिन उन्हें बंगाली फिल्मों में संगीतकार के रूप में ज्यादा सफलता नहीं मिली। कारण: वहां के श्रोताओं को उनके वही गाने पसंद थे जो वो खुद गाते थे!

अपने सफेद कुर्ते, पान की आदत के लिए एसडी मशहूर थे (उन्होंने अपना अमूल्य पान कभी किसी के साथ साझा नहीं किया, सिवाय लता के कभी-कभी जब वह किसी गाने की रिकॉर्डिंग से बहुत खुश होते थे), फुटबॉल के लिए उनकी दीवानगी (वे पूर्वी बंगाल के प्रशंसक थे) और अगर पूर्वी बंगाल एक मैच हार जाता है, खासकर पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों मोहन बागान से), तो शोक में डूब जाते और उस दिन उपवास भी रखते, उनका हिंदी का विचित्र उच्चारण जिसके बारे में वह पूरी तरह से अनभिज्ञ थे । वो लता को ''लोता'' बुलाते थे।

रफी के साथ।

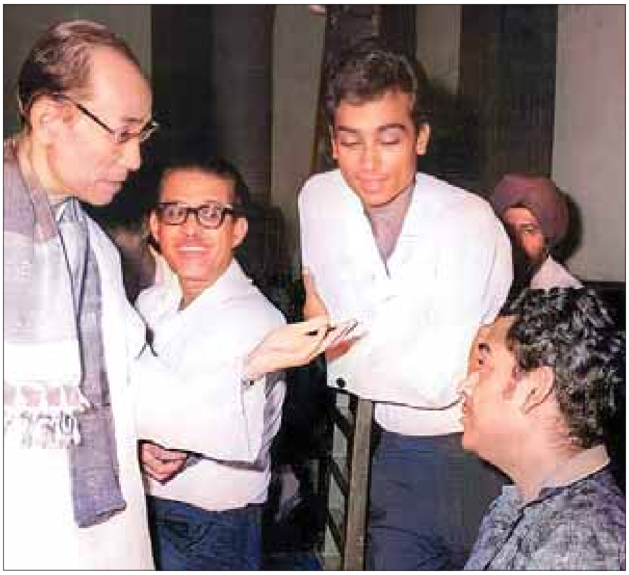

वी बलसारा, भूपिंदर सिंह और किशोर कुमार के साथ **प्रेम पुजारी** *(1970) के लिए* **यारो निलाम करो सुस्ती** *गाने की रिहर्सल करते हुए।*

पर कार में उनकी किशोर से मुलाक़ात हो गई। बर्मन ने बात शुरू कर दी और किशोर को अपनी एक नई धुन सुनाने के लिए कहा। गाड़ियों के हॉर्न बजने और ड्राइवरों के शोर मचाने और किशोर के मना करने के बावजूद वो टस से मस नहीं हुए और गाना खत्म होने पर ही माने।

एक और मौके पर, भरी सड़क पर बर्मन एक ट्रैफिक सिग्नल पर किशोर की कार में सवार हो गए और ड्राइवर से शहर के बाहरी इलाके में जाने के लिए बोले। ''दादा, मैं रिकॉर्डिंग के लिए जा रहा हूँ,'' किशोर ने कहा। ''इसे कैंसिल कर दो। देखो, मौसम कितना अच्छा है, चलो प्रकृति का आनंद लें।'' वे शहर के बाहरी क्षेत्र में घास के मैदानों के बीच पहुँचे। बर्मन खेतों में मिट्टी की मुंडेर के पास गए और गाने लगे, फिर नाचने लगे और किशोर को भी शामिल होने के लिए कहा। किशोर ने याद करते हुए कहा, ''मेरी सांस फूल गई थी लेकिन दादा बिलकुल ठीक थे।''

1975 की बात है बर्मन बहुत बीमार पड़ गए थे। डॉक्टर उन्हें अस्पताल में भर्ती करना चाहते थे लेकिन उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया कि उन्हें *मिली* फिल्म में एक किशोर गीत की रिकॉर्डिंग करवानी है। जब किशोर ने अपना गला खराब होने का नाटक किया तो वो बोले, बेहतर ये रहेगा कि तुम अस्पताल चले जाओ। जब तक तुम वापस आओगे मैं भी ठीक हो जाऊंगा, फिर रिकॉर्ड करेंगे।

लेकिन बर्मन घर नहीं लौटे। किशोर ने अस्पताल में उन्हें बिस्तर पर ही *मिली* के गाने की रिकॉर्डिंग सुनाई जिसे उन्होंने बड़े उत्साह पूर्वक स्वीकृत किया था। कुछ दिनों बाद ही उनका निधन हो गया।

त्रिपुरा की शाही विरासत को बर्मन ने भले ही त्याग दिया हो लेकिन दुनिया भर में वो अपने लाखों प्रशंसकों के लिए एक चिरस्थायी संगीत विरासत का निर्माण कर गए।

गीता दत्त, गुरु दत्त और आर डी बर्मन के साथ।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और रोटरी क्लब मद्रास साउथ के सदस्य हैं।

शब्दों की दुनिया

नई दुनिया की तलाश

संध्या राव

किताबें आपको कहीं भी और किसी भी जगह ले जाएंगी, फुरसत के लम्हों में, आपकी ख़ुशी के लिए। बस या ट्रेन पकड़ने की ज़रूरत नहीं है यहां तक कि हवाई जहाज़ में बैठने की भी नहीं।

मकाल्पनिक कथा वो झूठ है जिसके माध्यम से हम सच कहते हैं...''फ्रांसीसी (अल्जीरियाई जन्म के) दार्शनिक, लेखक, नाटककार अल्बर्ट कैमस का यह बयान ज़रा उकसाने वाला है। जरा सोचिये। पाठक इस बात पर अक्सर विचार करते हैं कि वे क्या पढ़ते हैं, क्यों पढ़ते हैं, कैसे पढ़ते हैं, और इसके बाद विचारों की ट्रेन आगे बढ़ती जाती है। जाने-माने विख्यात लोगों ने पढ़ने पर और पुस्तकालयों पर टिप्पणी की है। *द मार्जिनलिनियन* में एक लेख में, मारिया पोपोवा कहती हैं: मगैलीलियो ने पढ़ने को मनुष्य की अलौकिक शक्ति के रूप में देखा था। काफ्का के लिए, किताबें हमारे भीतर जमे हुए समुद्र के लिए कुल्हाड़ी का पर्याय थीं; कार्ल सागन ने उन्हें उस साक्ष्य के रूप में माना कि जिससे मनुष्य जादू करने में सक्षम होते हैं; जेम्स बाल्डविन ने उनमें अपने भाग्य को बदलने का एक तरीका पाया; पोलिश नोबेल पुरस्कार विजेता विस्लावा सिम्बोर्स्का के लिए, वे ''हमारी स्वतंत्रता की चरम सीमा के रूप में खड़ी थीं।''

लेखक नील गैमन ने, द रीडिंग एजेंसी के लिए एक व्याख्यान में कहा था : ''फिक्शन आपको एक अलग दुनिया के दर्शन करवा सकता है। यह आपको वहां ले जा सकता है जहां आप कभी नहीं गए। एक बार जब आप दूसरी दुनिया में चले जाते हैं, जैसे कि वे जो परी फल खाते हैं, तो आप उस दुनिया से पूरी तरह कभी भी संतुष्ट नहीं हो सकते जिसमें आप पले बढे हैं। और हाँ, असंतुष्ट होना अच्छी बात है: अगर लोग असंतुष्ट हैं तो वे अपनी दुनिया में रूपांतरण कर उसे और बेहतर बना सकते हैं, बेहतर छोड़ कर जा सकते हैं, उन्हें अलग दिखा सकते हैं।''

हाल ही में मैंने जो दो किताबें उठाई हैं, वो मुझे एक बिलकुल अलग दुनिया से परिचय कराने का वादा करती हैं, जो आकर्षक लग रही हैं और उसे पढ़ने के लिए अब मैं और इंतजार नहीं कर सकती। पहली कल्पना पर आधारित है, एक किताब जो वाशिंगटन डीसी में किताबों से भरी दुकान में अलग से दिख रही थी। एक दिन कनेक्टिकट एवेन्यू से चिड़ियाघर के रास्ते में गाड़ी चलाते हुए, हरे फसाड के सामने लिखे *पॉलिटिक्स एंड प्रोज़* पर नज़र पड़ गई, और मैंने इसकी एक तस्वीर भी ली थी। कुछ दिनों बाद, हमें वहाँ जाने का मौका मिला - दुकान बंद होने से बस थोड़ी देर पहले, हालांकि, उन कुछ ही क्षणों में, मेरी नज़रों ने वहां प्रदर्शित दो तालिकाओं के रोमांचक, अपरिचित शीर्षकों पर सरसरी नज़र दौड़ा दी, मेरे हाथों ने कुछ किताबें भी टटोलीं और अंततः सारा नोविक की लिखी *ट्रू बिज़* को उठा लिया। शीर्षक का अर्थ क्या हो सकता है?

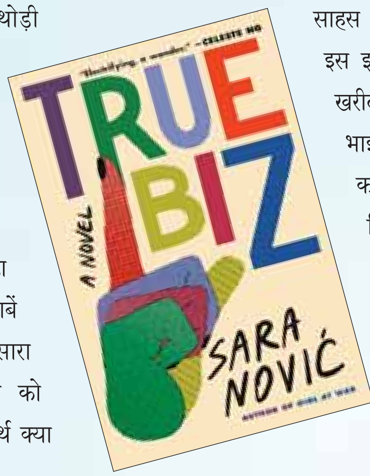

इसके पिछले कवर पर एक स्पष्टीकरण छपा था, कि उक्ति अमेरिकी सांकेतिक भाषा में एक विशेषण / विस्मयादिबोधक है जिसका अर्थ है मवास्तव में, गंभीरता से, निश्चित रूप से, सच्ची बातफ। ये उपन्यास, लिखा था, म आगे एक बोर्डिंग स्कूल में एक महिला शिक्षक और उसके बधिरों छात्रों के रोमांटिक उतार चढ़ाव, राजनीतिक और पारिवारिक परिवर्तन के एक वर्ष का घटना क्रम है।फ

मैंने अभी किताब पढ़ना शुरू ही किया है। यह एक कक्षा में एक छोटी लड़की के वर्णन के साथ शुरू होता है जो एक नुकीली पेंसिल से अपने कान में छेद कर लेती है। जहां बच्चे इस का मजा लेते हैं, शिक्षक बच्चे की मपारिवारिक परिस्थितियोंफको लेकर अधिक चिंतित होते हैं। मवास्तव में, फरवरी के पिता उसे जब लेने आये तो उसने उन्हें समझाया, वह ज़रा भी परेशान नहीं थी, बस थक गई थी वो टाइम टेबल को सुन सुनकर, उसकी मेज के ऊपर टूटी हुई रोशनी की भनभनाहट, फर्श के ऊपर लोहे की कुर्सियों की खड़खड़ाहट। पिता नहीं जानता था कि उसकी बेटी ने जो कहा, 'हर समय आवाज़ें सुनना, वो कैसा महसूस होता था, और इसके साथ ही वो आगे बहस नहीं कर सका।'

पुस्तक खरीदने के अगले दिन, मैं पति के साथ न्यू जर्सी गई थी, जहाँ एक शाम एक समारोह में, मेरा चचेरा भाई मुझे एक युवती से मिलाने के लिए अलग ले गया, जिसे वो बहुत ही मानता था। उसने और कुछ नहीं कहा और जब हम मिले, तो वो बहुत आकर्षक लगी थी: वास्तव में कुछ ख़ास बात थी उसमें। बाद में भाई ने बताया कि वह जन्म से बधिर थी और अपनी चुनौतियों का सामना उसने साहस और सम्मान के साथ किया था। इस इत्तेफाक के चलते, मैंने *ट्रू बिज़* खरीदने का ज़िक्र किया; मेरा चचेरा भाई तुरंत भाग के गया और उस कार को इशारे से रुकने को कहा, जिसमें युवती और उसकी माँ जा रही थी और मुझसे बोला, म उन्हें बताओ। उन्हें बताओ।फ मैंने उन्हें किताब के बारे में बताया और कहा कि मैंने अभी इसे पढ़ना शुरू ही किया था और उसमें कॉक्लियर इम्प्लांट्स का जिक्र था और युवती ने अपने कानों की ओर इशारा करते हुए कहा, 'ओह, मेरे पास भी कॉक्लियर इम्प्लांट है...'

अप्रत्याशित लाभ? यह किताब मुझे अभी-अभी मिली थी और अब, मैं न केवल एक उपन्यास पढ़ रही थी जो बधिरों की दुनिया खंगाल रही थी, बल्कि उस दुनिया के किसी व्यक्ति से भी मिली थी! क्या कहूँ मैं? किताबें आपको वहां पहुंचा देती हैं जहां आपने कभी सोचा भी नहीं कि आप वहां होंगे।

दूसरी किताब, नॉनफिक्शन, कवर के निचले भाग में, *द न्यूयॉर्क टाइम्स* द्वारा समर्थन के शब्द लिखे हैं : 'कठोर और दिलचस्प... भाषाएँ, जैसा कि यह पुस्तक स्पष्ट करती है, दुनिया के बारे में बताती हैं, व्यक्त करती है।' इस बार एक और दुनिया, एक साहित्य, संस्कृति और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सांस्कृतिक इतिहासकार जिंग त्सू द्वारा रचित, *किंगडम ऑफ़ कैरेक्टर्स,* यह बात करती है 'भाषा क्रांति जिसने चीन को आधुनिक बनाया' के बारे में। क्या? आप पूछ सकते हैं। फिर से पिछले कवर से उद्धृत करते हुए, जिंग त्सू मतर्क देते हैं कि चीन की सबसे कठिन चुनौती थी भाषा: वैश्विक व्यापार और डिजिटल प्रौद्योगिकी की आधुनिक दुनिया के लिए क्लिष्ट चीनी भाषा को सुगम बनाने के लिए चली शताब्दी-लंबी लड़ाई।' पुस्तक में, त्सू 'बताते हैं कि भाषा किस प्रकार एक तकनीक है जिसमें प्रवीण होना है और साथ ही एक सूक्ष्म लेकिन प्रबल शक्ति जिसका प्रयोग और विस्तार किया जाना है।'

हम चीनी, कोरियाई, फ़ारसी हस्तलिपि और उन संस्कृतियों में उनके महत्व से परिचित हैं। लेकिन मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी कि हुआ गुओफेंग, हू जिंताओ और शी जिनपिंग सहित चीनी राष्ट्राध्यक्ष अक्सर आधिकारिक अवसरों पर कुछ पात्र या शुभ वाक्यांश अपने ब्रश से पेंट किये हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि *पीपुल्स डेली* के मास्टहेड पर माओ रचित हस्तलिपि का उपयोग किया जाता है। जैसा कि पुस्तक के परिचय में अंकित है, '... चीनी संदर्भ में, साक्षरता का अर्थ केवल पढ़ना और लिखना जानने से कहीं ज्यादा होता है। इसने ये कई पारंपरिक चीजों की ओर संकेत करता है : क्लासिक्स, पूर्वजों की विद्वता, ग्रन्थ और ज्ञान के चिन्ह; स्व के आध्यात्मिक उत्थान की विधियां; एक विशिष्ट।

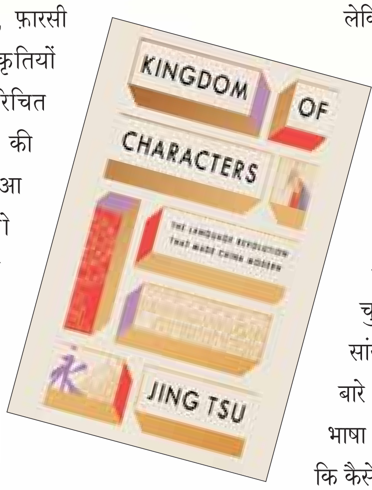

विधि जिसके माध्यम से आंतरिक चरित्र, विचारों और भावनाओं पर विजय पाई जा सकती है, अभिव्यक्त किया जा सकता है।

लेकिन यह समृद्ध, प्राचीन, परिष्कृत भाषा वर्णों, स्ट्रोक्स और लयबद्ध विविधताओं से बनी सांस्कृतिक और भाषाई सूक्ष्मताओं का एक ऐसा जटिल जाल था कि इसे डिकोड करना और प्रसारित करना एक बड़ी चुनौती थी। यह पुस्तक चीन के सांस्कृतिक आयाम और परिवेश के बारे में बताती है, क्योंकि यह उसकी भाषा की जड़ों में निहित है और देखें कि कैसे 'जमीनी स्तर से लेकर आधुनिक राज्य के उच्चतम स्तर तक, बुद्धिजीवी, शिक्षक, इंजीनियर, रोज़मर्रा के नागरिक, सनकी आविष्कारक, कर्तव्यबद्ध लाइब्रेरियन, और भाषा सुधारकों ने समाधान की खोज करते हुए सहस्राब्दी की सबसे असाधारण क्रांतियों में से एक की शुरुआत की।' किसका समाधान? भाषा और इसकी लिपि को व्यावहारिक बनाने के लिए 'पश्चिमी विज्ञान की विभिन्न शाखाओं और बिजली से चलने वाले संचार के नए तरीकों से तेजी से बदलती आधुनिक दुनिया में, जो टेलीग्राफ से शुरु हुई थी।'

इस की प्रस्तावना में दिए गए दो छोटे उद्धरण कहते हैं। एक है लू शुन, जिन्हें आधुनिक चीनी साहित्य का जनक कहा जाता है, जिन्हें 1936 में यह कहते हुए उद्धृत किया गया है कि, 'यदि चीनी लिपि नहीं चली, तो चीन निश्चित रूप से नष्ट हो जाएगा।फ यह चीन की भाषा को 'सरल' बनाने के काम की विशालता का उचित संकेत देता है।' दूसरा काम चेन मिंगयुआन का है जो एक कवि, भाषाविद, गणितज्ञ और कंप्यूटर वैज्ञानिक हैं। उन्हें 1980 में यह कहते हुए उद्धृत किया गया है कि 'कंप्यूटर आखिरकार चीनी भाषा को संसाधित करने में सक्षम हैं! वर्गाकार अक्षरों की जय हो!'

टू बिज़ और *किंगडम ऑफ़ कैरेक्टर्स* को बैठ कर पढ़ने की आशा, नई खोज और चीजों को कारगर बनाने के लिए विचारों के क्रियान्वयन की संभावनाओं से भरी हुई है। आगे ऐसी ही एक दावत इंतज़ार कर रही है! एक दावत मुझे आशा है ज़रूर बेचैन करेगी।

संध्या राव

पालटिक्स एंड प्रोज़, वाशिंगटन डीसी में एक किताबों की दुकान।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दाँतों के लिए ज्ञान

भरत और शालन सवुर

ईमानदारी से कहूँ तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि दाँत हमारे स्वास्थ्य के लिए इतने महत्वपूर्ण होते हैं, वे इतने सख्त, कड़े और मजबूत होते हैं, इसका एहसास हमें तब होता है जब कभी गलती से आपकी जीभ दाँतों से कट जाती है लेकिन तथ्य यह है कि दाँत कमजोर होते हैं। यदि हम अपने मुँह की सफाई का ध्यान न रखें तो न केवल हमारे दाँत गिर सकते हैं, बल्कि दाँतों का भयानक दर्द हमें आधी रात को जगा भी सकता है। यहाँ तक कि यदि हम एक एंटिबायोटिक क्रीम लगाते हैं या कोई दर्द निवारक दवा लेते हैं तो हमारी नींद बाधित हो जाती है और हम थके हुए उठते हैं।

क्या हुआ कि हमारे मसूढ़े सूज गए- मसूढ़ों में सूजन तब होती है जब हमारे खून की नलियाँ सामान्य स्थिति से बदलकर हानिकारक बैक्टीरिया और भोजन के कणों से लड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं। हालांकि इस सूजन से तनाव होता है और हृदय की गति बढ़ जाती है, हृदय तेजी से पंप करने लगता है और एड्रनिल ग्रंथी एड्रनिल का स्राव करने लगती हैं।

यहाँ तक कि इसका हमारे दिमाग पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मसूड़ों की बीमारी आत्मसम्मान कम कर देती है, चिंता और अवसाद का कारण बन जाती है, आत्मविश्वास कम हो जाता है। यह एक धीमी प्रक्रिया है जिसमें आपको भोजन में कोई दिलचस्पी नहीं रह जाती और आप अपने परिवेश के प्रति उदासीन हो जाते हैं।

तो आप अपने आप को इस दुखद अवस्था को आधे रास्ते तक भी पहुँचने की अनुमति न दें। अपने दाँतों और मसूढ़ों की ऐसी देख- भाल करें जिसके वे हकदार हैं। अपने यह अंग्रेज़ी चुटकुला सुना होगा- At what time do people go to the dentist? At tooth-hurty. अपने दाँतों की उपेक्षा न करें। कुछ चीजें अपनाकर अपने आप को पुरस्कृत करें और आराम से रहें, इस प्रकार:

- **अपने दांतों को ब्रश किए बिना कभी न सोएँ-** पूरे दो मिनट सर्कुलर मोशन में शांति पूर्वक ब्रश करें। अपने जीभ को भी ब्रश करें या आर्च्ड टंग क्लीनर से जीभ की सफाई करें, जो कि केमिस्ट के यहाँ मिल जाती है।
- **फ्लोराइड टूथ पेस्ट का ही उपयोग करें-** दांतों का सफेद होना और पेस्ट में स्वाद होना खास मायने नहीं रखता, फ्लोराइड का होना मायने रखता है क्योंकि यह बैक्टीरिया को मारता है और कैविटी बनने से रोकता है।
- **दांतों के बीच फंसे भोजन के कणों को हटा दें-** यह मसूड़ों को ठीक रखता है एवं सूजन से बचाता है।
- **प्रत्येक भोजन के बाद कुल्ला करें-** आपने अच्छा भोजन किया है , अब एक कौर पानी लें, जोर से हिलाएँ और उसे थूक दें फिर छोटे- छोटे टुकड़ों और मसालों को बाहर निकाल दें।
- **चीनी, एसीडिक खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करें -** चीनी, एसिड बनाने के लिए दाँतों के परत के बैक्टीरिया के साथ मिलकर इनामेल को खत्म कर देता है। एसिड कम करने के लिए पानी पीएं।
- **धूम्रपान न करें-** धूम्रपान टीशू को जल्दी ठीक होने से रोकता है और संक्रमण को आमंत्रित करता है। संक्षेप में- तंबाकू नहीं, मसूड़ों की कोई बीमारी नहीं।
- **मजबूत दाँतों के लिए सुपर फूड खाएं-** दूध, दही या पनीर के साथ भोजन समाप्त करें। इनमें कैल्शियम और फास्फेट होते हैं जो दांतों को फिर से मिनरलाइज करते हैं और

इनामेल बनाने में मदद करते हैं। एक गिलास पानी के साथ कुरकुरे पदार्थ खाएं। इस तरह से लार निकलता है, दाँत साफ रहते हैं और पानी दाँतों पर जमे परत , बैक्टीरिया को दूर करता है। यदि आप मछली का आनंद लेते हैं तो डिब्बाबंद सालमन मछली खाएं, इसमें भरपूर फास्फोरस होता है जो दांतों के इनामेल की रक्षा करता है। इसके अलावा- ब्लैक टी, ग्रीन टी, और दांतों के काफी दोस्त हैं- पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ये सेल को खराब होने से रोकते हैं , सूजन को कम करते हैं और कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं। स्ट्राबेरी में विटामिन सी, एंटिऑक्सीडेंट और मैलिक एसिड होता है जो दांतों को कुछ सफेद भी करता है। पीले दांतों को लेकर चिंतित न रहें, यह स्वाभाविक है- कुछ दाँत सफेद होते हैं और कुछ पीले, जैसे अलग-अलग त्वचा के रंग होते हैं।

- **मुँह में किसी भी तरह की तकलीफ होती है तो डेन्टिस्ट को दिखाएँ-** विशेषज्ञों का कहना है कि यह हानिकारक बैक्टीरिया खून और फेफड़ों में चला जाता है, कृपया ऐसा न करें।

यदि दांतों में कुछ महसूस न हो तो उसे रूट कनाल के उपचार की जरूरत है। मेरा एक दाँत छटक गया था और उसे रूट- कनाल द्वारा बचाया नहीं जा सकता था, इसलिए हमने उसे निकालने का विकल्प चुना, चिकित्सा प्रगति के कारण वह दर्द रहित था।

दाँत न पीसें और न किटकिटाआएं

एक और महत्वपूर्ण तथ्य जिसे नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि तनाव आपके दांतों को किस तरह से प्रभावित करता है। क्या आपने यह ध्यान नहीं दिया कि जब आप क्रोधित होते हैं तो आप अपने जबड़े को किस तरह से जकड़ लेते हैं? और अगर आप अक्सर सिर दर्द के साथ सुबह उठते हैं या बेचैनी और थकान महसूस करते हैं, तो ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि आप सारी रात दाँत पीसते और किटकिटाते रहे हैं। आप इसे कैसे रोक सकते हैं? स्पष्ट जवाब है कि आप अपने जीवन में तनाव को कम करें। यदि आप तनाव पैदा करने वाली परिस्थितियों को बदल सकते हैं तो उन्हें बदल डालें , आप योग क्लासेस से जुड़ जाएँ या गुनगुने पानी में स्नान करें। शाम के समय उत्तेजक चीजें जैसे- टी वी समाचार, सोशल मीडिया की उल-जलूल बातों से, कैफीन, सिगरेट, बहस, शराब से बचें।

यदि आपको जबड़े में दर्द हो, चबाने में कठिनाई हो, जबड़ों के जोड़ों में क्लिक हो, कान के आस- पास दर्द हो तो आप अपने डेंडिस्ट से भी इसे दिखा सकते हैं। यह टीएमजे के कारण हो सकता है। टीएमजे, टेम्पोरोमेंडिबुलर जाइंट आपके जबड़े को आपके सिर से जोड़ता है। हम अपने जबड़े को अगल-बगल, ऊपर- नीचे घुमा सकते हैं, बात कर सकते हैं, चबा सकते हैं, हंस सकते हैं, जम्हाई ले सकते हैं। जब हम अपने दाँत पीसते हैं तो दर्द जबड़े की मांसपेशियों से सिर तक फैल जाता है, जिससे सिरदर्द होता है। ऐसे में डेन्टिस्ट किसी भी प्रकार की कोई दवा या कोई भी तरीका नहीं अपनाता है। जरूरत होती है तो बस एक नाइट- गार्ड की जो ऊपरी और निचले दाँतों को अलग रखने के लिए बनाया गया है। मेरी सलाह है कि आप अपने अनुसार इसे बनवाएँ।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और*
बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली
डिवाइन *के लेखक है और* फिटनेस
फॉर लाइफ *कार्यक्रम के शिक्षक है।*

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब मनोरा पट्टुकोट्टई - रो ई मंडल 2981

डीजी वी सेल्वनादन ने मल्लीपट्टिनम गांव के एक तटीय क्षेत्र में क्लब द्वारा चलाए गए मैंग्रोव वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।

रोटरी क्लब दिल्ली अनंता - रो ई मंडल 3012

केईआई इंडस्ट्रीज से प्राप्त ₹24.3 लाख के सीएसआर अनुदान की मदद से घोरी बछेरा गांव के श्री गांधी इंटर कॉलेज का नवीनीकरण किया गया।

रोटरी क्लब श्रीरंगम - रो ई मंडल 3000

क्लब ने पुली मंडपम रंगनाथ स्कूल के बच्चों के लिए 100 घंटे की स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं आयोजित की। राज्य स्कूल शिक्षा मंत्री महेश पोय्यामोळी ने छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर प्रमाण पत्र वितरित किए।

रोटरी क्लब अकोला - रो ई मंडल 3030

प्रोजेक्ट रीड विद मी कम आय वाले परिवारों के बच्चों में पढ़ने और लिखने के कौशल को विकसित करने की एक सतत पहल है।

रोटरी क्लब गुड़गांव कुतुब एन्क्लेव - रो ई मंडल 3011

सीएसआर निधियन की मदद से वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए विभिन्न सुविधाओं में चार सौर संयंत्र और 39 सौर लाइटें स्थापित की गईं।

रोटरी क्लब अहमदाबाद मैजेस्टी - रो ई मंडल 3054

225 जैन ननों के लिए क्लब के एक सदस्य और स्त्री रोग विशेषज्ञ मुकेश बाविशी ने स्तन कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब हनुमानगढ़ सिटी - रो ई मंडल 3090

पाथकाइंड लैब के साथ साझेदारी में आयोजित एक चिकित्सा शिविर में 70 से अधिक रोगियों की बीपी और रक्त शर्करा के लिए जांच की गई।

रोटरी क्लब पुणे लक्ष्मी रोड - रो ई मंडल 3131

हैप्पी स्कूल परियोजना के अंतर्गत मामासाहेब मोहोल विद्यालय, वारजे को विज्ञान प्रयोगशाला सामग्री और बेंच दान की गई।

रोटरी क्लब मेरठ प्रभात - रो ई मंडल 3100

वैदिक आश्रम और केएस पब्लिक स्कूल, सिसोली में बच्चों को नुटेमा अस्पताल और कल्याणी पैथ लैब के साथ साझेदारी में स्टैशनेरी और स्कूल यूनिफ़ॉर्म वितरित की गई।

रोटरी क्लब कराड - रो ई मंडल 3132

कराड में कोयना वसाहट पंचायत के सहयोग से कोटनिस सभागृह में आयोजित एक दंत जांच शिविर में 120 लोगों की जांच की गई।

रोटरी क्लब विंध्याचल - रो ई मंडल 3120

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक शिविर का उद्घाटन किया जहाँ 220 विकलांगों को कृत्रिम अंग और कैलिपर वितरित किए गए।

रोटरी क्लब ठाणे घोडबंदर रोड - रो ई मंडल 3142

डीजी कैलाश जेठानी ने डीपीओ के नेट कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी में नैदानिक केंद्र का उद्घाटन किया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब स्मार्ट हैदराबाद - रो ई मंडल 3150

दो अन्य रोटरी क्लबों और एक फ्री मेसन क्लब के साथ एक संयुक्त परियोजना के अंतर्गत डीजी तल्ला राजशेखर रेड्डी द्वारा नीलोफर अस्पताल के नवजात आईसीयू को ₹1 लाख के उपकरण प्रदान किए गए।

रोटरी क्लब मुदिगेरे - रो ई मंडल 3182

सरकारी प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के 190 विद्यार्थियों को चश्मे वितरित किए गए।

रोटरी क्लब दवानगेरे विद्यानगर - रो ई मंडल 3160

एक वैश्विक अनुदान के अंतर्गत सरकारी महिला एवं बाल अस्पताल को नवजात शिशु संबंधी उपकरण प्रदान किए गए।

रोटरी क्लब बैंगलोर पामविले - रो ई मंडल 3190

मधुमेह प्रबंधन के लिए कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड रिसर्च को चिकित्सा उपकरण (₹25 लाख) दान किए गए। साथ ही 30 डायबिटिक बच्चों के लिए एक वर्ष केलिए इंसुलिन (₹10 लाख) प्रायोजित की जा रही हैं।

रोटरी क्लब होनावर - रो ई मंडल 3170

ई-पाठशाला परियोजना के लिए धन एकत्रित करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए दो दिवसीय ऑटो एक्सपो 2023 में 5,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

रोटरी क्लब त्रिचुर कल्चरल सिटी - रो ई मंडल 3201

राजकीय आदर्श बालिका उच्च विद्यालय में हाथों की धुलाई का एक स्टेशन और एक आरओ इकाई का उद्घाटन किया गया। इन WinS परियोजनाओं ने 15 स्कूलों के 25,000 छात्रों को लाभान्वित किया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब पोल्लाची - रो ई मंडल 3203

छात्रों के लिए स्वच्छता एवं सफाई सुनिश्चित करने के लिए सरकारी हाई स्कूल, गोलापट्टी में ₹9 लाख की लागत से दो शौचालय खंड बनाए गए।

रोटरी क्लब मद्रास माउंट - रो ई मंडल 3232

व्यावसायिक केंद्र से छह महीने के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण 33 उम्मीदवारों को सिलाई मशीनें वितरित की गई।

रोटरी क्लब चेंगन्नूर - रो ई मंडल 3211

एक अनाथालय को साइकिलें दान की गईं जिसमें 16 लड़कियां रहती हैं।

रोटरी क्लब जमशेदपुर मिड टाउन - रो ई मंडल 3250

लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल कॉलेज, जमशेदपुर के 200 रोटरेक्टरों और छात्रों को मेन्स्ट्रल कप वितरित किए गए।

रोटरी क्लब तिरुनेलवेली टाउन - रो ई मंडल 3212

क्लब ने मुंद्रादईप्पु गांव में देवा विशेष गृह में रहने वाले मानसिक रूप से विकलांग 40 लोगों के लिए दोपहर का भोजन प्रायोजित किया।

रोटरी क्लब कलकत्ता मेट्रो सिटी - रो ई मंडल 3291

एम्बेसडर के रूप में पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर और संतूर वादक तरुण भट्टाचार्य के साथ एक थैलेसीमिया जागरूकता अभियान शुरू किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

क्या आप घमंडी हैं?

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

घमंड कई प्रकार का हो सकता है। वो इसलिए क्योंकि व्यक्ति स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझता है क्योंकि वह किसी सामाजिक पृष्ठभूमि विशेष से संबंध रखता है या फिर किसी ब्रांडेड स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और पेशे से ताल्लुक रखता है। या फिर आप उन लोगों से अपनेआप को इसलिए बेहतर समझते हैं क्योंकि वो अंग्रेजी नहीं बोल सकते हैं या अगर बोलते भी हैं तो उनका उच्चारण सही नहीं होता। और ऐसा इसलिए भी हो सकता है क्योंकि आपकी राजनीतिक अवधारणा अलग हैं। या इसलिए कि आप कुछ खास तरह के कपड़े पहनते हैं। या इसलिए कि आप कोई विशेष व्हिस्की पीते हैं और केवल सामन मछली खाते हैं। और अक्सर इसकी वजह वो इलाका होता है जहां आप रहते हैं।

कई संस्थाएँ इस घमंड को बढ़ावा देती हैं। स्कूल और कॉलेज के नाम से पहले 'सेंट' लगाना आज भी पसंद किया जाता है। इस संबंध में एक चिर परिचित ब्रिटिश विश्वविद्यालय बहुत बड़ा दोषी है। इसकी चार जातियाँ हैं: स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट के उम्मीदवार और विदेशी और यह अवरोही क्रम में है। यह सुनकर मैं दंग रह गया। उन्होंने कहा कि अंतिम तीन के बारे में तो हम कुछ नहीं कह सकते लेकिन स्नातक में प्रवेश से पहले, उनका चुनाव हम करते हैं, वे सर्वश्रेष्ठ होते हैं।

सबसे बुरे लोग शायद मेरे जैसे हैं जो इन सभी को इकट्ठा कर देते हैं बेशक, एक या दो को छोड़कर। लेकिन मुझे इसमें कोई तकलीफ नहीं है: मैं एक घमंडी व्यक्ति हूं जो ये महसूस करता है कि अगर मैं दूसरों को मित्रता करने की अनुमति देता हूं तो उन्हें मेरा आभारी होना चाहिए। हालाँकि, मेरा यह रवैया केवल पुरुषों तक ही सीमित है। तो अब आप मेरे दुख की कल्पना कीजिए जब दूसरे दिन ना केवल मैं अपने से भी बड़ी घमंडी से मिला बल्कि दो महिलाएं मिलीं थीं और कॉलेज में मेरी कक्षा में साथ पढ़ती थीं जो बोली कि उन दिनों लोग बड़ी मुश्किल से मुझे झेल पाते थे। इसने मेरी व्यक्तिगत छवि को आघात पहुंचाया था।

वह व्यक्ति जो मुझसे भी बड़ा घमंडी था, जब मैंने उसे कहा कि मैं गुड़गांव में रहता हूं, जो दिल्ली से सटा हुआ है, लेकिन हरियाणा में है। ''ओह, सबर्ब्स (उपनगर) में,'' उन्होंने मुंह बनाते हुए कहा। उनका मतलब साफ था: अगर आप दिल्ली में नहीं रहते तो आप आपकी कोई गिनती नहीं, कोई महत्त्व नहीं है। फिर उसने मुझसे मेरी ''आवासीय इकाई घर'' के बारे में पूछा। मैंने कहा पहले तुम अपने बारे में बताओ। पता चला कि वह एक उच्चवर्गीय लेकिन व्यस्त और भीड़भाड़ वाले इलाके की कम ऊँची इमारत में में एक बहुत छोटे से फ्लैट में रहता था। मैंने उसे बताया कि मैं एक तीन मंजिला घर में रहता हूं, जिसके परिसर में एक बड़ा बगीचा है, जो एक जंगल जैसा दिखता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्होंने इन सब बातों को कोई महत्व दिया । उनका विचार था दक्षिण दिल्ली में 1,200 वर्ग फुट का फ्लैट जिसका कारपेट एरिया 1000 वर्ग फुट है सामाजिक श्रेष्ठता का प्रतीक है, भले ही आप कहीं साइकिल तक न खड़ी कर सकें। जब मैंने अपनी पत्नी को यह बताया, तो बोली कि मैं अपनी पृष्ठभूमि, शिक्षा और नौकरी के कारण बिल्कुल ऐसा ही हूं। ''आप एक चर्चमाउस की तरह गरीब हैं लेकिन इसके बावजूद घमंडी हैं।'' क्रूर महिला ... लेकिन, जैसा कि बार्ड ने अपने नाटक में लिखा है, ''भले ही ये अच्छी नहीं, भगवान, लेकिन है तो मेरी अपनी।''

मैं एक घमंडी व्यक्ति हूं जो ये महसूस करता है कि अगर मैं दूसरों को मित्रता करने की अनुमति देता हूं तो उन्हें मेरा आभारी होना चाहिए। हालाँकि, मेरा यह रवैया केवल पुरुषों तक ही सीमित है।

जहाँ तक उन दोनों महिला सहपाठियों का सवाल है, उनकी शिकायत यह थी कि मैं कॉलेज में उनसे बात नहीं करता था। लेकिन सच कहूं वो घमंड नहीं था, सिर्फ संकोच था, मैं शर्माता था और मैं स्वीकार करता हूँ, लड़कियों की बातों में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं थी। मुझे आज भी नहीं मालूम कि किशोर लड़कियां किस बारे में बात करती थीं, तो मैं उनसे ऊब जाता था हाँ; घमंड का सवाल ही नहीं था। लड़कियों के साथ तो ज़रा भी नहीं।

तब से, मैंने घमंड के बारे में काफी गहराई से लंबे समय तक सोचा है। क्या वस्तुओं का कोई अवरोही क्रम है जो आपके दंभ का वर्गीकरण करता है? पूर्ण रूप से घमंडी होने के लिए आपके पास कौन कौन सी और कितनी विशेषताएं होनी चाहिए? और आप कैसे कह सकते हैं कि कोई घमंडी सिर्फ दिखावा कर रहा है, उन लोगों की तरह नकल कर रहा हो जो फेंकी हुई महंगी बोतलों में सस्ती शराब परोसते हैं? क्या वर्ग, जाति से अधिक महत्वपूर्ण है? किसी व्यक्ति का धर्म किसी को घमंडी क्यों नहीं बनाता ? बेशक, त्वचा का रंग निश्चित रूप से श्रेष्ठता और हीनता का अग्नि प्रवर्तक है। और भी कई तरह से। इतने ढेर सारे सवाल हैं, जवाब बहुत कम। ■

ADVT.
Rtn. Jennifer E.Jones
R.I.President
Rtn. AKS. V.R.Muthu
District Governor
Rotary
District 3212
IMAGINE
ROTARY
END
POLIO
NOW
More than 2.5 billion Children saved from Polio
Thank you so much for your Donation towards Polio
YOUR MONEY WILL BE SPENT ON
• Raising Awareness
• Vaccines
• Getting vaccine to the children
• Detecting disease
• Remuneration to Epidemiologists
• Research
Contact :
Dr.Chinnadurai Abdullah
EPNC - Zone 5
98424 21334
Now is our chance to change the world. To Make sure no child is disabled by polio ever again.
Join in. Speak out. Donate. Be a part of history.
endpolionow.org
We Are This Close To Ending Polio
To reach a Polio free World...
Donate Rs.1 Lakh
(as one time payment)
Get recognized as
END POLIO FELLOW
Donate 100 USD
and give a pledge to donate
100 USD every year till polio is eradicated.
Get recognized as Polio Plus Society Member
Amitabh Bachchan
COURTESY
IDHAYAM Mantra
SAY IDHAYAM • SPELL HEALTH

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹40
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23
Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month. Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month.

ADVT.